● वर्ष-3
● अंक-06
रायपुर, मंगलवार
15 अगस्त 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

भारत ने विश्व मंच पर अग्रणी स्थान बनाया-राष्ट्रपति

संबोधित करते हुए द्रौपदी मुर्मु ने कहा, देश ने चुनौतियों को अवसरों में बदला, हमें बहुत आगे जाना है

नईदिल्ली। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश को इसकी बधाई दी है। अपने संबोधन की शुरूआत में उन्होंने कहा कि देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस पर आप सभी को मेरी हार्दिक बधाई! यह दिन हम सब के लिए गौरवपूर्ण और पावन है। चारों ओर उत्सव का वातावरण देखकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम केवल एक व्यक्ति ही नहीं हैं, बल्कि हम एक ऐसे महान जन-समुदाय का हिस्सा हैं जो अपनी तरह का सबसे बड़ा और जीवंत समुदाय है। यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिकों का समुदाय है। उन्होंने कहा कि जाति, पंथ, भाषा और क्षेत्र के अलावा, हमारी अपने परिवार और कार्य-क्षेत्र से जुड़ी पहचान भी होती है। लेकिन हमारी एक पहचान ऐसी है जो इन सबसे ऊपर है, और हमारी वह पहचान है, भारत का नागरिक होना।

राष्ट्रपति ने कहा कि गांधीजी तथा अन्य महानायकों ने भारत की आत्मा को फिर से जगाया और हमारी महान सभ्यता के मूल्यों का जन-जन में संचार किया। उन्होंने कहा कि हम सभी, समान रूप से, इस महान देश के नागरिक हैं। हम सब को समान अवसर और अधिकार उपलब्ध हैं तथा हमारे कर्तव्य भी समान हैं। उन्होंने कहा कि सरोजिनी नायडू, अम्मू स्वामीनाथन, रमा देवी, अरुणा आसफ़ अली और सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिला विभूतियों ने अपने बाद की सभी पीढ़ियों की महिलाओं के लिए आत्म-विश्वास के साथ, देश तथा समाज की सेवा करने के प्रेरक आदर्श प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं विकास और देश सेवा के हर क्षेत्र में

बढ़-चढ़कर योगदान दे रही हैं तथा राष्ट्र का गौरव बढ़ा रही हैं। आज हमारी महिलाओं ने ऐसे अनेक क्षेत्रों में अपना विशेष स्थान बना लिया है जिनमें कुछ दशकों पहले उनकी भागीदारी की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि मैं सभी देशवासियों से आग्रह करती हूँ कि वे महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता दें। मैं चाहूंगी कि हमारी बहनें और बेटियाँ साहस के साथ, हर तरह की चुनौतियों का सामना करें और जीवन में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि भारत, पूरी दुनिया में, विकास के लक्ष्यों और मानवीय सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि चूंकि ज20 समूह दुनिया की दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए यह हमारे लिए वैश्विक प्राथमिकताओं को सही दिशा में ले जाने का एक अद्वितीय अवसर है। देश ने चुनौतियों को अवसरों में बदला है और प्रभावशाली जीडीपी ग्रोथ भी दर्ज की है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता के लिए विभिन्न क्षेत्रों में पहल की गयी है तथा व्यापक स्तर पर कल्याणकारी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।मैं एक शिक्षक रही हूँ, इस नाते भी मैंने यह समझा है कि शिक्षा, सामाजिक सशक्तीकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अनुसंधान, नवाचार तथा उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए, अगले पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये की राशि के साथ सरकार द्वारा अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन स्थापित किया जा रहा है। यह फाउंडेशन हमारे कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान केन्द्रों में रिसर्च डेवल्पमेंट को आधार प्रदान करेगा, उन्हें विकसित करेगा तथा आगे ले जाएगा।

उन्होंने कहा कि चंद्रमा का अभियान अन्तरिक्ष के हमारे भावी कार्यक्रमों के लिए केवल एक सीढ़ी है। हमें बहुत आगे जाना है। लोभ की संस्कृति दुनिया को प्रकृति से दूर करती है और अब हमें यह एहसास हो रहा है कि हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक क्षेत्र जिस पर पूरे विश्व के वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं को और अधिक तत्परता से ध्यान देना चाहिए वह है - जलवायु परिवर्तन। पर्यावरण के हित में स्थानीय, राष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर पर प्रयास करना अनिवार्य है।

देश मनाएगा 77वां स्वतंत्रता दिवस, यहां लाइव देखें पीएम मोदी का भाषण

नई दिल्ली। देश आजादी के 76 वर्ष पूरे करने वाला है। कल यानी मंगलवार को 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पूरा राष्ट्र देशभक्ति से लबरेज है। इसके साथ ही दिल्ली से लेकर जम्मू कश्मीर तक सुरक्षा चाक चौबंद है। दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य कार्यक्रम होगा और यहां लाल किले के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले की प्राचीर से ध्वजारोहण करेंगे और राष्ट्र को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी का ये लगातार 10वां स्वतंत्रता दिवस संबोधन होगा।

स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह दिल्ली में लाल किले पर होगा। हर साल की तरह इस साल भी सुबह साढ़े सात बजे ध्वजारोहण के साथ समारोह की शुरुआत होगी। स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय राजधानी में हल्की बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में मंगलवार को हल्की बारिश हो सकती है। राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी लाल किला पहुंचेंगे। उनका स्वागत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट और रक्षा सचिव गिरिधर अरामने करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया जाएगा। फिर पीएम लाल किले की प्राचीर की ओर बढ़ेंगे।

इन दिनों

✍ रमेश शर्मा

भारत की आजादी विभाजन की त्रासदी

संसार में भारत अकेला ऐसा देश है जिसका इतिहास यदि सर्वोच्च गौरव से भरा है तो सर्वाधिक दर्द से भी। यह गौरव है पूरे संसार को शब्द, गणना और ज्ञान विज्ञान से अवगत कराने का। और दर्द है निरंतर आक्रमणों और अपनी धरती के हुये विभाजन का। बीते ढाई हजार वर्षों में 24 और 1873 से 1947 के बीच केवल सत्तर सालों में सात विभाजन हुये । अंतिम विभाजन करोड़ो लोगों के बेघर होने और लाखों निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या के साथ हुआ।

आज स्वतंत्र भारत का जो स्वरूप और सीमा हम देख रहे हैं उसका भूगोल अतीत के गौरव का दस प्रतिशत भी नहीं है । वैदिक संस्कृति से आलोकित इस भूभाग का नाम कभी जंबूद्वीप था। जिसका स्मरण आज भी पूजन संकल्प में होता है जंबूद्वीपे भरत खंडे आर्यावर्ते.. पर यह अब केवल इतिहास की पुस्तकों तक ही सिमिट गया। समय के साथ भारत कभी आर्यावर्त है तो कभी भारतवर्ष भी रहा। हिमालय इसके मध्य में था। यदि हम बहुत पुरानी बात न करें केवल 1876 के बाद की बात करें तो 1876 से 1947 के बीच कै कुल इकहत्तर वर्षों में भारत के कुल सात विभाजन हुये और भारत का दो तिहाई हिस्सा पराया हो गया। अफगानिस्तान, श्रीलंका, म्यामार आदि सब इसी अवधि में भारत से अलग हुये। इसकी भूमिका 1857 की क्रान्ति से बन गई थी। अंग्रेजों के शासन का सिद्धांत फबाँटों और राज करोफ था। इसलिए उन्होंने विशाल भारतीय साम्राज्य को बांटना आरंभ किया और चारों ओर बफर स्टेट बनाना आरंभ किया। 1876 में अफगानिस्तान को भारत से अलग किया, 1906 में भूटान को, 1935 में श्रीलंका को, 1937 में वर्मा यनि म्यांमार और 1947 पाकिस्तान के रूप में भारत की धरती पर एक नये देश का उदय हुआ। जो 1971 में विखंडित होकर पाकिस्तान के भीतर से बंगलादेश का उदय हुआ। 1857 की क्रांति भले असफल हो गई थी पर इसके बाद अंग्रेजों ने अपनी सत्ता को सशक्त और स्थाई बनाने के अनेक उपाय किये। पुलिस आदि की व्यवस्था करके न केवल जाति धर्म और भाषा के नाम से विभाजन आरंभ किया अपितु देशात्मक सत्ता के रूप में विभाजन आरंभ किया। ताकि यदि किसी एक क्षेत्र में कमजोर होते हों तो दूसरे क्षेत्र की सेना से नियंत्रित कर सकें। इसीलिये उन्होंने भारत के विभाजन की शुरुआत की। 1876 में भारत का कुल क्षेत्रफल 83 लाख वर्ग किलोमीटर था। जो धीरे-धीरे घटकर अब केवल 33 लाख वर्ग किलोमीटर रह गया। यनि यदि पुराने इतिहास की बात न करें केवल 1874 से 1947 के बीच की बात करें तो इसी अवधि में भारत का पचास लाख वर्ग किलोमीटर धरती पराई हो गयी। भारत का अंतिम विभाजन 14 अगस्त 1947 को हुआ। इसलिये भारत में 14 अगस्त अखंड भारत दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रमुख समाचार

हमें बुलडोजर चलाने पर विश्वास नहीं: सीएम भूपेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर वार- पलटवार की राजनीतिक जबरदस्त तरीके से चल रही है। सत्ता में कांग्रेस है। यही कारण है कि भाजपा कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साथ रही है। भूपेश बघेल

की सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने कमीशन खोरी को बड़ा मुद्दा बनाया है। इसी को लेकर अब भूपेश बघेल की ओर से पलटवार किया गया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अरुण साव (छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष) ने सही कहा है क्योंकि रमन सिंह (पूर्व सीएम) ने खुद स्वीकार किया है कि अगर कोई एक साल के लिए कमीशनखोरी बंद कर दे, तो वह 30 साल तक शासन कर सकता है। उन्होंने %कमीशनखोरी% बंद नहीं की और इसलिए सरकार खो दी। अपना हमला करते हुए कहा कि 15 साल तक शासन करने वाली सरकार ने केवल 15 सीटें हासिल कीं। अरुण साव को सबसे पहले खुद से शुरुआत करनी चाहिए, क्योंकि वह %कमीशनखोर% हैं। उन्होंने कहा कि हमें बुलडोजर चलाने में भरोसा नहीं है, हमें कानून पर भरोसा है और कानून छत्तीसगढ़ में शासन कर रहा है और हम कार्यवाही में इसका पालन करेंगे।

लोकसभा चुनाव से पहले गिर जाएगी कांग्रेस सरकार: पाटिल

नईदिल्ली। भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने सोमवार (14 अगस्त) को दावा किया कि कर्नाटक में सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले गिर जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि

सत्तारूढ़ दल के लगभग 25 विधायक पद छोड़ने के लिए तैयार हैं। बीजापुर (विजयपुरा) शहर से विधायक यतनाल ने उम्मीद जताई कि भाजपा एक बार फिर सत्ता में लौटेगी। आपको बता दें कि हाल में संपन्न कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बंपर जीत हुई थी। इस जीत में कांग्रेस ने एक बार फिर से सिद्धारमैया को राज्य की जिम्मेदारी सौंपी। हालांकि, मुख्यमंत्री पद को लेकर डीके शिवकुमार भी अपनी दावेदारी पेश कर रहे थे। सरकार गठन के बाद कई बार उनकी नाराजगी की खबरे आ चुकी हैं। इसके अलावा दावा यह भी किया जाता है कि कई विधायक भी नाराज हैं। यही कारण है कि भाजपा लगातार सरकार गिरने का दावा करती है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस जो कहती है कि उसे 135 सीटें मिली हैं, उसे नींद नहीं आ रही है।

हर घर तिरंगा अभियान को मिल रही जबरदस्त सफलता

नईदिल्ली। केंद्र सरकार की वेबसाइट के अनुसार, हर घर तिरंगा वेबसाइट को देश के लोगों से 40 मिलियन से अधिक सेल्फी प्राप्त हुई हैं। यह अभियान 13-15 अगस्त तक चलेगा, जब भारत अपना 77वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। प्रधान

मंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले देश के लोगों से अभियान में भाग लेने के लिए कहा था। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, प्रधान मंत्री ने लोगों से महत्वपूर्ण दिन से पहले एक अनूठे प्रयास के हिस्से के रूप में, अपने सोशल मीडिया हैंडल की डिस्प्ले तस्वीर को राष्ट्रीय ध्वज में बदलने के लिए कहा। हर घर तिरंगा की वेबसाइट से पता चलता है कि सरकार को तिरंगे के साथ 43,644,013 (4.3 मिलियन) सेल्फी मिली हैं। वेबसाइट के होम पेज को सेल्फी अपलोड करने के विकल्प के साथ फिर से डिजाइन किया गया है। जब कोई उपयोगकर्ता पोर्टल खोलता है, तो दो विकल्प होते हैं - झंडे और डिजिटल तिरंगे के साथ एक सेल्फी अपलोड करने के लिए।

ज्ञानवापी की तर्ज पर मथुरा में भी सर्वेक्षण की मांग, सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नईदिल्ली। उत्तर प्रदेश के मथुरा में स्थित शाही ईदगाह मस्जिद का ज्ञानवापी परिसर की तरह ही वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने की मांग वाली याचिका

सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है। याचिका श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता के अनुसार कथित शाही ईदगाह मस्जिद पर हिंदू समुदाय का अधिकार है, जिसका निर्माण हिंदू मंदिरों को तोड़कर किया गया था और ऐसा निर्माण मस्जिद नहीं हो सकता। याचिकाकर्ता ने आगे कहा है कि विवादित भूमि के संबंध में कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट और मस्जिद समिति द्वारा पेश किए गए दावे की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए गहन वैज्ञानिक सर्वेक्षण करना जरूरी है। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह सर्वेक्षण अनुभवजन्य डेटा पेश करेगा और उनके बयानों की सटीकता को प्रमाणित करेगा, किसी भी निष्कर्ष या निर्णय के लिए एक विश्वसनीय आधार प्रदान करेगा।

हिज्बुल आतंकी के भाई ने फहराया तिरंगा

श्रीनगर। आतंकवादी के भाई रईस मट्टू, जिन्हें स्वतंत्रता दिवस से पहले जम्मू-कश्मीर के सोपोर में अपने आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते देखा गया था, ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने बिना किसी के दबाव के तिरंगा लहराया। हिज्बुल आतंकवादी जावेद मट्टू के भाई रईस को अपने घर की खिड़की से तिरंगा लहराते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया था। जावेद मट्टू हिजबुल मुजाहिदीन आतंकी समूह से जुड़ा एक सक्रिय आतंकवादी है। वह कथित तौर पर सुरक्षा एजेंसियों की सूची में घाटी के शीर्ष 10 लक्ष्यों में से एक था। रईस मट्टू ने कहा, मैंने दिल से तिरंगा लहराया। किसी का कोई दबाव नहीं था...सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा, हम बुलबुले हैं इसके ये गुलिस्तां हमारा। रईस ने 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह से एक दिन पहले कहा कि विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा भाई एक बन गया। 2009, उसके बाद हम उनके बारे में कुछ नहीं जानते... अगर वह जीवित हैं, तो मैं उनसे वापस आने का आग्रह करता हूं... हालात बदल गए हैं, पाकिस्तान कुछ नहीं कर सकता... हम हिंदुस्तानी थे, हैं और रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर तिरंगा अभियान में हिस्सा लेने का आग्रह किया है।

शुभकामनाएं

भारतीय स्वाधीनता के 76वीं वर्षगांठ पर समाचार पचीसा के सुधी पाठकों, एजेंटों एवं शुभचिंतकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ।।।।

अवकाश

समाचार पचीसा के संस्थान में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अवकाश रहेगा। पाठकों को समाचार पचीसा का अगला अंक 17 अगस्त को प्राप्त होगा।

-संपादक

हिमाचल में पांच जगह फटे बादल, 51 की मौत

शिमला/सोलन/मंडी। हिमाचल प्रदेश में 72 घंटों से लगातार जारी भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। सावन के सोमवार को भारी बारिश के रेड अलर्ट के बीच राज्य में जगह-जगह बादल फटने और भूस्खलन से 51 लोगों की मौत गई। करीब 30 लोग मलबे में दबने और बहने से लापता हैं। मंडी जिले में 18, राजधानी शिमला में 14, सोलन में 11, कांगड़ा-हमीरपुर में 3-3, चंबा और सिरमौर में 1-1 लोगों की जान गई है। शिमला, सोलन, कांगड़ा में एक-एक और मंडी में दो जगह बादल फटे हैं। शिमला में 15, मंडी में 3, हमीरपुर में दो और सिरमौर में एक व्यक्ति लापता है। मंडी में छह लोग घायल हुए हैं।

आठ एनएच समेत 621 सड़कें बंद

प्रदेश सरकार ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर होने वाले सभी

सांस्कृतिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। केवल रस्मी तौर पर ही तिरंगा फहराया जाएगा। प्रदेश में रविवार रात को सामान्य से 357 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। सूबे में आठ नेशनल हाईवे और 621 सड़कें बंद हो गईं हैं। मंडी के पराशर रोड पर 250 पर्यटक फंसे हैं। इन्हें सुरक्षित निकालना चुनौती बन गया है। शिमला में भी पर्यटक होटलों में ही कैद हैं।

शिमला में 15 की मौत, कई मलबे में दबे: राजधानी शिमला के समरहिल में भारी भूस्खलन के बाद आए मलबे और पेड़ गिरने से शिवबाड़ी मंदिर में माथा टेकने आए लोग दब गए। यहां अब तक नौ शव निकाले जा चुके हैं जबकि 15 से ज्यादा लोगों के दबे होने की सूचना है। लोग यहां बादल फटने की आशंका जता रहे हैं। शिमला के ही फागली में भूस्खलन की चपेट में एक मकान आ गया। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई है। तीन घायलों को रेस्क्यू किया गया है। मृतकों में संतोष पत्नी पवन शर्मा(58) समरहिल , अमन शर्मा(34) पुत्र पवन शर्मा ,सयशा(4) पुत्री अमन शर्मा, सुयशा(डेड़ साल) पुत्री अमन शर्मा, किरण(51) पत्नी प्रदीप , संजीव ठाकुर (48), अमित ठाकुर (48) और हरीश कुमार(43) शामिल हैं।

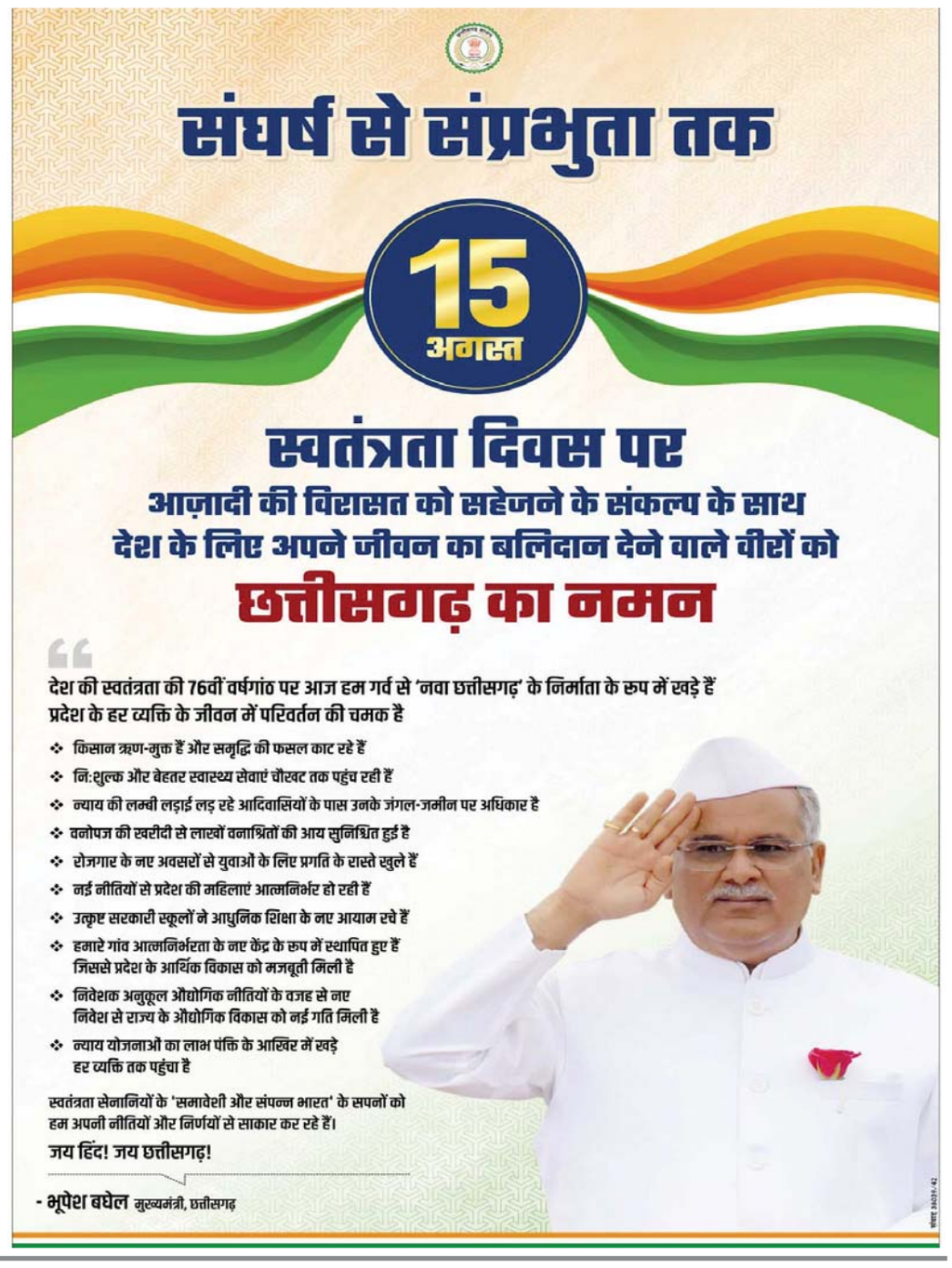

अब सूरज की ओर इसरो, आदित्य मिशन की तैयारी

बेगलुरू। जुलाई में चंद्रयान 3 सहित दो सफल मिशन लॉन्च के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) सूर्य के लिए अपने अगले बड़े मिशन के लिए तैयारी कर रहा है। सूत्रों ने पुष्टि की है कि आदित्य एल1 सूर्य के लिए भारत का पहला मिशन होगा और इस साल सितंबर की शुरुआत में लॉन्च होने की उम्मीद है। आदित्य एल1 का लक्ष्य चौबीसों घंटे सूर्य की इमेजिंग करने के अलावा सौर कोरोना, सौर उत्सर्जन, सौर हवाओं और ज्वालाओं, कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) का अध्ययन करना है। एस्ट्रोसैट के बाद, यह वैज्ञानिक और अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से किया गया इसरो का दूसरा खगोल विज्ञान मिशन/वेधशाला है।

आदित्य रू को पृथ्वी से 1.5 मिलियन किलोमीटर की दूरी पर स्थित लैग्रेंज बिंदु रू में डाला जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष यान अभी भी सूर्य से 90 मिलियन किलोमीटर से अधिक दूर होगा। सूर्य से इस पर्याप्त दूरी

के कारण, आदित्य सीधे सूर्य को देखकर निरंतर अवलोकन करने में सक्षम होंगे। अंतरिक्ष एजेंसी ने सोमवार को माइक्रोब्लॉगिंग साइट यू आर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी), बेंगलुरु में साकार किया गया उपग्रह एसडीएससी-एसएचएआर, श्रीहरिकोटा पहुंच गया है। सात पेलोड वाले सौर मिशन में मुख्य सहयोगी भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए), बेंगलुरु, इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आईयूसीएए), पुणे और भारतीय विज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान संस्थान हैं।

इस साल जनवरी में आईआईए ने विजिबल लाइन एमिशन कोरोनोग्राफ (वीईएलसी) इसरो को सौंप दिया था। यह सीएमई को ट्रैक करेगा, सीएमई प्लाज्मा और सौर विस्फोटों और सौर हवाओं को चलाने वाले चुंबकीय क्षेत्र के बीच संबंधों का पता लगाएगा।

चंद्रमा के करीब पहुंचा चंद्रयान

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने घोषणा की है कि भारत का तीसरा चंद्र अन्वेषण मिशन चंद्रयान-3 अब चंद्रमा की सतह से केवल 177 किलोमीटर दूर है। अंतरिक्ष यान ने अपनी कक्षा का गोलाकार चरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे यह अपने अंतिम गंतव्य के और भी करीब आ गया है। इसरो ने एक सटीक पैंतरेबाज़ी की जिसने अंतरिक्ष यान की कक्षा को 150 किमी × 177 किमी तक कम कर दिया, जो मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। यह ऑपरेशन कक्षा गोलाकार चरण का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष यान को चंद्रमा के चारों ओर एक निकट-गोलाकार कक्षा में स्थापित करना है। यह चरण मिशन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बाद के लैंडिंग प्रयास के लिए मंच तैयार करता है।

सीएम ने साजा को दी 57 करोड़ रुपये की सौगात

■ बोले- विकास के लिए रुपये की नहीं है कमी

बेमेतरा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को साजा में विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बीते पांच वर्षों से लगातार विकास कार्य हो रहा है। छत्तीसगढ़ के विकास के लिए रुपये की कमी नहीं है। सभी सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कृषि के क्षेत्र में अब लोगों को रोजगार मिल रहा है। शासन द्वारा कृषि सेक्टर के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इससे सीधे तौर पर किसानों को लाभ मिल रहा है। यही कारण है कि पूरे प्रदेश में सभी फसलों का रकबा बढ़ा है।

कार्यक्रम के दौरान सीएम भूपेश बघेल ने करीब 57 करोड़ रुपये के विभिन्न निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया। इसके अलावा वर्ष 2019 में स्थापित कृषि महाविद्यालय साजा के नवनिर्मित महाविद्यालय भवन का निर्माण छत्तीसगढ़ शासन की वित्तीय सहायता से किया गया है। इस भवन निर्माण में कुल 5 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत आई है। महाविद्यालय के बालक व बालिका छात्रावास भवन का निर्माण भी छत्तीसगढ़ शासन के वित्तीय सहायता से किया गया है, जिसके निर्माण में कुल 2 करोड़ 28 लाख रुपये की लागत आई है। इन छात्रावास भवनों में कुल 20-20 कमरे हैं, जिनमें प्रति छात्रावास कुल 60 विद्यार्थियों की रहने की क्षमता है।

कार्यक्रम के दौरान सीएम ने कॉलेज में पढ़ाई को लेकर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कॉलेज के उद्यानिकी व कृषि की पढ़ाई के लिए पीजी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की घोषणा किया

है। छत्तीसगढ़ शासन कृषि विभाग द्वारा मोहगांव (साजा) में स्थापित कृषि महाविद्यालय में बीएससी (कृषि) चार वर्षीय पाठ्यक्रम की शिक्षा दी जाती है। इस महाविद्यालय में 60 सीटों पर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। वर्तमान में महाविद्यालय में कुल 185 छात्र अध्ययनरत हैं। कृषि महाविद्यालय भवन के प्रांगण में स्व.कुमारी देवी चौबे की प्रतिमा स्थापित की गई है, जिसका अनावरण भी अतिथियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस ने सोमवार दोपहर को भाजपा के प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट व जिला पंचायत सभापति राहुल टिकरिहा को ग्राम सलधा में तिरंगा यात्रा के दौरान हिरासत में लिया था। उन्हें बेमेतरा सिटी कोतवाली थाना में रखा गया।

दरअसल, राहुल टिकरिहा द्वारा नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम झिरिया-बिटकुली प्रस्तावित स्पंज आयरन संयंत्र समेत अन्य विषयों को लेकर विरोध किया जा रहा है। इससे पहले बेमेतरा के दौरे पर पहुंचे प्रदेश के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के कार्यक्रम से पहले ही राहुल टिकरिहा को हिरासत में लिया गया था। तब वे पंचायत के विभिन्न राशि को रोके जाने को लेकर डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव को ज्ञापन देने कलेक्ट्रेट पहुंचे हुए थे। इसी दौरान उन्हें हिरासत में लिया गया था। अब इसी प्रकार सोमवार को साजा में आयोजित सीएम के कार्यक्रम में विरोध न कर दें, इसी आशंका में पुलिस ने राहुल टिकरिहा को हिरासत में लिया था।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने देश की आजादी की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि पुरखों के कठिन संघर्ष, त्याग और बलिदान से हमें आजादी मिली है। आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले उन सभी अनाम योद्धाओं, शहीदों और वीर जवानों को नमन है, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान दिया। उनकी बदौलत हम आजाद वातावरण में सांस ले पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आजादी के वास्तविक मायने और मूल्यों को समझने के लिए हमें इतिहास का संजीदगी से पुनरावलोकन करना होगा। हमारे पूर्वजों के कठिन परिश्रम और दूरदृष्टि का परिणाम है कि अनेक चुनौतियों के बावजूद भारत आज पूरे विश्व में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।

दो यात्री ट्रेन के नागभीड़ व राजनांदगांव रेलव स्टेशनों में ठहराव की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर रेल मंडल के अंतर्गत नागभीड़ रेलवे स्टेशन में 22174/22173 जबलपुर-चान्दा फोर्ट-जबलपुर एक्सप्रेस का ठहराव की सुविधा 15 अगस्त से प्रदान की जा रही है एवं राजनांदगांव रेलव स्टेशन में 17005 /17006 हैदराबाद-रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस का ठहराव की सुविधा 18 अगस्त, से प्रदान की जा रही है। यह ठहराव प्रायोगिक तौर पर अस्थायी रूप से 6 महीने के लिए दिया गया है।

15 अगस्त को जबलपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22174 जबलपुर-चान्दा फोर्ट एक्सप्रेस का नागभीड़ रेलवे स्टेशन में 11.46 बजे पहुंचकर 11.48 बजे रवाना होगी तथा 15 अगस्त, को चान्दा फोर्ट से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22173 चान्दा फोर्ट-जबलपुर एक्सप्रेस का नागभीड़ रेलवे स्टेशन में 16.19 बजे पहुंचकर 16.21 बजे रवाना होगी।

18 अगस्त को हैदराबाद से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 17005 हैदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस का राजनांदगांव रेलवे स्टेशन में 11.12 बजे पहुंचकर 11.14 बजे रवाना होगी तथा 20 अगस्त को रक्सौल से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 17006 रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस का राजनांदगांव रेलवे स्टेशन में 07.56 बजे पहुंचकर 07.58 बजे रवाना होगी।

जगदलपुर में स्वतंत्रता दौड़ का हुआ आयोजन, रहेगी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

जगदलपुर। मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में सोमवार की सुबह स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ को पद्मश्री धरमपाल सैनी, संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने हरी झंडी दिखाकर कर प्रारंभ किया। दौड़ में जनप्रतिनिधी, कलेक्टर, सीईओ, जिला पंचायत सहित प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, स्कूली बच्चे, एनसीसी, एसडीआरएफ के जवान और नागरिक शामिल हुए। दौड़ से पहले सभी अतिथियों ने शहीद स्मारक में पुष्प चक्र और पुष्प अर्पित कर नमन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने कहा कि इस स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन स्वतंत्रता सेनानियों, वीर शहीदों की कुर्बानी को सम्मान, स्मरण कर श्रद्धांजलि देने और देश प्रेम की भावना को जगाने के लिए किया जाता है। कलेक्टर विजय दयाराम के ने कहा कि 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्वंतत्रता दौड़ का आयोजन किया गया। पिछले वर्ष 75वां स्वंतत्रता दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया था। हमारे

पूर्वजों ने अपना खून बहाकर हमें गुलामी की जंजीरों से आजाद करवाया था। हर साल उन वीरों की कुर्बानी और देश के प्रति बलिदान को याद रखते हुए इस दिन की महानता व विशेषता को स्मरण करना साथ ही अगली पीढ़ी को बताना है।

इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि स्वंतत्रता दिवस के एक दिन पहले प्रतीकात्मक, सांकेतिक स्वरुप में अमृत महोत्सव में स्वतंत्रता दौड़ के आयोजन के लिए दौड़ में भाग लेने वाले सभी को बधाई और शुभकामनाएं। सद्भावना दौड़ सुबह 7.30 बजे दंतेश्वरी मंदिर परिसर से संजय मार्केट, हनुमान मंदिर, हाता ग्राउंड होते हुए गोल बाजार चैक से मंदीर प्रागंण में समाप्त हुई। स्वतंत्रता दौड़ के अवसर पर मतदाता जागरूकता के तहत मतदान के लिए प्रेरित किया गया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बस्तर संभाग के समस्त जिलों में त्रिस्तरीय सुरक्षा रहेगी। स्थानीय पुलिस बल, डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा और केंद्रीय अर्धसैनिक बालों द्वारा लगातार अंदरूनी एवं सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च गश्त अभियान किया जा रहा है।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने समस्त बस्तरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। साथ ही बस्तर क्षेत्र की शांति, सुरक्षा एवं विकास के लिए अपना सर्वोच्चतम बलिदान देने वाले सुरक्षा बल सदस्यों एवं नागरिकों की शहादत को स्मरण किया गया। पुलिस महानिरीक्षक ने बीत वर्षों में जनसहयोग से नक्सल विरोध अभियान में किये गये निर्णायक बढ़त का उल्लेख करते हुए क्षेत्रवासियों को आस्वस्त किया गया कि आने वाले दिनों में बहुत ही जल्द बस्तर संभाग में वामपंथ उग्रवाद को समाप्त कर देंगे। बस्तर क्षेत्र को एक नई पहचान दिलाएंगे।

बालोद में कलेक्टर दफ्तर के पास तेंदुआ दिखने से मचा हड़कंप, आवाजाही की गई बंद

बालोद। जिला मुख्यालय झलमला घोटिया चौक के पास तेंदुए की चहल कदमी देखी गई है। रविवार रात कलेक्टर दफ्तर से 500 मीटर दूरी पर सड़क के बीचो बीच एक तेंदुआ देखा गया। राहगीरों ने तेंदुए की तस्वीर अपने मोबाइल के कैमरे में कैद की। इसके बाद वीडियो वन विभाग तक पहुंचा। जानकारी लगते ही वन विभाग,पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन एक्टिव हुआ। सूचना के बाद मौके पर बालोद थाना प्रभारी रविशंकर पाण्डेय, रेंजर जेआर जोगन्स अपनी टीम के साथ पहुंचे।

आपको बता दें कि कुछ लोग तांदुला जलाशय की ओर जा रहे थे।तभी गाड़ी की रोशनी में उन्हें झाड़ियों के बीच तेंदुआ नजर आया। तेंदुआ लाइट पड़ने के बाद भी मौके से नहीं भागा। इसलिए लोगों ने उसकी तस्वीर और वीडियो अपने कैमरे में कैद करना शुरु किया।थोड़ी देर बाद तेंदुआ झाड़ियों के अंदर छिप गया।यह क्षेत्र घने जंगलों से लगा है। कलेक्टोरेट का निर्माण तांदुला जलाशय के किनारे किया गया है।जलाशय में अक्सर जंगली जानवर पानी पीने के लिए आते हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि तेंदुआ पानी की तलाश में जलाशय के करीब आया होगा। थाना प्रभारी रविशंकर पाण्डेय ने कहा राहगीरों ने तेंदुआ देखने

के बाद वन विभाग और पुलिस प्रशासन को सूचना दी।इनपुट पाकर बालोद थाने की टीम मौके पर पहुंची तेंदुए से दूर रहने के लिए आसपास के लोगों को समझाया गया।लगभग एक से डेढ़ घंटे तक रोड को ब्लॉक कर दिया गया था।ताकि तेंदुआ उस जगह से निकलकर वापस जंगल में लौट सके। शहरी आबादी के पास तेंदुए की आमद के कारण एहतियातन वन विभाग और पुलिस प्रशासन टीम ने झलमला घोटिया रास्ते को बंद करा दिया है।साथ ही साथ लोगों से अपील की गई है कि इस क्षेत्र के जंगल में ना जाए।जिस जगह पर तेंदुआ देखा गया है।उसे बीट क्रमांक 248 जोगी राव क्षेत्र कहा जाता है। रास्ते में तेंदुआ देखे जाने की सूचना राहगीरों ने पुलिस और वन विभाग को दी थी। जिसके बाद पूरा प्रशासनिक अमला अलर्ट हो गया। जिस जगह पर तेंदुआ दिखा था वहां के दोनों छोर के रोड को ब्लॉक किया गया था। रास्ते में लाइट की व्यवस्था ना होने के कारण राहगीरों को इस रास्ते पर आवाजाही करने से रोका गया।

जांजगीर में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी पूरी

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिला मुख्यालय के हाई स्कूल मैदान में आयोजित होने वाले 77वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारी पूरी कर ली गई है। 15 अगस्त को गरिमामय वातावरण में तिरंगा फहराया जाएगा, जिसे लेकर जिला प्रशासन ने तैयारी पूरी की है। कलेक्टर व एसपी ने पूर्ण अभ्यास का निरीक्षण किया।

जानकारी अनुसार,15 अगस्त 2023 को पूरा देश 77वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मानने जा रहा है। इस कड़ी में जिला जांजगीर चांपा के हाई स्कूल मैदान में गरिमामय वातावरण में झंडा फहराया जाएगा और परेड को सलामी दी जायेगी। स्कूली छात्र-छात्राओं के द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिसका अभ्यास किया गया है।

कलेक्टर रिचा प्रकाश चौधरी और एसपी विजय अग्रवाल ने हाई स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह का निरीक्षण किया। इस दौरान पूर्ण अभ्यास में मुख्य अतिथि के रूप में अपर कलेक्टर एसपी वैद्य ने भूमिका निभाई और राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी दी। पूर्णा अभ्यास के दौरान 15 अगस्त को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम का मिनट दो मिनट अभ्यास किया गया।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह प्रातः 8:45 मिनट पर मुख्यालय के हाई स्कूल मैदान में आयोजित होगा, जहां प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं विकास श्रम विभाग के मंत्री डॉ. शिवकुमार डेहरिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और ध्वारोहण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा जनता के नाम प्रेषित संदेशों का वाचन करेंगे और उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र का वितरण किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

आईईडी प्लांट करते समय हुआ ब्लास्ट, दो नक्सली घायल

कांकेर। धुर नक्सल प्रभावित कोयलीबेड़ा ब्लॉक के आलपरस गांव के पास आईईडी ब्लास्ट की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों द्वारा आईईडी प्लांट करते समय ब्लास्ट हुआ है। आईडी ब्लास्ट में कुछ नक्सली घयाल भी हुए हैं जानकारी के अनुसार, नजदीकी कैंप से पुलिस पार्टी मौके के लिए रवाना हुई है। वहीं, एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि ब्लास्ट की सूचना मिली है। मामले की जांच जारी है। जवानों की टीमएसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि कोयलीबेडा थाना क्षेत्र के आलपरस गांव के पास सुरक्षा बलों एवं ग्रामीणों को नुकशान पहुंचाने के लिए नक्सली द्वारा आईईडी लगाया जा रहा था। करीब 11 बजे आईईडी लगाते हुए ब्लास्ट हो गया, जिसमें पानिडोबीर एलओएस के दो नक्सलियों के घायल होने की जानकारी मिली है। अग्रिम करवाई जारी है।

स्कूल में पढ़ने आए बच्चे से टीचर ने उठवा दिया कचरा

बालोद। गुरुर विकासखंड क्षेत्र के चिटौद प्राथमिक विद्यालय के बच्चों का कूड़ा उठाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बच्चे स्कूल में पढ़ने गए थे, लेकिन विद्यालय में शिक्षकों ने उन्हें कचरा उठाने के काम में लगा दिया। वीडियो सामने आने के बाद स्कूल प्रबंधन अपने बचाव में एक अटैच शिक्षक द्वारा कार्य कराए जाने की बात कर रहा है। वहीं, मामले में विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्रवाई करने की बात कही है। बालोद जिला शिक्षा अधिकारी मुकुल केपी साव ने कहा कि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों से किसी प्रकार का श्रम कार्य नहीं लेना चाहिए। उन्होंने मामले में जांच कराने की बात कही है। बच्चों ने स्वप्रेरित होकर यह कार्य किया है या फिर स्कूल के शिक्षकों द्वारा कराया गया है, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। वीडियो में बच्चे कचरे की पेटी को उठाकर स्कूल से बाहर ला रहे हैं और बाहर में सड़क किनारे इसे खाली भी कर रहे हैं और हाथों से डस्टबिन से कचरा भी निकाल रहे हैं।

सीआरपीएफ के जवानों ने निकाली बाइक रैली

दंतेवाड़ा। स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर शुरू किए गए आजादी का अमृत महोत्सव के समापन के लिए देश भर मे मेरी माटी मेरा देश अभियान में मिट्टी को नमन, वीरों को वंदन, मेरी माटी मेरा देश अभियान का नारा है। इस अभियान के तहत आज सोमवार को सीआरपीएफ 231 बटालियन के जवानों ने 75 बाइक में सवार होकर बाईक रैली निकाली गई, यह रैली जावंगा के सीआरपीएफ 231 बटालियन के हेडक्वार्टर से शुरू होकर गीदम शहर तक पहुंची। बटालियन के कमांडेंट सुरेंदर सिंह ने कहा कि अभियान का उद्देश्य उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों, वीरों व वीरांगनाओं का सम्मान करना है जिन्होंने देश की सेवा मे अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। इस रैली के माध्यम से शहर भर मे मेरी माटी मेरा देश अभियान को सफल बनाने के लिए आम जनता को जागरूक किया गया। इस वर्ष देश आजादी की 77वीं वर्षगांठ मना रहा है। तब मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत अमर बलिदानियों की स्मृति मे देश भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर एल्मागुण्डा में पहुंची बिजली

सुकमा। अति सवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र ग्राम एल्मागुण्डा में जिला पुलिस बल, सीआरपीएफ, प्रशासन के संयुक्त प्रयासों के परिणाम स्वरुप आजादी की पूर्व संध्या 14 अगस्त को विद्युतीकरण कार्य संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि ग्राम एल्मागुण्डा में नक्सलियों के हिंसात्मक कृत्यो के कारण बिजली की सुविधा आज पर्यन्त नही पहुंच पाई थी। ग्रामीण अंधकारमय जीवन जीने को मजबूर थे। ग्राम एल्मागुण्डा के ग्रामीणों का घरो में विद्युतीकरण होने से ग्राम जगमगा उठा है ग्रामीणों के चेहरे में वर्षो बाद घरो में बिजली की रोशनी की जगमगाहट से खुशी का माहौल है। उल्लेखनीय है कि ग्राम तोंडामरका में छः माह पहले ही सुरक्षा कैम्प स्थापित किया गया है। कैम्प लगने के पश्चात् एल्मागुण्डा के विकासात्मक कार्यो में तेजी आई है। भविष्य में भी ग्रामीणों तक अन्य सुविधाएं पहुंचाई जायेगी।

नक्सल उग्रवाद समाप्त कर सुरक्षित बस्तर सौंपने हेतु दृण-संकल्पित हैं: सुंदरराज पी.

जगदलपुर। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समस्त बस्तरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुये बस्तर क्षेत्र के शांति, सुरक्षा एवं विकास के लिए अपना सर्वोच्चतम बलिदान दिये सुरक्षा बल के सदस्यों एवं नागरिकों की शहादत को स्मरण करते हुए कहा कि विगत वर्षों में जनसहयोग से नक्सल उन्मूलन अभियान में निर्णायक बढ़त मिली है। उन्होने बस्तरवासियों को आस्वस्त करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में बहुत ही जल्द बस्तर संभाग से नक्सल उग्रवाद को समाप्त करते हुये बस्तर क्षेत्र को एक नई पहचान दिलाने के साथ आने वाली पीढ़ी को एक सुरक्षित बस्तर सौंपने हेतु बस्तर पुलिस, स्थानीय प्रशासन एवं समस्त सुरक्षा बल सदस्य दृण-संकल्पित एवं तत्पर है। उन्होने बताया कि स्वतंत्रता दिवस 2023 के सन्दर्भ में बस्तर संभाग अंतर्गत समस्त जिला मुख्यालय सहित अन्य कार्यक्रम के स्थानों में त्रिस्तरीय सुरक्षा रहेगा।

जीपीएम में हाथियों की मस्ती और ऐशो आराम का वीडियो वायरल

गौरेला पेंड्रा मरवाही। दो महीने पहले छत्तीसगढ़ की सीमा से एमपी गए 5 हाथियों का दल एक बार फिर पेंड्रा के मरवाही वन मंडल आ चुका है। सोशल मीडिया में इन हाथियों के दल का आराम फरमाते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। कई गांवों में उत्पात मचाने के बाद ये हाथी आराम फरमा रहे हैं। वीडियो में साफ तौर पर देखने को मिल रहा है कि हाथियों का दल आराम से चैन की नींद सो रहा है।

सोशल मीडिया में वीडियो हुआ वायरल

दरअसल, पेंड्रा के मरवाही वन मंडल में हाथियों के दल का आराम फरमाते वीडियो किसी ने बना कर सोशल मीडिया में शेयर कर दिया। अब ये वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। इन हाथी के दलों ने रविवार की रात को ग्रामीण

इलाकों में उत्पात मचाया था। इससे पहले भी गजराज के इस जल ने शनिवार को उत्पात मचाया और फिर रविवार को आराम करते देखे गए। उत्पात मचाने के बाद थककर ये सो गए। वायरल वीडियो में 5 हाथी आराम करते दिख रहे हैं।

एमपी से वापस लौटा हाथियों का दल

बता दें कि हाथियों का दल लगभग दो महीने के बाद मध्य प्रदेश के कोतमा अनूपपुर क्षेत्र में विचरण करने के बाद वापस मरवाही वन मंडल के जंगलों में पहुंच गया है। वन मंडल में प्रवेश करते ही हाथियों के दल ने रविवार देर रात जमकर उत्पात मचाया था। थकावट महसूस होने पर ये हाथी आराम करने लगे। जंगल से गुजर रहे एक शख्स ने पास में जाकर हाथियों का फोटो लिया और वीडियो भी बनाया और सोशल मीडिया में शेयर कर दिया।

वन विभाग की अपील

वहीं, हाथियों का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने से वन विभाग खफा है। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि ऐसे वीडियो या फोटो बनाकर सोशल मीडिया में न डाले। अपने जीवन की रक्षा स्वयं करें। वन अमला लगातार हाथियों के मूवमेंट पर अपनी नजर बनाए हुए है। जिधर भी हाथी बढ़ते हैं, उधर पड़ने वाले गांव में रहने वाले ग्रामीणों को वन विभाग की ओर से अलर्ट किया जाता है। ताकि कोई भी घटना-दुर्घटना न हो। वन विभाग ने इस वायरल वीडियो की पुष्टि की है।

कागजों में सीमित है गजराज परियोजना

हाथियों के प्राकृतिक रहवास के लिए गजराज परियोजना की बातें महज कागजों तक सीमित है। सरगुजा, कोरिया, कोरबा जैसे हाथियों के प्राकृतिक रहवास क्षेत्र में खुल रही खदानों और मानवीय दखल का नतीजा यह है कि अब हाथी इंसानों के क्षेत्र में पहुंच रहा है। जब इंसानों ने हाथियों के क्षेत्र में दखलअंदाजी कर पेड़ों की कटाई शुरू की तो हाथी इंसानों के क्षेत्र में पहुंचकर घरों को तोड़ने-फोड़ने लगे।

गौण खनिज के अवैध परिवहन करते चार वाहनों पर की गई कार्यवाही

जगदलपुर। कलेक्टर के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर व प्रभारी अधिकारी के मार्गदर्शन में जिला खनिज जांच दल द्वारा बस्तर जिले के नगरनार व जगदलपुर क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया गया। खनिज जांच दल ने गौण खनिज का अवैध परिवहन करते चार वाहनों पर कार्यवाही करते हुए जप्त किया है।

खनिज विभाग से मिली जानकारी के अनुसार निरीक्षण में गौण खनिज चूनापत्थर और रेत का अवैध परिवहन कर रहे 04 वाहनों को जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में भेजा गया। जिसमें 1 अपंजीकृत ट्रैक्टर और 3 टिप्पर शामिल हैं। वाहनों को मय खनिज जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में सौंपते हुये वाहन मालिकों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही में जिला खनिज जांच दल के प्रभारी मिदुल गुहा, खनि निरीक्षक तथा खनि सिपाही डिकेश्वर खरे व संतोष सर्वर प्रोसेस सहारा की भूमिका रही।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

अधीर रंजन के निलंबन मामले पर 18 अगस्त को विचार करेगी विशेषाधिकार समिति

नईदिल्ली। लोकसभा की विशेषाधिकार समिति 18 अगस्त को बैठक कर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के खिलाफ कदाचार की शिकायत की जांच करेगी, जिन्हें 10 अगस्त को निचले सदन से निलंबित कर दिया गया था। भाजपा सदस्य सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व वाली समिति, चौधरी के घोर, जानबूझकर और बार-बार किए गए कदाचार के संबंध में 10 अगस्त को लोकसभा द्वारा पारित प्रस्ताव पर चर्चा करने वाली है, सदन की गरिमा और सभापति के अधिकार की पूरी तरह अवहेलना करना। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान चौधरी और भाजपा सदस्य वीरेंद्र सिंह दोनों के आचरण पर चिंता जताई। जबकि बलिया से भाजपा प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह ने सदन में अपने व्यवहार के लिए सभापति से माफी मांगी और उन पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई। चौधरी को 10 अगस्त को निचले सदन से निलंबित कर दिया गया था।

मप्र ही नहीं राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भी भ्रष्टाचार अहम मुद्दा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी के पक्ष में अच्छे परिणाम की उम्मीद जताते हुए कहा कि इन तीनों राज्यों में असली मुद्दे गरीबों, बेरोजगारों, किसानों व महिलाओं का त्रस्त जीवन है और इन्हीं मुद्दों पर उनकी पार्टी अकेले दम पर चुनाव में उतरेगी। बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर सोमवार को सवाल उठाते हुए लिखा, मध्य प्रदेश सरकार में 50 प्रतिशत कमीशनखोरी के आरोप को लेकर कांग्रेस व भाजपा के बीच जारी आरोप-प्रत्यारोप, मुकदमों आदि की राजनीति से कमरतोड़ महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, शोषण-अत्याचार आदि जनहित से जुड़े ज्वलंत मुद्दों का चुनाव के समय पीछे छूट जाना कितना उचित? ऐसा क्यों? मायावती ने कहा कि भाजपा-शासित मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि कांग्रेस शासित राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भी भ्रष्टाचार अहम मुद्दा है।

समाजवादी पार्टी ने किया संगठन में भारी फेरबदल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कमर कस ली है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा से मिली हार का बदला लेने के लिए लोकसभा की 80 सीटों के लिए व्यापक रणनीति बनाई और इसके तहत पार्टी के संगठन में भारी फेरबदल किया गया है। समाजवादी पार्टी, जो कि विपक्षी गठबंधन इंडिया की प्रमुख साझेदार है। उसने केंद्र और राज्य की सत्ता पर काबिज भाजपा को हराने के लिए चुनावी सियासत में नई बिसात बिछाने का फैसला किया है। प्रदेश कार्यकारिणी समिति में 70 पदाधिकारियों में 48 सदस्यों का चयन किया है, जबकि 62 विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल हैं। यूपी में पार्टी की कमान नरेश उत्तम पटेल के पास होगी, जिनकी सहायता के लिए टीम में चार उपाध्यक्ष, तीन महासचिव, 61 सचिव और एक कोषाध्यक्ष रहेंगे।

प्रियंका वाराणसी से चुनाव लड़ीं तो मोदी को हराएंगी : राउत

मुंबई। उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने दावा किया है कि अगर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ती हैं, तो वह निश्चित रूप से जीत हासिल करेंगी। राउत ने कहा कि वाराणसी के लोग प्रियंका गांधी को चाहते हैं। अगर वह वाराणसी से पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ती हैं तो निश्चित रूप से जीत हासिल करेंगी। इसके अलावा, भाजपा के लिए रायबरेली, वाराणसी और अमेठी की लड़ाई कठिन है। शरद पवार और अजित पवार के बीच लगातार हो रहीं बैठकों पर उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिल सकते हैं तो शरद-अजित क्यों नहीं? राउत ने कहा कि हमें मीडिया से पता चला है कि शरद पवार और अजित पवार की कल मुलाकात हुई। इस पर शरद पवार जल्द ही बोलेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि शरद पवार ने अजित पवार को इंडिया ब्लॉक की बैठक के लिए आमंत्रित किया है।

रालोद के लिए फायदेमंद रहा है भाजपा से गठबंधन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा है कि 2009 में राष्ट्रीय लोक दल और भाजपा गठबंधन रालोद के लिए फायदेमंद रहा था। उस दौरान रालोद ने पांच लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन, उसके बाद लोकसभा चुनाव में रालोद को कभी जीत नहीं मिली। अग्रवाल ने दावा किया कि रालोद के मतदाता आज भाजपा की ओर आकर्षित हुए हैं। अग्रवाल ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में रालोद और भाजपा के गठबंधन का निर्णय भाजपा का शीर्ष नेतृत्व और रालोद के अध्यक्ष जयंत चौधरी करेंगे। उन्होंने कहा कि रालोद के मतदाताओं को भाजपा ने सम्मान और प्रतिनिधित्व दिया है। पश्चिमी यूपी, खासतौर पर मुजफ्फरनगर में लोग राजनीतिक रूप से जागरूक हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक बहुजन समाज पार्टी का सवाल है, वह लगातार कमजोर हुई है।

लाल किले से मोदी आज देश को करेंगे संबोधित

समारोह में शामिल होंगे 18 सौ विशेष अतिथि, 21 तोपों की दी जाएगी सलामी

नईदिल्ली। स्वतंत्रता दिवस की पूरे देश में धूम दिखाई दे रही है। वहीं, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश की राजधानी दिल्ली में भव्य समारोह आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले से स्वतंत्रता दिवस समारोहों में देश का नेतृत्व करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि लाल किले पर समारोह का हिस्सा बनने के लिए देश भर से विभिन्न पेशों से जुड़े 1800 लोगों को उनके जीवनसाथी के साथ विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और इस ऐतिहासिक स्मारक की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। बयान में कहा गया कि इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस पर आजादी का अमृत महोत्सव समारोह का समापन होगा और 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के सपने को साकार करने के लिए देश नए उत्साह के साथ अमृत काल में प्रवेश करेगा। आजादी का अमृत महोत्सव का आगाज प्रधानमंत्री ने 12 मार्च, 2021 को गुजरात के अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से किया था।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस वर्ष बड़ी संख्या में अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में करीब 1,800 लोगों को उनके जीवनसाथी के साथ आमंत्रित किया गया है। यह पहल सरकार के 'जनभागीदारी' दृष्टिकोण के अनुरूप की गई है। बयान में कहा गया कि इन विशिष्ट अतिथियों में 660 से अधिक 'वाइब्रेंट विलेज' के 400 से अधिक सरपंच; किसान उत्पादक संगठन योजना से जुड़े 250 लोग।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के 50-50 प्रतिभागी; नयी संसद भवन सहित सेंट्रल विस्टा परियोजना से जुड़े 50 श्रम योगी (निर्माण श्रमिक) शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि इसके अलावा खादी कार्यकर्ता, सीमा पर स्थित सड़कों के निर्माण, अमृत सरोवर और हर घर जल योजना से जुड़े लोगों के साथ-साथ प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक, नर्स और मछुआरे भी शामिल हैं। इनमें से कुछ विशिष्ट अतिथियों का दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान राष्ट्रीय समर स्मारक का दौरा करने और रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट से मुलाकात करने का कार्यक्रम है।

बयान में कहा गया कि प्रत्येक राज्य, केन्द्र-शासित

प्रदेश से 75 जोड़ों को भी उनके पारंपरिक परिधान में लाल किले में आयोजित समारोह को देखने के लिए आमंत्रित किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय समर स्मारक, इंडिया गेट, विजय चौक, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, प्रगति मैदान, राजघाट, जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन, राजीव चौक मेट्रो स्टेशन, दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन, आईटीओ मेट्रो गेट, नौबत खाना और शीश गंज गुरुद्वारा सहित 12 स्थानों पर सरकार की विभिन्न योजनाओं और पहल को समर्पित 'सेल्फी प्वाइंट' बनाये गए हैं। बयान में कहा गया कि इस समारोह के हिस्से के रूप में, रक्षा मंत्रालय द्वारा 15-20 अगस्त तक मायजीओवी पोर्टल पर एक ऑनलाइन सेल्फी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

सभी आधिकारिक निमंत्रण आमन्त्रण पोर्टल के जरिए ऑनलाइन भेजे गए हैं। इस पोर्टल के जरिए 17,000 ई-निमंत्रण कार्ड जारी किये गये हैं।मंत्रालय ने कहा कि लाल किला पहुंचने पर प्रधानमंत्री का स्वागत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट और रक्षा सचिव गिरिधर अरामने करेंगे। बयान में कहा गया कि इसके बाद जनरल ऑफिसर कमांडिंग(जीओसी), दिल्ली क्षेत्र लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ प्रधानमंत्री को सलामी स्थल तक ले जायेंगे। वहां एक संयुक्त इंटर-सर्विसेज और दिल्ली पुलिस गार्ड प्रधानमंत्री को सलामी देंगे।बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री के 'गार्ड ऑफ ऑनर' दल में सेना, वायुसेना और दिल्ली पुलिस के एक-एक अधिकारी और 25 कर्मी तथा नौसेना के एक अधिकारी और 24 कर्मी शामिल होंगे। भारतीय थल सेना इस वर्ष के लिए समन्वय सेवा की भूमिका में है।'गार्ड ऑफ ऑनर' की कमान मेजर विकास सांगवान के हाथों में होगी।

मंत्रालय ने कहा कि 'गार्ड ऑफ ऑनर' के बाद, प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर की ओर बढ़ेंगे, जहां उनका स्वागत रक्षा मंत्री, रक्षा राज्य मंत्री, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी करेंगे। बयान में कहा गया कि दिल्ली क्षेत्र के जीओसी प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्राचीर पर बने मंच तक ले जाएंगे। झंडा फहराए जाने के बाद, तिरंगे को 'राष्ट्रीय सलामी' दी जाएगी। सेना का बैंड, जिसमें एक जेसीओ और 20 अन्य सैन्यकर्मी शामिल होंगे, राष्ट्रीय ध्वज फहराने और 'राष्ट्रीय सलामी' प्रस्तुत करने के दौरान राष्ट्रगान बजाएगा। बैंड का संचालन नायब सूबेदार जतिंदर सिंह करेंगे।

मंत्रालय ने कहा कि मेजर निकिता नायर और मेजर जास्मीन कौर राष्ट्रीय ध्वज फहराने में प्रधानमंत्री की सहायता करेंगी। विशिष्ट 8711 फील्ड बैटरी (औपचारिक) के बहादुर बंदूकधारियों द्वारा 21 तोपों की सलामी के साथ, इस कार्यक्रम का समन्वय किया जाएगा। लेफ्टिनेंट कर्नल विकास कुमार सेरेमोनियल बैटरी की कमान संभालेंगे और नायब सूबेदार (एआईजी) अनूप सिंह गन पोजिशन ऑफिसर होंगे। जैसे ही प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा, पार्श्व पंक्ति विन्यास में भारतीय वायु सेना के दो उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर मार्क-3 ध्रुव द्वारा कार्यक्रम स्थल पर पुष्प वर्षा की जाएगी।

इसके बाद, प्रधानमंत्री राष्ट्र को संबोधित करेंगे। बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री के संबोधन के समापन पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट राष्ट्रगान गाएंगे। देश भर के विभिन्न स्कूलों के 1,10 बालक और बालिका एनसीसी कैडेट (सेना, नौसेना और वायु सेना) भाग लेंगे। ज्ञानपथ पर सीट लगाई गई हैं, जिन पर कैडेट आधिकारिक सफेद पोशाक में बैठेंगे। इसके अलावा, समारोह के हिस्से के रूप में एनसीसी कैडेट को ज्ञान पथ पर बैठाया जाएगा। एक अन्य आकर्षण जी-20 प्रतीक चिह्न होगा, जो लाल किले पर फूलों की सजावट का हिस्सा होगा।

मुंबई में विपक्षी गठबंधन की सफल बैठक करेंगे: शरद पवार

बारामती। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भतीजे अजित पवार के साथ पुणे में हुई उनकी मुलाकात को लेकर विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति नहीं है। पवार ने बारामती में संवाददाताओं को बताया, ''एमवीए एकजुट है और हम 31 अगस्त और एक सितंबर को मुंबई में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की अगली बैठक का सफल आयोजन करेंगे।'' अपने भतीजे अजित पवार के एकनाथ शिंदे नीत सरकार में दो जुलाई को शामिल होने के बाद 82 वर्षीय दिग्गज राजनेता पहली बार अपने गृहनगर पहुंचे थे।

एमवीए में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस और शिवसेना-उद्धव बाला साहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) हैं। कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने रांकापा प्रमुख से चाचा और भतीजे के बीच इस तरह की मुलाकातों पर उत्पन्न हो रही भ्रम की स्थिति को साफ करने को कहा था। शरद पवार और अजित पवार के बीच बैठक ने प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ा दी हैं। पवार ने कहा, ''एमवीए साथियों के बीच कोई भ्रम की स्थिति नहीं है। हम सब साथ हैं और 31 अगस्त तथा एक सितंबर को मुंबई में 'इंडिया' की बैठक का सफल आयोजन सुनिश्चित करेंगे।'' पवार ने मीडिया से बार-बार एक ही सवाल पूछकर भ्रम की स्थिति पैदा ना करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''मैंने, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने मुंबई में 'इंडिया' की बैठक के आयोजन की जिम्मेदारी ली है।'' यह बैठक एक पांच सितारा होटल में होने की संभावना है। अपने भतीजे के कदम की ओर इशारा करते हुए पवार ने कहा कि राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से हाथ मिलाने वाले एमवीए से अलग गुट का राकांपा से कोई संबंध नहीं है। शरद पवार और अजित पवार के बीच बार-बार मुलाकात को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना में सोमवार को प्रकाशित संपादकीय में नाखुशी जाहिर

किए जाने के सवाल को रांकापा प्रमुख ने दरकिनार कर दिया। राकांपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल के भाजपा के साथ हाथ मिलाने की अटकलों और पुणे में अजित पवार के साथ मुलाकात के दौरान उनके बारे में चर्चा होने के बारे में पूछने पर राकांपा प्रमुख ने कहा कि इस तरह की कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा, मैंने सुना है कि जयंत पाटिल के भाई को नोटिस (प्रवर्तन निदेशालय से (ईडी) मिला है। सत्ता का दुरुपयोग कर इस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। हमारे कुछ साथियों को नोटिस प्राप्त हुए थे और उसके बाद वे भाजपा के साथ चले गए। जयंत पाटिल के मामले में भी इस तरह का प्रयास किया जा रहा है लेकिन मैं आश्वस्त हूं कि विचारधारा को लेकर उनका रुख स्पष्ट है। पिछले सप्ताह संपन्न हुए संसद के मानसून सत्र को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में शरद पवार ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक मुद्दा मणिपुर का था। उन्होंने कहा ''यह सिर्फ मणिपुर तक ही सीमित नहीं है।'' उन्होंने कहा कि उत्तर-पूर्व के कुछ हिस्से की सीमा चीन के साथ लगती है औरमणिपुर से परे भी एक देश है। उन्होंने कहा कि अगर कठिनाइयां सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों से संबंधित हैं और अगर सरकार इन कठिनाइयों पर ध्यान नहीं दे रही है, तो यह देश के लिए सबसे चिंताजनक बात है। पवार ने कहा कि इसीलिए विपक्ष ने लगातार इस मुद्दे को संसद में उठाने की कोशिश की, लेकिन सरकार ने इस पर चर्चा करने का कोई इरादा नहीं दिखाया, इसलिए मांग पूरी नहीं हुई।

खेल
प्रमुख समाचार

फीफा महिला विश्वकप फुटबॉल सेमीफाइनल मुकाबला आज से

आकलैंड। फीफा महिला विश्वकप फुटबॉल

प्रतियोगिता 2023 अंतिम दौर में पहुंच गया है। सभी बड़ी टीम लगभग मुकाबले से बाहर हो गई हैं। फीफा महिला विश्व कप 2023 शुरू करने वाली 32 टीमों में से केवल चार टीमें बची हैं और रविवार 20 अगस्त को एक टीम चैंपियन बन जाएगी।

ट्रॉफी पर एक देश का नाम अंकित किया जाएगा। सलमा पारालुएलो के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से छठी रैंकिंग पर काबिज स्पेन ने नीदरलैंड को 2-1 से हराकर पहली बार महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। नीदरलैंड की टीम चार साल पहले फ्रांस में फाइनल में अमेरिका से हार गई थी और अब दोनों टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं।

स्वीडन ने जापान को 2-1 से हराकर अंतिम-4 में जगह बना ली। 2011 के चैंपियन और अंतिम पूर्व विजेता को प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। सह-मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने कड़ी चुनौती के बावजूद मैच गोलरहित समाप्त होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में फ्रांस को 7-6 से हराकर अपने पहले महिला विश्व कप सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

अब उनका सामना यूरोपीय महिला फुटबॉल चैंपियन इंग्लैंड से है, जो अंतिम चार में पहुंचने वाली आखिरी टीम थी। इंग्लैंड ने शुरू में पिछड़ने के बाद वापसी करके कोलंबिया को 2-1 से हराकर महिला विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इंग्लैंड इस तरह से लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहा जहां सामना बुधवार को सिडनी में सह मेजबान ऑस्ट्रेलिया से होगा।

फीफा महिला विश्व कप 2023-शेड्यूल:

1: स्पेन बनाम स्वीडन, मंगलवार 15 अगस्त, ईडन पार्क, ऑकलैंड

2: ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, 16 अगस्त, स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया, सिडनी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 79 अंक की बढ़त के साथ बंद

नईदिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिल रहे मिले-जुले रुझानों के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को घरेलू शेयर बाजार शुरुआती गिरावट से उबरकर मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 79 अंक मजबूत हुआ। एनएसई के निफ्टी में 6 अंकों की मामूली बढ़त दर्ज की गई। तेज गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत करने के बाद, बेंचमार्क सूचकांकों ने दूसरे सत्र में इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एलएंडटी जैसे शेयरों में तेजी के दम पर स्मार्ट रिकवरी दर्ज की। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 79.27 अंक यानी 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ 65,401.92 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,517.82 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 64,821.88 तक आया।

थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 1.36% की गिरावट

नई दिल्ली। देश की थोक मुद्रास्फीति जुलाई में सालाना आधार पर घटकर -1.36 प्रतिशत पर पहुंच गई। वहीं, जून में यह -4.12 प्रतिशत पर थी। सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक मासिक आधार पर डब्ल्यूपीआई इंडेक्स 1.95 फीसदी पर रहा। वाणिज्य मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, जुलाई, 2023 में मुद्रास्फीति की दर में गिरावट मुख्य रूप से खनिज तेलों, बुनियादी धातुओं, रसायन व रासायनिक उत्पादों, कपड़ा और खाद्य उत्पादों की कीमतों में गिरावट के कारण आई है। खाद्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति जून में 1.24 प्रतिशत की गिरावट के बाद सालाना आधार पर बढ़कर 7.75 प्रतिशत पर पहुंच गई। मासिक आधार पर, खाद्य सूचकांक मुद्रास्फीति जुलाई में 7.13 प्रतिशत बढ़ी, जिसमें मई 2023 में 0.63% की कमी दर्ज की गई थी प्रतिशत और जून में यह 1.33% था।

डेलॉयट के इस्तीफा देने के बाद अडाणी ग्रुप के शेयरों में गिरावट

नयी दिल्ली। अडाणी समूह की बंदरगाह कंपनी से लेखा परीक्षक के तौर पर डेलॉयट के इस्तीफा देने के बाद सोमवार को समूह के शेयरों में गिरावट आई। डेलॉयट ने इस्तीफा देने से पहले हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों की बाहर से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की थी। बीएसई पर अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 5.41 प्रतिशत की गिरावट आई, अडाणी ट्रांसमिशन में 4.77 प्रतिशत, अडाणी पावर में 4.23 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में चार प्रतिशत और अडाणी पोर्ट्स में 3.70 प्रतिशत की गिरावट आई। एपीएसईजेड के अनुसार, डेलॉयट के अधिकारियों ने बैठक में अडाणी समूह की अन्य सूचीबद्ध कंपनियों के लेखा परीक्षक (ऑडिटर) के रूप में व्यापक ऑडिट भूमिका की कमी पर चिंता व्यक्त की। हिंडनबर्ग रिसर्च ने जनवरी में अडाणी पर शेयरों की कीमतों में हेराफेरी करने और खातों में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था।

एयरलाइन की पहली तिमाही में नेट प्रॉफिट 205 करोड़ रहा

नईदिल्ली। एयरलाइन स्पाइसजेट का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में नेट प्रॉफिट 205 करोड़ रुपये रहा। यात्रियों की संख्या बढ़ने से एयरलाइन को फायदा हुआ है। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 789 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। स्पाइसजेट की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'यात्रियों की संख्या बढ़ने से' 205 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। बयान के अनुसार, 'समीक्षाधीन अवधि में एयरलाइन की परिचालन आय 2,002 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2,457 करोड़ रुपये थी।' एयरलाइन का व्यय घटकर 1,291 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 2,072 करोड़ रुपये था। स्पाइसजेट के अध्यक्ष ने कहा कि कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद एयरलाइन ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में लाभ कमाया है।

नहीं बढ़ी ईएमआई लेकिन मंहगाई को लेकर चिंता बरकरार

पंकज गांधी

महंगाई की ख़बरों के बीच रेपो रेट नहीं बढ़ती है तो लोन की किस्तें भरने वाले सभी लोगों के लिए राहत की खबर होती है। इस बार आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति बैठक में एक बार फिर से रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर ही स्थिर रखने का फैसला लिया गया। ऐसा लगातार तीसरी बार है जब मौद्रिक नीति समिति बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इससे पहले भी दो बार अप्रैल और जून में हुई बैठक में रेपो रेट को स्थिर रखा गया था। गौरतलब है कि 6 सदस्य वाली मौद्रिक समीक्षा कमेटी (एमपीसी) के सामने रेपो रेट के अलावा वैश्विक हालात, देश में बढ़ रही महंगाई, अर्थव्यवस्था इत्यादि जैसे तमाम मुद्दे थे। ऐसे में देश टकटकी लगाये बैठा था जिस कारण इस बार 10 अगस्त की बैठक काफी महत्वपूर्ण थी। बैठक में रेपो रेट स्थिर रखने के फैसले के बाद अब आम आदमी को कम से कम यह सूकून है कि उसके घर या गाड़ी के लोन की किस्त बढ़ने की फिलहाल कोई सम्भावना नहीं है।

हालांकि रिजर्व बैंक ने इस बार वित्तीय वर्ष 2024 के लिए भी महंगाई का अनुमान बढ़ाया है। इसे 5.1 फीसदी से बढ़ाकर 5.4 फीसदी कर दिया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने चेताया है कि असमान बारिश और सब्जियों की बढ़ती कीमतों के कारण जुलाई और अगस्त महीने में महंगाई बढ़ने की आशंका अभी भी बरकरार है। आपने अक्सर देखा होगा कि रिजर्व बैंक रेपो रेट को महंगाई से लड़ने के एक शक्तिशाली टूल के रूप में इस्तेमाल करता है। जब भी महंगाई बढ़ती है तो आरबीआई रेपो रेट बढ़ाकर अर्थव्यवस्था में नकदी प्रवाह को कम कर देता है ताकि मुद्रा स्फीति की दर धीमी हो

जाये, मांग में कमी आये और महंगाई घट जाए। इसी तरह जब इकोनॉमी का बुरा दौर होता है तो ब्याज दर घटाकर बाजार में नगदी प्रवाह बढ़ा देती है। इस बार रेपो दर स्थिर रखने के बाद भी शक्तिकांत दास का मानना है की महंगाई को लेकर चिंता और अनिश्चितता अभी भी बरकरार रहेगी और यह वित्त वर्ष 2023-24 में 4 फीसदी के ऊपर रहेगी। जून में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.81 फीसदी पर आ गई थी जबकि मई में यह 4.25 फीसदी थी। इसका प्रमुख कारण बारिश के मौसम में असमान मानसूनी बारिश था। अब किसी के भी मन में यह शंका होगी कि जब महंगाई बढ़ रही है तो रिजर्व बैंक ने रेपो रेट का चाबुक क्यों नहीं चलाया, तो इसके पीछे कारण है। पहला कारण, सरकार महंगाई रोकने के लिए रेपो रेट से इतर अन्य विकल्पों पर भी काम कर रही है। जैसे गैर बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगा दी गई है। मतलब देश में चावल का भरपूर स्टॉक होने के बावजूद सरकार भविष्य में या कभी भी कृत्रिम कारणों से भी चावल के दाम को चिंताजनक स्तर पर नहीं ले जाना चाहती है और वो भी तब जब चुनाव बहुत नजदीक हों। इसी तरह आटे के आयात में आयात शुल्क में छूट की घोषणा की गई है। मतलब सरकार रेपो रेट के उपाय के अलावा चावल आटे इत्यादि के आयात निर्यात के नियमों में बदलाव कर मूल्य को स्थिर या कम करना चाहती है, ताकि महंगाई को काउंटर बैलेंस किया जा सके। इन बेसिक चीजों का दाम भी ज्यादा ना बढ़े और लोगों की किस्त भी ना बढ़े। सरकार कुल मिलाकर इस मामले में कई मोर्चों पर काम कर रही है।

भारत सरकार ने जुलाई माह में चावल की कीमतों में तेजी को देखते हुए और आने वाले त्यौहारी सीजन के दौरान घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और खुदरा कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए पिछले माह ही गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है। देश से निर्यात होने वाले कुल चावल में गैर-बासमती सफेद चावल की हिस्सेदारी करीब 25 फीसदी है। साल 2022-23 में चावल के कुल वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा 40 प्रतिशत था। सरकार के फैसले से चावल का निर्यात प्रभावित हो सकता है और गैर बासमती चावल के उत्पादक किसान भी प्रभावित होंगे। हालांकि इस कदम से देश में तो चावल की कीमत में गिरावट आएगी लेकिन दुनियाभर में चावल की कीमतों को लेकर हाहाकार मच सकता है, क्यूंकि भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक देश है।

जन से कब तक दूर रहेंगे जनार्दन

अमित त्यागी

स्वतन्त्रता दिवस के 75 वर्ष बाद अब अँग्रेजी सभ्यता के उन बिन्दुओं से बच कर निकलना है जिनके द्वारा भारतीय सभ्यता और भारतीयता प्रभावित हो रही है। प्रकृति का विषय सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। विकास की राह पर चलते हुये हिमाचल प्रदेश का उद्धारण लें तो बाढ़ में विकास की धज्जियां उड़ गयी। एक झटके में प्रकृति ने दशको से चल रहे विकास के मॉडल को समतल कर दिया। राजनीतिक दलों के लिए ऐसे विषय राष्ट्रिय राजनीतिक विमर्श बनने चाहिए। भारत को भारतीयता के आधार पर स्थापित करने के मार्ग पर यदि पूर्व या वर्तमान सरकारें चली होती तो शायद ऐसा नहीं होता। अमेरिकी तर्ज़ पर भोगवाद को बढ़ावा देने वाली संस्कृति को भारत में इस तरह आत्मसात किया गया कि उसने भारत की संस्कृति के अनुसार विकास नहीं किया बल्कि भारत को इंडिया में बदल दिया। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हालांकि दो अलग अलग दलों की सरकारें हैं किन्तु प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कहीं भी कम नहीं है। हर जगह प्राकृतिक संसाधनों की विकास के नाम पर लूट मची हुयी है। तंत्र से जुड़े लोग विकास की आड़ में निजी हित पूरे कर लेते हैं और जनता और उसकी राजनीतिक व्यवस्था प्राकृतिक आपदा की स्थिति में ठगी जाती है। ज़्यादातर राज्य सरकारें ध्यान भटकाने के लिए जाति और धर्म की राजनीति में उलझी हुयी हैं। कुछ राज्यों में जातिगत जनगणना के नाम पर अलग ही खेल चल रहा है। प्रकृति की चर्चा का विषय न राज्य स्तर पर विमर्श बन पा रहा है न ही केंद्र के स्तर पर। आज़ादी के दिन हमें समझने की आवश्यकता है कि भारतीय जीवन शैली से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर हम काम करना शुरू करें। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फैली अश्लीलता, सेंसर बोर्ड द्वारा घटिया सामग्री पास करना, स्वास्थ्य नीति का भारत केन्द्रित होना, शिक्षा नीति में व्यापक परिवर्तन होना, नशे के व्यापार में कमी आना जैसे विषय व्यापक राष्ट्रिय विमर्श बने। संस्कृति की बातें न हों बल्कि संस्कृति और भारतीयता आधारित भारत का निर्माण हो। इन सबसे इतर सत्ता पक्ष और विपक्ष इस समय गठबंधन में व्यस्त हैं। एक ओर एनडीए में नए दल लगातार जुड़ रहे हैं तो दूसरी तरफ संयुक्त विपक्ष ने अपने गठबंधन का नाम ही आईएनडीआईए (इंडिया) रख लिया है। जनता के मुद्दों से दूर दोनों ही पक्ष सिर्फ अपने अपने फायदे के विमर्श खड़ा कर रहे हैं। भारत की राजनीतिक व्यवस्था में चल रहे इंडिया और भारत के द्वंद के बीच भारत की जनसंख्या चीन से भी ज़्यादा हो गयी है। अब हम विश्व के सबसे ज़्यादा जनसंख्या वाले देश हैं। 73वे और 74वे संवैधानिक संशोधन के द्वारा भारत में त्रिस्तरीय संघीय व्यवस्था की शुरुआत की गयी थी। इसमे स्थानीय स्तर पर पंचायत सरकार, इसके बाद राज्य सरकार और इसके बाद केंद्र सरकार की व्यवस्था है। प्राकृतिक आपदा की स्थिति में उससे निपटने का पहला दायित्व स्थानीय स्तर का होता है। अन्य अभिकरण उनको तात्कालिक या दीर्घकालिक सहयोग प्रदान करते हैं।

.....तो देश का विभाजन नहीं हुआ होता

नीरज कुमार दुबे

कांग्रेस पार्टी की ओर से बार-बार कहा जाता है कि देश को आजादी हमने दिलाई जबकि आजादी के आंदोलन में देश की हर गली, हर मोहल्ले और हर घर का व्यक्ति शामिल था। लेकिन कांग्रेस की शह पर इतिहासकारों ने स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को ऐसे लिखा कि सिर्फ नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी के कुछ दिग्गज नेताओं के अलावा आजादी के आंदोलन में और किसी का नाम और योगदान नजर नहीं आता। इसलिए आजादी के आंदोलन की सफलता का श्रेय सिर्फ खुद को देने वाली कांग्रेस को यह भी तो बताना चाहिए कि देश के विभाजन का जिम्मेदार कौन था? विभाजन के समय जो कत्ले आम हुआ और मानवता को शर्मसार करने वाली जो घटनाएं हुईं उसका जिम्मेदार कौन था? यही नहीं, यह भी बताना चाहिए कि देश के विभाजन के चलते भारत के समक्ष जो समस्याएं खड़ी हुईं और जिनका खामियाजा आज भी देश भुगत रहा है उसका जिम्मेदार कौन है?

आजादी के समय हुए नरसंहार के लिए तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व को ही जिम्मेदार कहा जायेगा क्योंकि उसकी अदूरदर्शिता की वजह से कई गलत निर्णय हुए थे। महात्मा गांधी धर्म के आधार पर देश के विभाजन के विरोधी थे इसलिए वह आजादी के जश्न में भी शामिल नहीं हुए थे। क्योंकि यह वह आजादी नहीं थी जिसके लिए महात्मा गांधी ने लड़ाई लड़ी थी। महात्मा गांधी ने शांति और अमन चैन वाली पूर्ण आजादी की मांग की थी लेकिन कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं की वजह से उन्हें अपने उद्देश्य में आधी-अधूरी ही कामयाबी मिली थी।

आप आजादी के समय के घटनाक्रमों पर गौर करेंगे तो साफ प्रतीत होगा कि कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व की सत्ता लोलुपता ही भारत के विभाजन का असल कारण थी। कांग्रेस जानती थी कि अंग्रेजों की बांटो और राज करो की नीति है। इस बात को समझते हुए भी भारत के विभाजन के लिए राजी होना बहुत बड़ी गलती थी। विभाजन की प्रक्रिया को अंजाम देने के समय अंग्रेज सरकार का विरोध नहीं करके कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व ने बहुत अपराध किया था। देखा जाये तो कांग्रेस का तत्कालीन नेतृत्व इस बात के लिए आतुर था कि कैसे जल्दी से जल्दी सत्ता पर कब्जा किया जाये।

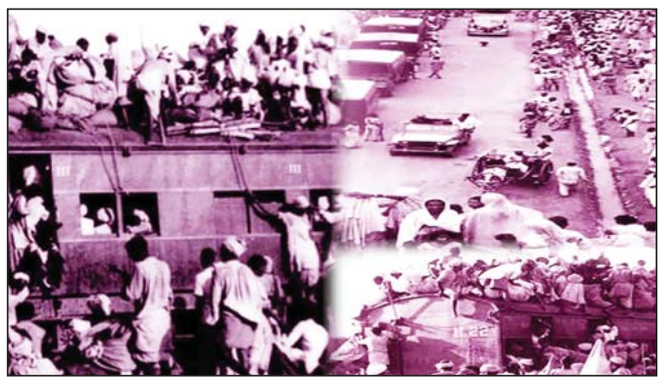

इसलिए भारत का विभाजन होते समय उन्हें कोई दर्द ही नहीं हुआ। दर्द तो उन लोगों ने सहा जिन्हें अपना घरबार छोड़ना पड़ा, परिजनों को खोना पड़ा और संपत्ति से हाथ धोना पड़ा।

इतिहास में यह भी उल्लेख मिलता है कि अंग्रेजों ने जहां-जहां राज किया उनमें से उन्होंने सिर्फ चार देशों- आयरलैंड, फिलिस्तीन, साइप्रस और भारत में ही विभाजन कराया। अंग्रेजों ने विभाजन के धार्मिक और नस्ली कारण बताये लेकिन असल कारण उनके अपने राजनीतिक और सामरिक हित थे। अंग्रेजों द्वारा कराये गये सभी विभाजनों में भारत का विभाजन ही सर्वाधिक हिंसा से प्रभावित रहा। इसलिए सवाल उठता है कि अंग्रेजों की चाल समझते हुए भी कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व द्वारा विभाजन का कोई विरोध क्यों नहीं किया गया।

देखा जाये तो भारत का विभाजन मानव इतिहास में सबसे बड़े विस्थापनों में से एक है, जिससे लगभग 20 से 25 लाख लोग प्रभावित हुए थे। लाखों परिवारों को अपने पैतृक गांवों, कस्बों और शहरों को छोड़ना पड़ा था और शरणार्थी के रूप में संघर्षमय जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ा था। बहुत से विद्वान मानते हैं कि उस समय कांग्रेस ने सत्ता लोलुपता ना दिखाई होती और अंग्रेजों के आगे घुटने नहीं टेके होते तो ना तो देश का विभाजन होता ना ही लोगों को विस्थापित होना पड़ता। दरअसल अंग्रेजों ने कांग्रेस की किसी भी कीमत पर सत्ता पाने की आतुरता को भांप लिया था इसलिए योजनाबद्ध तरीके से स्वतंत्रता की घोषणा पहले और विभाजन की घोषणा बाद में की थी। इससे भारत और पाकिस्तान की नयी सरकारों के सर पर एकदम से शांति कायम रखने की जिम्मेदारी आ गयी थी। जाहिर तौर पर दोनों ही सरकारें शांति व्यवस्था कायम करने के लिए तैयार नहीं थीं। इस वजह से हालात बिगड़ते चले गये। देखते-देखते दंगे भड़कते गये और जब पाकिस्तान से ट्रेनों में भरकर हिंदुओं और सिखों की लाशें आने लगीं तो यहां भी लोग उन्मादी हो गये।

यही कारण रहा कि जहां एक ओर पंडित जवाहर लाल नेहरू और उनके सहयोगी सत्ता संभालने में लगे हुए थे तो दूसरी ओर विभाजन के चलते भड़के सांप्रदायिक दंगों को रोकने के लिए उस वक्त महात्मा गांधी बंगाल के नोआखली में अनशन पर बैठ गए थे और स्वतंत्रता दिवस समारोह में भी शामिल नहीं हुए थे। उस समय के हालात के बारे में जो इतिहास मिलता है वह बहुत भयावह है। 15 अगस्त 1947 की सुबह जहां आजादी लेकर आई थी और सभी के चेहरों पर खुशी थी वहीं यह भी दृश्य देखने को मिल रहे थे कि लोग ट्रेनों, बैलगाड़ियों, घोड़ों या खच्चरों पर बैठकर या फिर पैदल ही सर पर सामान लादे हुए और अपने बच्चों का हाथ पकड़े हुए अपनी मातृभूमि को छोड़कर अलग-अलग बन चुके देश की ओर रवाना हो रहे थे। भारत के विभाजन के समय भड़के सांप्रदायिक दंगों में लोगों की मौत का आंकड़ा 20 लाख तक बताया जाता है। देख जाये तो उन दंगों में ना जाने कितने परिवार बिछड़ गये, कितनी महिलाओं को अपनी इज्जत से हाथ धोना पड़ा, कितने लोगों के शरीर के टुकड़े कर दिये गये, कितने लोगों के घर लूट लिये गये या फूंक दिये गये...तत्कालीन सरकार और प्रशासन बस शांति की अपील करता रह गये थे। तत्कालीन राजनेताओं की यह सबसे बड़ी नाकामी थी कि ना तो वह देश का विभाजन रोक पाये और ना ही कत्लेआम। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उस नाकामी का श्रेय आज की कांग्रेस लेगी?

इसके साथ ही, विभाजन प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने वालों से एक सवाल यह भी है कि पंडित नेहरू के राज में 1962 की लड़ाई के दौरान जब चीन ने भारत के काफी बड़े भूभाग पर कब्जा जमा लिया था और तत्कालीन केंद्र सरकार कुछ नहीं कर पाई थी तो उसके लिए किसे दोषी ठहराया जाये। इसके अलावा, विभाजन प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने वालों से एक सवाल यह भी है कि जब इंदिरा गांधी की सरकार ने 1974 में कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका के सुपुर्द कर भारत के हितों को नुकसान पहुँचाया था तो उसके लिए किसे दोषी ठहराया जाये?

वैसे यह गर्व करने लायक बात है कि आजादी के बाद से अब तक भारत बहुत आगे बढ़ गया है और दुनिया का सबसे बड़ा और सफल लोकतंत्र तथा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। लेकिन देश के विभाजन के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। अपनी आजादी का जश्न मनाते हुए एक कृतज्ञ राष्ट्र के रूप में हमें अपनी मातृभूमि के उन बेटे-बेटियों को 14 अगस्त के दिन विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर अवश्य नमन करना चाहिए, जिन्हें हिंसा के उन्माद में अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ी थी। हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया था कि हर साल 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जायेगा। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने की घोषणा के पीछे उद्देश्य यह था कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ी विभाजन के दौरान लोगों द्वारा झेले गए दर्द और पीड़ा को जाने। देखा जाये तो विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करता है बल्कि इससे देश की एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी।

बहरहाल, भारत को 15 अगस्त, 1947 को ब्रिटिश शासन से आज़ादी मिलने पर स्वतंत्रता की मिठास के साथ-साथ देश के विभाजन का आघात भी सहना पड़ा था। नए स्वतंत्र भारतीय राष्ट्र का जन्म विभाजन के हिंसक दर्द के साथ हुआ था जिसने लाखों भारतीयों पर पीड़ा के स्थायी निशान छोड़े हैं। उस समय के सियासी सेनानियों ने कुछ ऐसी गलतियां की थीं जिसकी बड़ी कीमत आम लोगों को चुकानी पड़ी थी। इसलिए एक बार फिर सवाल उठता है कि जो लोग भारत की आजादी का श्रेय अकेले लेना चाहते हैं वह यह बताएं कि भारत के विभाजन के लिए किसे दोषी ठहराया जाये?

स्वतंत्रता दिवस

भारत का स्वतंत्रता दिवस हर वर्ष 15 अगस्त को मनाया जाता है। सन् 1947 में इसी दिन भारत के निवासियों ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। यह भारत का राष्ट्रीय त्यौहार है। प्रतिवर्ष इस दिन भारत के प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से देश को सम्बोधित करते हैं। 15 अगस्त 1947 के दिन भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने, दिल्ली में लाल किले के लाहौरी गेट के ऊपर, भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया था।

महात्मा गाँधी के नेतृत्व में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में लोगों ने काफी हद तक अहिंसक प्रतिरोध और सविनय अवज्ञा आंदोलनों में हिस्सा लिया। स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश भारत को धार्मिक आधार पर विभाजित किया गया, जिसमें भारत और पाकिस्तान का उदय हुआ। विभाजन के बाद दोनों देशों में हिंसक दंगे भड़क गए और सांप्रदायिक हिंसा की अनेक घटनाएं हुईं। विभाजन के कारण मनुष्य जाति के इतिहास में इतनी ज्यादा संख्या में लोगों का विस्थापन कभी नहीं हुआ। यह संख्या तकरीबन 1.45 करोड़ थी। भारत की जनगणना 1951 के अनुसार विभाजन के एकदम बाद 72,26,000 मुसलमान भारत छोड़कर पाकिस्तान गये और 72,49,000 हिन्दू और सिख पाकिस्तान छोड़कर भारत आए। इस दिन को झंडा फहराने के समारोह, परेड और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ पूरे भारत में मनाया जाता है। भारतीय इस दिन अपनी पोशाक, सामान, घरों और वाहनों पर राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित कर इस उत्सव को मनाते हैं और परिवार व दोस्तों के साथ देशभक्ति फिल्में देखते हैं, देशभक्ति के गीत सुनते हैं।

यूरोपीय व्यापारियों ने 17वीं सदी से ही भारतीय उपमहाद्वीप में पैर जमाना आरम्भ कर दिया था। अपनी सैन्य शक्ति में बढ़ोतरी करते हुए ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने 18वीं सदी के अन्त तक स्थानीय राज्यों को अपने वशीभूत करके अपने आप को स्थापित कर लिया था। 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के बाद भारत सरकार अधिनियम 1858 के अनुसार भारत पर सीधा आधिपत्य ब्रितानी ताज (ब्रिटिश क्राउन) अर्थात ब्रिटेन की राजशाही का हो गया। दशकों बाद नागरिक समाज ने धीरे-धीरे अपना विकास किया और इसके परिणामस्वरूप 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) निर्माण हुआ। प्रथम विश्वयुद्ध के बाद का समय ब्रितानी सुधारों के काल के रूप में जाना जाता है जिसमें मोंटेगू-चेम्सफोर्ड सुधार गिना जाता है लेकिन इसे भी रोलेट एक्ट की तरह दबाने वाले अधिनियम के रूप में देखा जाता है जिसके कारण भारतीय समाज सुधारकों द्वारा स्वशासन का आवाहन किया गया। इसके परिणामस्वरूप महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों तथा राष्ट्रव्यापी अहिंसक आंदोलनों की शुरूआत हो गयी।

द्वितीय विश्व युद्ध में भारत की सहभागिता, कांग्रेस द्वारा असहयोग का अन्तिम फैसला और अखिल भारतीय मुस्लिम लीग द्वारा मुस्लिम राष्ट्रवाद का उदय। 1947 में स्वतंत्रता के समय तक राजनीतिक तनाव बढ़ता गया। इस उपमहाद्वीप के आनन्दोत्सव का अंत भारत और पाकिस्तान के विभाजन के रूप में हुआ।

कर्पूरी ठाकुर के सपनों का भारत

के सी त्यागी

प्रमुख समाजशास्त्री प्रो घुर्ये ने भारत की सामाजिक संरचना के संदर्भ में वर्ग विभाजन, ऊंच-नीच, खान-पान और सामाजिक सम्मिश्रण पर प्रतिबंध, कुछ वर्गों के सामाजिक और धार्मिक तिरस्कार और कुछ को विशेषाधिकार, व्यवसाय चयन में स्वाधीनता पर रोक आदि को प्रमुख बताया है। इन्हें भारतीय समाज का मूल आधार माना जा सकता है। भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जाति संरचना की जड़ों को कमजोर करने और वंचित तबकों के उत्थान के लिए आरक्षण जैसी व्यवस्था को भारतीय संविधान में निहित किया गया, लेकिन यह व्यवस्था उस समय अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए ही लागू की गयी।

देश का बहुसंख्यक जातियों का एक समूह इस आरक्षण व्यवस्था में नहीं आ पाया, जैसे कारीगर, बुनकर, श्रमिक, मछली पालन, बागवानी, नृत्य और गायन करने वाली जातियां आदि। इनमें से कुछ ऐसी भी जातियां हैं, जिनके साथ छुआछूत जैसा सामाजिक भेदभाव होता है। इसलिए वे अनुसूचित जाति की सूची में रखने की अर्हता रखती हैं। मंडल कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में भी इसका उल्लेख किया था। समय-समय पर विभिन्न राज्यों की सरकारें कुछ जाति समूहों को अनुसूचित जाति में शामिल करती रही हैं, लेकिन यह कवायद केंद्र सरकार की मंजूरी के बिना नहीं पूरी हो सकती।

मंडल कमीशन से भी पहले, बिहार में कर्पूरी ठाकुर ने वर्ष 1977-78 में मुंगेरी लाल कमीशन की रिपोर्ट के तहत ओबीसी आरक्षण को लागू कर सामाजिक न्याय के विमर्श को जन्म दिया था। तब ओबीसी समुदाय को वर्गीकरण आधार पर आरक्षण देने वाली व्यवस्था लागू करने पर प्रदेश के कोने-कोने से कर्पूरी ठाकुर को गालियां दी गयीं और विरोध हुआ, लेकिन वह जानते थे कि भारतीय सामाजिक संरचना में वर्ग विभेद मौजूद है। इसलिए विरोध के लिए तैयार रहना होगा। उस अकेले व्यक्ति ने सदियों से चली आ रही सामाजिक संरचना की चूलों को हिला कर रख दिया। कर्पूरी ठाकुर नाई जाति से ताल्लुक रखते थे। उनकी जाति में सामाजिक दबाव बनाने और उनके पक्ष में खड़े होने की वैसी हैसियत नहीं थी, जैसा कि आज की राजनीति में दिखता है, लेकिन कर्पूरी ठाकुर के भीतर गांधी जैसा आत्मबल था, जिससे उन्होंने अकेले सब झेला और अपने निर्णय पर अडिग रहे।

सामाजिक बदलाव की प्रक्रिया सहज नहीं होती और इतनी तेज भी नहीं होती कि सदियों की सामाजिक विषमता को एक दिन में खत्म कर दिया जाए, लेकिन कर्पूरी फॉर्मूले ने पिछड़ी पंक्ति के व्यक्ति को अगली पंक्ति में लाकर खड़ा करने का काम किया। आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कर्पूरी ठाकुर के सामाजिक न्याय की परंपरा को कायम रखते हुए, गरीब और अति-पिछड़े जाति समूहों के लिए वर्ष 2006 में पंचायत चुनाव में और 2007 में नगर निकाय चुनाव में सीटें आरक्षित कीं और इनके कल्याण के लिए अति-पिछड़ा आयोग का गठन किया, जिससे बिहार में राजनीतिक स्तर पर अति-पिछड़ी जातियों का एक सशक्त नेतृत्व तैयार हो पाया।

नीतीश कुमार ने 2024 के चुनाव के पहले विपक्ष की गोलबंदी कर मोदी सरकार पर जनगणना और रोहिणी कमीशन की रिपोर्ट को प्रकाशित कराने एवं लागू कराने के लिए दबाव डाला है। यह बिहार की धरती से सामाजिक न्याय के विमर्श को आगे बढ़ाने का कदम है, ताकि देश की अति-पिछड़ी जातियों को जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व दिया जा सके। वर्तमान में उच्च संवैधानिक पदों एवं उच्च प्रशासनिक पदों पर पिछड़े वर्ग का प्रतिनिधित्व आरक्षण के प्रतिशत से भी कम है, फिर अति-पिछड़ी जातियों की स्थिति की मात्र कल्पना ही की जा सकती है। मंडल कमीशन लागू होने के बाद ऐसी कई जातियों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं मिला इसलिए उनमें सामाजिक उपेक्षा का भाव बना हुआ है। इन जातियों का प्रतिनिधित्व हर क्षेत्र में बाधित हो रहा है। लोकतंत्र में विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा, राज्यसभा, केंद्रीय व प्रादेशिक मंत्रिमंडलों के साथ ही राजनीतिक पार्टियों में प्रतिनिधित्व होना एक आवश्यक शर्त होनी चाहिए, लेकिन इन सभाओं व मंत्रिमंडलों में इन जातियों का प्रतिनिधित्व अब तक लगभग शून्य है।

आज ओबीसी की कुछ प्रभुतासंपन्न जातियों के लोग राजनीतिक और आर्थिक अधिकारों के प्रति जागरूक हैं, पर इन जातियों के लोग यह समझने में विफल हैं कि अलग-अलग जातियों की स्थिति भिन्न हो सकती है। इन जातियों की जिम्मेदारी है कि वे रोहिणी कमीशन की रिपोर्ट को लागू करवाने का नेतृत्व करें। रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 2700 जातियों में से 983 जातियों का नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में प्रतिनिधित्व शून्य है, और 994 उप-जातियों का प्रवेश और भर्ती में प्रतिनिधित्व केवल 2.68त्न है। कुल मिलाकर 2700 में से 1977 जातियों को नहीं के बराबर लाभ मिला है। यदि यह रिपोर्ट लागू होती है तो इन जातियों की स्थिति में बदलाव देखने को मिलेगा। आज आजादी के अमृत महोत्सव के साथ कर्पूरी ठाकुर की जन्मशती मनाई जा रही है। उनकी जन्मशती पर इस रिपोर्ट को लागू कर हम सच्चे अर्थों में कर्पूरी ठाकुर के सपनों को साकार कर सकेंगे।

ढोंग की बरनी में सिद्धान्त के अचार!

जयराम शुक्ल

हमारे यहाँ कोई भी परीक्षा दो हिस्सों में होती है, एक सैद्धांतिक दूसरी व्यवहारिक। सिद्धांत की व्यवहारिक परिभाषा यह है कि वह कभी भी व्यवहार में नहीं ढल पाता। गांधी जी जिंदगी भर सिद्धांत को व्यवहार में उतारने की लड़ाई लड़ते रहे। जब कोई कहता कि बापू मुझे कोई उपदेश दो, तो वे कहते कि जो मैं कर रहा हूँ वही मेरा उपदेश है। उन्होंने पहले अपने घर का पखाना साफ किया फिर अछूतोद्धार की बात की। गांधी प्रयोगधर्मी थे सत्य को हथियार बनाया। उनके सत्याग्रह से विलायत के सम्राट का सिंहासन हिल उठता था।

अब सत्याग्रह नगाड़ों की आवाज़ के बीच बाँसुरी के सुर जैसा बचा है। आज देश में हर छोटी बड़ी माँगों को लेकर हिंसा, तोडफ़ोड़, आगजनी सामान्य बात है। ऐसा इसलिए कि सत्ता प्रतिष्ठानों को सत्य का आग्रह नहीं सुहाता, भले ही गुलामी के दिनों में वयसरायों की नींद हराम करता रहा हो।

हमने गाँधी को देश की आजादी के दिन ही विसर्जित कर दिया। वैसे भी स्वतंत्रता संग्राम के इस सेनापति ने देश की आजादी का जश्न नहीं मनाया। न ही पंद्रह अगस्त को कहीं झंडा फहराया, न

समारोह में शामिल हुए। गाँधी उस दिन दिल्ली की बजाय कलकत्ता(नोआखली)में थे। उन्होंने देश के लिए जो सपना बुना था उनके जीते जी ही वह व्यवहारिक बनने की बजाय कर्मकान्डी और सैद्धांतिक बन गया।

अपने यहां चलन है, जिन बातों को न मानना हो उन्हें सिद्धान्तों की सूची में डाल दीजिए और जिस व्यक्ति का अनुशरण न करना हो उसे भगवान् बना दीजिए। भगवान् को मंदिर में बिराज दीजिए और सिद्धांतों का ग्रंथ बना लीजिए। ये दोनों ही कसम खाने के काम आते हैं। अपने देश में कसम ऐसी ढाल है जो झूठ को ढाँप लेती है।

हमारे नेता जब किसी पद पर आरूढ़ होते हैं तो गांधी को याद करते हैं। जो दिल्ली में रहते हैं वे राजघाट में फूल चढाते हैं। अपने .अपने ईष्टदेवों और धर्मग्रंथों की कसम खाते हैं। और जो सिद्धांत संविधान के रूप में .. इंडिया दैट इज भारत.. से शुरू होता है उसपर अमल करने के लिए मनसा-वाचा-कर्मणा के साथ संकल्प लेते हैं। यह कर्मकाण्ड उसी दिन से शुरू है जिस दिन से देश आजाद हुआ, लोकतंत्र की बयार बही और देश की सांविधानिक गणतंत्र के तौर पर प्राणप्रतिष्ठा हुई।

पर अपने यहाँ तो सिद्धांत और व्यवहार का शुरू से ही छत्तीस का आँकड़ा रहा है इसलिए आमजनमानस में हाथी के दाँत खाने के कुछ दिखाने के कुछ की धारणा गहराई से बैठ गई है। कथनी और करनी के बीच गहरी और चौड़ी खाई है। आजादी के बाद इस खाई का क्षरण ही हुआ है। आज यदि हम सिद्धांत को व्यवहार में उतारते तो रामराज कबका आ चुका होता। नहीं आया इसलिए क्योंकि लोकतंत्र की खोल में चुपके से ढोंगतंत्र घुसकर बैठ गया।

गाँधीजी इसलिए याद आए क्योंकि अस्सी साल पहले 9 अगस्त को ही उन्होंने ..अँग्रेजों भारत छोड़ो.. का नारा दिया था। इस नारे की ताकत ही थी कि पाँच साल तक के दमनचक्र के बाद भी अँग्रेजों को थक हारकर देश से बाहर जाना पड़ा। तब चर्चिल ने उपहास उड़ाते हुए कहा ...कि क्या ये अनपढ जाहिल इंडियन देश को सँभाल लेंगे। गाँधी जी ने जवाब दिया था कि गुलामी के मालपुए से स्वाभिमान की सूखी रोटी अच्छी, महाशय आप चिंता न करें ,हम लोगों को आपसे सीखने की नौबत नहीं आएगी।

गांधी जी अँग्रेजों के भौतिक रूप से देश छोड़ने से ज्यादा अँगरेजियत का देश निकाला चाहते थे। देश आजाद हो गया। अँग्रेज चले भी गए पर अँगरेजियत ने अमरबेल की भाँति हिंदुस्तानियत को ऐसे जकड़ा कि अब चौतरफा वही सिरपर सवार होकर हुक्म देने लगी है। संविधान के संकल्प धरे रह गए। जातिवाद धर्म और संप्रदायवाद, भ्रष्टाचार, छुआछूत, गैरबराबरी के दलदल में देश और धँसता गया। स्वतंत्रता स्वच्छन्दता में बदलती गई और आचरण में अराजकता ने कब्जा जमा लिया।

पिछले साल 9 अगस्त को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जब लोकसभा में दिया भाषण दिया तो लगा बस संभावनाओं के द्वार खुलने ही वाले हैं। सुनकर ऐसा लगा था कि वे बोलने के लिये नहीं बोल रहे हैं। उनके भीतर आग है और उसकी ऊष्मा महसूस की जा सकती है। उन्होंने 2017 से 2022 तक के समयकाल को क्विट इंडिया मूवमेंट की तर्ज पर न्यू इंडिया मूवमेंट का नाम दिया है।

इन पाँच सालों के बाद उन्होंने ऐसे भारत का सपना दिखाया था जो गैरबराबरी, जातिवाद, भ्रष्टाचार, संप्रदायवाद, अराजकता से मुक्त स्वच्छ, सुभ्र और पवित्र भारत होगा। एक साल बीते नहीं कि वो नैतिक साहस जातीय ब्लैकमेलरों के आगे राजनीतिक भय में तब्दील हो गया। क्या करियेगा, अगले साल चुनाव है। भारत में चुनाव अब विकास और विजन से नहीं, जातीय गोलबंदियों के आधार पर जीते जाते हैं। सिध्दांत और संकल्प कल भी कागजी थे और कल भी कागजी ही रहेंगे। शायद ही ये कभी होर्डिंग्स, विग्यापन, प्रचार पुस्तिकाओं, भाषणों से निकलकर व्यवहार में उतर पाएं। इनकी नियति में ही समयचक्र के दस्तावेज में पूर्ववर्तियों की भाँति दर्ज होकर इतिहास के कूडेदान में सड़ना बदा है।

हिन्द स्वराज

कांग्रेस और उसके कर्ता-धर्ता (भाग-4)

गतांक से आगे...

प्रश्न- तो क्या वे साहब जो कहते हैं उसके मुताबिक हमें भी करना चाहिए?

उत्तर- मैं ऐसा कुछ नहीं कहता। अगर हम शुद्ध बुद्धिसे अलग राय रखते हैं, तो उस रायके मुताबिक चलने की सलाह खुद प्रोफेसर साहब हमें देंगे। हमारा मुख्य काम तो यह है कि हम उनके कामों की निन्दा न करे; हमसे वे महान हैं ऐसा मानें और यकीन रखें कि उनके मुकाबिले में हमने हिन्द के लिए कुछ भी नहीं किया है। उनके बारे में कुछ अखबार जो अशिष्टतापूर्वक लिखते हैं उसकी हमें निन्दा करनी चाहिए और प्रोफेसर गोखले जैसों को हमें स्वराज्य के स्तम्भ मानना चाहिए। उनके खयाल गलत और हमारे ही सही हैं, या हमारे खयालोंके मुताबिक न बरतनेवाले देशके दुश्मन हैं, ऐसा मान लेना बुरी भावना है।

प्रश्न- आप जो कुछ कहते हैं वह अब मेरी समझ में कुछ आता है। फिर भी मुझे उसके बारे में सोचना होगा। पर मि. ह्यूम, सर विलियम वेडरबर्न वगैराके बारेमें आपने जो कहा उसमें तो हद हो गयी।

उत्तर- जो नियम हिन्दुस्तानियों के बारे में है, वहीं अंग्रेजों के बारे में समझना चाहिए। सारे के सारे अंग्रेज बुरे हैं, ऐसा तो मैं नहीं मानूँगा। बहुत से अंग्रेज चाहते हैं कि हिन्दुस्तान को स्वराज्य मिले। उस प्रजा में स्वार्थ ज्यादा है यह ठीक है, लेकिन उससे हर एक अंग्रेज बुरा है ऐसा साबित नहीं होता। जो हक-न्याय—चाहते हैं, उन्हें सबके साथ न्याय करना होगा। सर विलियम हिन्दुस्तानका बुरा चाहने वाले नहीं हैं, इतना हमारे लिए काफी है। ज्यों-ज्यों हम आगे बढ़ेंगे त्यों-त्यों आप देखेंगे कि अगर हम न्यायकी भावना से काम लेंगे, तो हिन्दुस्तान का छुटकारा जल्दी होगा। आप यह भी देखेंगे कि अगर हम तमाम अंग्रेजों से द्वेष करेंगे, तो उससे स्वराज्य दूर ही जाने वाला है; लेकिन अगर उनके साथ भी स्वराज्य के लिए हमें उनकी मदद मिलेगी।

क्रमशः ...

जो कहते थे कि कश्मीर में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं बचेगा, वो जरा आज कश्मीर को देखें

■ हर युवा के हाथ में तिरंगा है और हर घर में तिरंगा लहरा रहा है

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। श्रीनगर में तो अद्भुत छटा दिख रही है। घर-घर पर तिरंगा फहराया जा रहा है। युवा तिरंगा यात्राएं निकाल रहे हैं, तिरंगा बाइक रैलियां निकल रही हैं। डल झील के शिकारों, हाउसबोटों से लेकर श्रीनगर के मुख्य बाजार और गली-मोहल्ले तक में आपको हर ओर तिरंगा ही तिरंगा नजर आयेगा। लाल चौक पर भी शान से तिरंगा लहरा रहा है। इसके अलावा देशभक्ति के रस से भरे तमाम तरह के कार्यक्रमों का आयोजन भी देशप्रेम की भावना को बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में एक विशाल तिरंगा रैली में हिस्सा लिया और कहा कि केंद्र-शासित प्रदेश के युवा राष्ट्रीय ध्वज से प्यार करते हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के तौर पर आयोजित रैली में मनोज सिन्हा ने प्रत्यक्ष तौर पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग दावा करते थे कि जम्मू-कश्मीर में तिरंगा उठाने के लिये कोई नहीं बचेगा, उन्हें इस रैली में लोगों की भीड़ देखनी चाहिए। उन्होंने कहा, %वे, जो कहते थे कि जम्मू-कश्मीर में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं

बचेगा, उन्हें समझ आ गया होगा कि जम्मू-कश्मीर का हर युवा राष्ट्रीय ध्वज को उतना ही प्यार करता है, जितना देश के किसी अन्य हिस्से के लोग।

हम आपको याद दिला दें कि पीडीपी अध्यक्ष ने कहा था कि अगर जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा रद्द किया गया तो यहां राष्ट्रीय ध्वज उठाने वाला कोई नहीं बचेगा। उन्होंने कहा, आज पूरे देश में जम्मू-कश्मीर के लोगों की सराहना की जा रही है। चूंकि हम लोगों को एकजुट कर रहे हैं और विकास को गरीबों और वंचितों तक पहुंचा रहे हैं, इसलिये कुछ लोग इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे। सिन्हा ने कहा, एक समय था जब कश्मीर के युवाओं को गुमराह किया गया था लेकिन आज वे राष्ट्र और जम्मू-कश्मीर के निर्माण में योगदान दे रहे हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है...। सिन्हा ने कहा कि उन्हें गर्व और संतुष्टि महसूस हो रही है कि रैली में न केवल प्रशासन और सुरक्षा बलों के लोग मौजूद थे बल्कि कश्मीर के आम लोगों ने भी इसमें भाग लिया। उन्होंने कहा, मैं सोचता हूं और महसूस करता हूं कि तिरंगे का सम्मान करना देश और अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर सैनिकों का सम्मान करना है। लोग समझ गए हैं कि सभी को तिरंगे की रक्षा करनी है और सभी को देश के विकास में योगदान देना है। मुझे लगता है कि यही कश्मीर में बड़ा बदलाव है। दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर में हर घर तिरंगा रैली के विभिन्न आयोजनों के बीच श्रीनगर में लोगों का उत्साह देखने लायक था। प्रभासाक्षी से बातचीत करते हुए लोगों ने कहा कि तिरंगा हमारी आन बान और शान है।

वहीं श्रीनगर में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की बात करें तो आपको बता दें कि बड़ी संख्या में भाग लेने की प्रशासन की अपील के बीच नए स्वरूप में आ चुके बख्शी स्टेडियम में जम्मू-कश्मीर के मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। कश्मीर के संभागीय आयुक्त वीके भिदुरी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के 'फुलड्रेस रिहर्सल' के बाद कहा, ''यहां समारोह का आयोजन किया जा रहा है ताकि अधिकाधिक लोग इसमें हिस्सा लेने पहुंच सकें। इसके लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। कोई बंदिश नहीं है, स्टेडियम में आने के लिए किसी पास की जरूरत नहीं है।'' हम आपको बता दें कि बख्शी स्टेडियम में कई दशकों तक जम्मू कश्मीर का मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया जाता रहा है लेकिन इसे 2018 में स्टेडियम के उन्नयन एवं सौंदर्यीकरण के लिए बंद करना पड़ा था। पिछले पांच साल से स्वतंत्रता दिवस परेड सोनवर में शेर-ए-कश्मीर क्रिक्रेट स्टेडियम में होती रही है।

आम तौर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री करते हैं लेकिन निर्वाचित सरकार की अनुपस्थिति में पूर्ववर्ती (जम्मू कश्मीर) राज्य में राज्यपाल इस मौके की शोभा बढ़ाते थे। साल 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने तथा जम्मू कश्मीर के पुनर्गठन के बाद से केंद्र द्वारा नियुक्त उपराज्यपाल ही इन कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि होते हैं। बख्शी स्टेडियम में 'फुलड्रेस रिहर्सल' हुआ जहां भिदुरी ने मार्चपास्ट की सलामी ली। पुलिस, सुरक्षाबलों और स्कूली बच्चों की टुकड़ियों ने इस परेड में हिस्सा लिया। परेड के बाद कलाकारों एवं स्कूली बच्चों ने जम्मू कश्मीर की विविधता को दर्शाते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया। अधिकारियों ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन स्थल के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।

प्रियंका के खिलाफ एफआईआर पर रॉबर्ट वाड्रा ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। रॉबर्ट वाड्रा ने मध्य प्रदेश में अपनी पत्नी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के खिलाफ एफआईआर पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि वह इस घटनाक्रम से आश्चर्यचकित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह धारणा बनाने की भाजपा की रणनीति है, जितना अधिक भगवा पार्टी उन पर दबाव डालेगी, उतना अधिक कांग्रेस उभरेगी।

प्रियंका गांधी, राहुल और सोनिया को निडर बताते हुए वाड्रा ने कहा कि जहां भी पार्टी की सरकार होती है वहां बीजेपी लोगों पर कानूनी दबाव बनाने की कोशिश करती है और अब लोग (बीजेपी के खिलाफ) विद्रोह करेंगे।

उन्होंने कहा, मुझे आश्चर्य नहीं है। यह धारणा बनाने का उनका तरीका है। कर्नाटक में भी ऐसा ही था, वहां 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार थी। वैसा ही यहां (एमपी) भी है। जहां भी वे सरकार गिराते हैं और अपनी राजनीति चलाते हैं - वह सरकार लंबे समय तक नहीं चलेगी और लोग विद्रोह करेंगे...प्रियंका निडर हैं, राहुल निडर हैं, सोनिया निडर हैं, हम लोगों की आवाज आगे रखेंगे।

वाड्रा ने कहा, वे कानूनी तौर पर या एजेंसियों के जरिए या किसी अन्य तरीके से हम पर दबाव डालेंगे। लेकिन वे हम पर जितना दबाव डालेंगे, हम उतनी ही मजबूती से उठेंगे। इससे पहले पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में वाड्रा ने कहा था कि प्रियंका को निश्चित तौर पर लोकसभा में होना चाहिए।

उन्होंने कहा, उनके पास इसके लिए सभी योग्यताएं हैं। वह संसद में बहुत अच्छी होंगी और वह वहां रहने की हकदार हैं। मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी उन्हें स्वीकार करेगी और उनके लिए बेहतर योजना बनाएगी।

भाजपा ने केरल, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की

■ 5 सितंबर को मतदान और 8 सितंबर को मतगणना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को केरल, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में आगामी विधानसभा उपचुनावों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। उपचुनाव 5 सितंबर को होने हैं और मतगणना 8 सितंबर को होगी। केरल के पुथुपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के लिए भाजपा ने लिजिनलाल जी को नामांकित किया है।

उत्तर प्रदेश के घोसी से दारा सिंह चौहान पार्टी के उम्मीदवार के रूप में खड़े होंगे, जबकि उत्तराखंड के बागेश्वर (अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र) से पार्वती दास को टिकट दिया गया। भाजपा की ओर से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने आगामी उपचुनावों के लिए चौहान, दास और लिजिनलाल के नामों को मंजूरी दी है।

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट पिछले माह चौहान द्वारा विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद खाली हुई थी। चौहान समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गये थे। सपा ने उपचुनाव में पूर्व विधायक सुधाकर सिंह को अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

गौरतलब है कि सुधाकर सिंह 2012 से 2017 तक घोसी विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक रहे जबकि इसके पहले वह मऊ जिले के नत्थूपुर (अब मधुबन) विधानसभा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उत्तराखंड की बागेश्वर सीट प्रदेश सरकार के मंत्री और भाजपा के टिकट पर लगातार चार बार विधायक चुने गए चंदन रामदास के निधन से खाली हुई है। इस साल अप्रैल महीने में बीमारी से उनका निधन हो गया था। भाजपा ने पार्वती दास को इस सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। केरल की पुथुपल्ली विधानसभा सीट पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के निधन से खाली हुई है। चांडी का 18 जुलाई को निधन हो गया था। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चांडी ने पांच दशक तक इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था। भाजपा ने इस सीट पर लिजिनलाल जी को उम्मीदवार बनाया है। सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने जैक सी थॉमस को अपना उम्मीदवार घोषित किया। इन तीनों सीटों पर उपचुनाव के तहत पांच सितंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना आठ सितंबर को होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अगस्त है।

प्रधानमंत्री मोदी के लगातार दसवीं बार लाल किले से झंडा फहराने पर जदयू ने कसा तंज

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को लाल किले से लगातार दसवीं बार झंडा फहराने वाले हैं, वहीं दूसरी तरफ जदयू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस उपलब्धि पर तंज कसते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। जदयू ने कहा है कि लाल किले पर नरेंद्र मोदी आखिरी बार तिरंगा फहराएंगे।

जदयू ने यह भविष्यवाणी एक वीडियो के जरिए की कही है। जिसमें जदयू की तरफ से कहा गया कि जो वादे उन्होंने किए थे, उसे पूरा नहीं कर पाने को लेकर आखिरी बार तिरंगा फहराने के बाद देश की जनता से माफी मांगेगे।

जदयू के ट्विटर हैंडल से वीडियो जारी हुआ है। एक मिनट 52 सेकेंड के इस वीडियो में पीएम मोदी पर तंज कसते हुए निशाना साधा है और फिर अपील की गई है। जदयू की ओर से जारी इस वीडियो में बिहार में जातीय गणना को रोकने के आरोप लगाए गए

हैं। साथ ही बिहार की जनता से माफी मांगने की अपील की है।

वीडियो में कहा गया है कि बीते 9 सालों से आपके मन की बात देश ने सैकड़ों घंटे सुनी है। लेकिन जनता के मुद्दों पर आप हमेशा मौन रहते हैं। उम्मीद है इस बार आप लाल किले से आम जन के हित की बात करेंगे। देश की जनता उम्मीद कर रही है कि आप मणिपुर पर सच बोलेंगे।

वीडियो में आगे कहा गया है कि प्रधानंत्री जी देश की बहन और बेटियां आपसे बहुत निराश हैं। उम्मीद है कि आप उन सभी बीजेपी नेता पर कठोर फैसला लेने की घोषणा लाल किले से करेंगे, जिन पर यौन शोषण के गंभीर आरोप हैं। उम्मीद है लाल किले से युवाओं के लिए जुमले नहीं उछालेंगे।

यही नहीं वीडियो में आयुष्मान भारत और भगवान राम की अयोध्या में कई घोटालों का जिक्र किया है। और फिर आखिर में कहा है कि लाल किले पर आप आखिरी बार तिरंगा फहरा रहे हैं. ये आपके लिए प्रायश्चित का मौका है, देश की नजर आप पर है। प्रधानमंत्री जी उम्मीद है लाल किला से आप सच ही बोलेंगे।

रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा और उसके समर्थकों को बताया राक्षस

■ भाजपा ने किया पलटवार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला उस समय विवादों में घिर गए जब उन्होंने कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके समर्थकों के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और उन्हें राक्षस कहा। समाचार एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी साझा की। सुरजेवाला की टिप्पणी पर कई बीजेपी नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

रविवार को हरियाणा के कैथल में कांग्रेस की जन आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए सुरजेवाला ने कहा, नौकरी मत दो, कम से कम नौकरी में बैठने का मौका तो दो। भाजपा और जेजेपी के लोग राक्षस हैं और जो लोग बीजेपी को वोट देते हैं और उनका समर्थन करते हैं वे भी राक्षस हैं। आज मैं महाभारत की इस धरती से श्राप देता हूं।

इस बीच कांग्रेस नेता की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने ट्वीट किया, बार-बार युवराज को लांच करने में विफल रही कांग्रेस पार्टी अब जनता-जनार्दन को गाली देने में जुट गई है। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के विरोध में अंधता का शिकार हो चुके कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को सुनिए, वो कह रहे हैं- देश की जो जनता भाजपा को वोट और सपोर्ट करती है, वो राक्षस हैं।

उन्होंने ट्वीट कर ये भी लिखा, एक तरफ 140 करोड़ देशवासियों के प्रधानमंत्री मोदी जी हैं, जिनके लिए जनता जनार्दन का रूप है और दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी है, जिनके लिए जनता राक्षस का रूप है। देश की जनता इस अंतर को भली-भांति समझती है और देश की जनता ही अपनी नफरत के मेगा शॉपिंग मॉल पर ताला लगाने का काम करेगी।

भाजपा नेता गौरव भाटिया ने भी ट्वीट कर कहा, राहुल गांधी को लॉन्च करने में असफल कांग्रेस पार्टी अब जनता पर अपना गुस्सा निकाल रही है। रणदीप सुरजेवाला बोले- भाजपा को वोट देने वाली देश की जनता राक्षस है। कांग्रेस को एक बाद समझ लेनी चाहिए नागरिक किसी भी पार्टी को वोट दे या समर्थन करे यह उसका अधिकार है। देश विरोधी तो आप हैं अपनी अमर्यादित भाषा और सोच के लिए।

मंजिल के करीब पहुंचा चंद्रयान मिशन चांद की चौथी कक्षा में हुआ दाखिल

बेंगलुरू। इसरो का चंद्रयान-3 मिशन मंजिल के और करीब पहुंच गया है। इसरो ने आज जानकारी दी कि चंद्रयान-3 ने सफलतापूर्वक चांद की कक्षा के एक और वृत्ताकार चरण को पूरा कर लिया है और अब वह चांद के और करीब वाली कक्षा में पहुंच गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चंद्रयान-3 अब चांद के चौथे ऑर्बिट में प्रवेश कर गया है। इसरो ने बताया कि 14 अगस्त की सुबह करीब पौने बारह बजे चंद्रयान-3 के थ्रस्टर्स को चालू किया गया था, जिसकी मदद से चंद्रयान-3 ने सफलतापूर्वक कक्षा बदली। पांच अगस्त को चंद्रयान-3 ने पहली बार चांद की कक्षा में प्रवेश किया था और उसके बाद से तीन बार कक्षा में बदलाव कर चांद के करीब आ चुका है। चंद्रयान-3 1900 किलोमीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से चांद से 150 किलोमीटर दूर कक्षा में यात्रा कर रहा है। चंद्रयान का ऑर्बिट सर्कुलाइजेशन चरण चल रहा है और चंद्रयान-3 ने अंडाकार कक्षा से गोलाकार कक्षा में आना शुरू हो गया है।

17 अगस्त की तारीख अहम- 16 अगस्त को चंद्रयान-3 एक और कक्षा कम करके चांद के और करीब आएगा। वहीं 17 अगस्त का दिन मिशन के लिए अहम होगा क्योंकि इस दिन चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर से अलग किया जाएगा। इसके बाद 23 अगस्त को चंद्रयान-3 को चांद की सतह पर लैंड करना है, जिस पर पूरी दुनिया की निगाह होगी। चंद्रयान-3 मिशन में लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल शामिल हैं। लैंडर और रोवर चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरेंगे और 14 दिनों तक प्रयोग करेंगे। वहीं प्रोपल्शन मॉड्लूय चांद की कक्षा में ही रहकर चांद की सतह से आने वाले रेडिएशन्स का अध्ययन करेगा। इस मिशन के जरिए इसरो चांद की सतह पर पानी का पता लगाएगा और यह भी जानेगा कि चांद की सतह पर भूकंप कैसे आते हैं।

पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों की 15 अगस्त पर आतंकी हमले की योजना

नईदिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली में आतंकी हमले की योजना के बारे में कई खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया था। सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा किए गए खुफिया इनपुट में कहा गया है कि पाक स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) सहित आतंकवादी संगठन 15 अगस्त को सुरक्षा प्रतिष्ठानों और रेलवे स्टेशनों जैसे सार्वजनिक स्थानों को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे। विदेशी संगठनों के अलावा, खुफिया एजेंसियों को देश के भीतर आतंकवादी संगठनों द्वारा सुरक्षा में व्यवधान की संभावना के बारे में भी जानकारी मिली है।

खुफिया एजेंसियों को इस साल फरवरी में पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों द्वारा दिल्ली और उसके आसपास संवेदनशील सार्वजनिक स्थानों को निशाना बनाने की कोशिशों के बारे में इनपुट मिला था। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, मई में, लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक पाक स्थित संचालक ने अपने सहयोगियों को दिल्ली में कुछ स्थानों की टोह लेने का निर्देश दिया, जिनमें प्रमुख सड़कें, रेलवे प्रतिष्ठान और दिल्ली पुलिस के कार्यालय और राष्ट्रीय जांच एजेंसी का मुख्यालय शामिल थे। एनआईए)।

खुफिया इनपुट में कहा गया है कि मई 2023 में जारी एक वीडियो संदेश में, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के एक कार्यकर्ता ने दावा किया कि

जेईएम दिल्ली सहित भारतीय शहरों को निशाना बनाने की योजना बना रहा था।

एजेंसियों ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह को मुख्य रूप से पाक स्थित आतंकवादियों और वैश्विक जिहादी संगठनों से खतरा है। सीमा पार संगठनों के अलावा, खुफिया एजेंसियों को घरेलू आतंकवादी संगठनों, सिख आतंकवादियों, वामपंथी चरमपंथियों (एलडब्ल्यूईएस) और पूर्वोत्तर विद्रोही समूहों द्वारा सुरक्षा में व्यवधान की संभावना पर भी इनपुट मिला है।

दिल्ली पुलिस ने शहर में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं और गश्त और वाहनों की जांच तेज कर दी है। मुगलकालीन लाल किले पर निगरानी रखने वाले 10,000 पुलिस कर्मियों के साथ-साथ 1,000 चेहरे की पहचान करने वाले कैमरे, एंटी-ड्रोन सिस्टम और अन्य निगरानी उपाय तैनात किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को लाल किले से देश को संबोधित करेंगे।

31 को इंडिया की बैठक से पहले झटका देने की तैयारी कर रहे हैं शरद पवार

मुंबई। महाराष्ट्र में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की 31 अगस्त को होने वाली बैठक से पहले जिस तरह की राजनीतिक अटकलें चल रही हैं यदि वह सही साबित हुईं तो विपक्ष को अब तक का सबसे बड़ा झटका लग सकता है। हम आपको याद दिला दें कि बेंगलुरु में पिछले महीने हुई विपक्षी दलों की बैठक से पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार की पार्टी में विभाजन हो गया था और उनके भतीजे अजित पवार समेत कई बड़े नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हो गये थे। अब 31 अगस्त की विपक्ष की बैठक से पहले जिस तरह शरद पवार और अजित पवार की करीबियां बढ़ रही हैं उसको देखते हुए अटकलें लग रही हैं कि हो सकता है पवार भी भाजपा के साथ आ जायें। हालांकि पवार इस संभावना से साफ इंकार कर रहे हैं लेकिन पवार जिस तरह की राजनीतिक गुगली फेंकते हैं उसको देखते हुए कुछ भी हो सकता है।

इस बीच, विपक्षी दलों के गठबंधन में शामिल दलों

की प्रतिक्रियाएं भी आने लग गयी हैं। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बार-बार मुलाकात से राकांपा प्रमुख की छवि धूमिल हो रही है। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा गया है कि अजित पवार की शरद पवार (अपने चाचा) से बार-बार मुलाकात को देखना दिलचस्प है और राकांपा प्रमुख भी इससे बच नहीं रहे हैं। संपादकीय में कहा गया, ''ऐसी आशंका है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'चाणक्य', अजित को शरद पवार से मिलने के लिए भेजकर भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि इस तरह की मुलाकातें शरद पवार की छवि को धूमिल कर रही हैं और यह अच्छा नहीं है।'' हम आपको बता दें कि शरद पवार और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बीच पुणे में एक व्यापारी के आवास पर हुई एक गुप्त बैठक के दो दिन बाद यह टिप्पणी आई है। अजित और शरद पवार के बीच इस बैठक ने राजनीतिक सरगर्मियां तेज कर दी है। यही नहीं, शरद पवार ने हाल ही में पुणे में प्रधानमंत्री को सम्मानित किये जाने वाले एक कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा किया था। हालांकि विपक्षी दलों ने पवार से ऐसा करने से बचने के लिए कहा था लेकिन पवार नहीं माने थे।

सामना में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया है, ''रोजाना भ्रम की स्थिति पैदा करना अब लोगों की समझ से परे हो गया है। रोज-रोज के इस खेल से जनता अब उदासीन हो चुकी है।'' संपादकीय के मुताबिक, कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने भी अजित और शरद पवार के बीच बैठक को दिलचस्प करार दिया है। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा, ''हम यह कहना चाहेंगे कि महाराष्ट्र सरकार में भाजपा के साथ हाथ मिलाने का अजित पवार का फैसला मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट के साथ अब तक का सबसे बड़ा मजाक बन गया है।''

दूसरी ओर, इस मुद्दे पर शरद पवार की प्रतिक्रिया की बात करें तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा है कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ नहीं जाएगी, भले ही कुछ ''शुभचिंतक'' उन्हें इस बाबत मनाने की कोशिश कर रहे हैं। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के सांगोला में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि अगर उनके भतीजे अजित पवार उनसे मिलते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। शरद पवार ने कहा, मैं राकांपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में यह स्पष्ट कर रहा हूं कि मेरी पार्टी (राकांपा) भाजपा के साथ नहीं जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के साथ कोई भी जुड़ाव राकांपा की राजनीतिक नीति में फिट नहीं बैठता है।'' उन्होंने यह भी कहा कि कुछ ''शुभचिंतक'' उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह कभी भी भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। शरद पवार ने बिना नाम लिए कहा, ''हममें से कुछ (अजित पवार के नेतृत्व वाला राकांपा समूह) ने अलग रुख अपनाया है। हमारे कुछ शुभचिंतक यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या हमारे रुख में कोई बदलाव हो सकता है। यही कारण है कि वे हमसे सौहार्दपूर्ण चर्चा करने की कोशिश कर रहे हैं।'' अजित पवार के साथ बैठक के बारे में पूछे जाने पर शरद पवार ने कहा, ''मैं आपसे कहना चाहता हूं कि वह मेरे भतीजे हैं। भतीजे से मिलने में क्या बुराई है? यदि परिवार का कोई वरिष्ठ व्यक्ति परिवार के किसी अन्य सदस्य से मिलना चाहता है, तो इसमें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। अगर अजित पवार मुझसे मिलने आते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हम छिप-छिपकर नहीं मिलते।'' शरद पवार ने कहा कि विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के कई नेता 31 अगस्त को मुंबई में बैठक करेंगे, जहां कई मुद्दों पर चर्चा होगी।

तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीन राशि वाले कल शिवलिंग पर जरूर चढ़ाएं ये चीजें

वैसाख माह के कृष्ण पक्ष का प्रदोष व्रत 17 अप्रैल, सोमवार को है। सोमवार के दिन पड़ने वाले प्रदोष व्रत को सोम प्रदोष व्रत कहा जाता है। त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत रखा जाता है। हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का बहुत अधिक महत्व होता है। हर माह में दो बार प्रदोष व्रत पड़ता है। एक शुक्ल पक्ष में और एक कृष्ण पक्ष में। साल में कुल 24 प्रदोष व्रत पड़ते हैं। प्रदोष व्रत के दिन भगवान शंकर और माता पार्वती की विधि- विधान से पूजा की जाती है। इस व्रत में प्रदोष काल में पूजा करने का बहुत अधिक महत्व होता है। भगवान शंकर और माता पार्वती की कृपा से व्यक्ति को सभी तरह के सुखों का अनुभव होता है। सोमवार के दिन पड़ने से प्रदोष व्रत का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

भगवान शंकर की कृपा से शनि दोष भी दूर हो जाता है। इस समय मकर, कुंभ, मीन राशि पर शनि की साढ़ेसाती और तुला, वृश्चिक राशि पर शनि की ढैय्या चल रही है। शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या लगने पर व्यक्ति का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के अशुभ प्रभावों से बचने के लिए प्रदोष व्रत के पावन दिन शिवलिंग पर ये चीजें अर्पित करें। शिवलिंग पर ये चीजें अर्पित करने से भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं। आइए जानते हैं शिवलिंग पर किन चीजों को अर्पित करने से शिवजी प्रसन्न होते हैं...

जल

शिवजी को प्रसन्न करने का सबसे आसान उपाय है शिवलिंग पर जल चढ़ाना। शिवजी को प्रसन्न करने के लिए ऊँ नम: शिवाय का जप करते हुए शिवलिंग पर जल अर्पित करें।

दूध

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने से भी शिवजी प्रसन्न होते हैं। दूध चढ़ाने के बाद शिवलिंग पर गंगा जल या शुद्ध जल जरूर अर्पित करें।

चीनी

शिवलिंग पर चीनी चढ़ाना भी शुभ माना जाता है। ऐसा करने से शिवजी प्रसन्न होते हैं।

केसर

शिवलिंग पर केसर अर्पित करने से भी भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

इत्र

शिवलिंग पर इत्र अर्पित करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

दही

शिवलिंग पर दही भी अर्पित करना चाहिए। दही चढ़ाने के बाद शिवलिंग पर गंगा जल या शुद्ध जल जरूर अर्पित करें।

देसी घी

शिवलिंग पर देसी घी अर्पित करने से शिवजी की कृपा प्राप्त होती है।

चंदन

शिवलिंग पर चंदन अवश्य लगाएं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से जीवन में मान, सम्मान और ख्याति की कभी कमी नहीं आती।

शहद

शिवलिंग पर शहद भी अर्पित करना चाहिए। शहद चढ़ाने के बाद शिवलिंग पर गंगा जल या शुद्ध जल जरूर अर्पित करें।

भांग

शिवलिंग पर भांग भी अर्पित की जाती है। भगवान शिव को भांग अर्पित करना शुभ माना जाता है।

गुरु, राहु का महासंयोग मचाने जा रहा है हलचल, उथल-पुथल के संकेत, जानें आप पर क्या पड़ेगा प्रभाव

शिवलिंग पर ये चीजें अर्पित न करें-

शिवलिंग पर शंख से जल अर्पित न करें।

शिवलिंग पर केवड़े और केतकी का पुष्प अर्पित नहीं करना चाहिए।

भगवान शंकर की पूजा में तुलसी दल का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। भोलेनाथ को तुलसी दल नहीं चढ़ाया जाता है।

इस तरह मानव जीवन को कर सकते हैं सफल

गीता में भी भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि 'श्रेष्ठ पुरुष जो भी आचरण करता है, अन्य पुरुष भी वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण कर देता है, समस्त मनुष्य समुदाय उसी के अनुसार बरतने लग जाता है।' भगवान के लिए कुछ भी प्राप्त करना असंभव नहीं था।

दूसरों के लिए बनेंगे प्रेरणास्त्रोत

हम अक्सर देखते हैं कि ज्यादातर मनुष्य अपने से श्रेष्ठ पुरुष को अपना आदर्श मानते हैं और उसका अनुकरण करते हुए उसी की तरह या उससे भी श्रेष्ठ बनने का प्रयत्न करते हैं। विद्यार्थी अपने शिक्षक और बच्चे अपने माता-पिता का अनुकरण करते हैं। शिक्षक और माता पिता भी बच्चों के अपने से श्रेष्ठ और सफल इंसान बनने पर प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। इसलिए समाज में प्रतिष्ठित और श्रेष्ठ व्यक्तियों का यह धर्म बन जाता है कि वह कोई ऐसा कार्य या व्यवहार न करें जिससे दूसरे मनुष्य जो उनका अनुकरण करते हैं, उन्हें उनके कार्य से कोई मानसिक कष्ट पहुंचे। गीता में भी भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि 'श्रेष्ठ पुरुष जो भी आचरण करता है, अन्य पुरुष भी वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण कर देता है, समस्त मनुष्य समुदाय उसी के अनुसार बरतने लग जाता है।' भगवान के लिए कुछ भी प्राप्त करना असंभव नहीं था, फिर भी यदि वह कर्म न करते तो दूसरे मनुष्य भी उनका अनुकरण करते हुए प्रमाद और आलस्य का जीवन व्यतीत करने लगते। इसलिए समाज के प्रतिष्ठित और श्रेष्ठ पुरुषों को अपने स्वाभाविक कर्तव्य कर्मों का शास्त्रविधि के अनुसार पालन करते हुए समाज का मार्गदर्शन करना चाहिए। यदि राष्ट्र या राज्य का शासक या किसी भी संस्थान का प्रमुख व्यक्ति पूरी तरह से निष्ठावान, धैर्य और उत्साह के साथ तत्परतापूर्वक, ईमानदारी के साथ अपने कार्य का निर्वहन करते हुए, देशहित या समाजहित की दृष्टि रखते हुए एक समर्पित जीवन व्यतीत करता है, तब उसका प्रभाव पूरी सामाजिक व्यवस्था पर पड़ता है। इसलिए श्रेष्ठ व्यक्तियों को जीवन मूल्यों की बात बताने के साथ-साथ उन मूल्यों को स्वयं अपने आचरण में अपनाकर समाज को प्रेरणा देने का कार्य करना चाहिए ताकि वे एक-दूसरे के हित को दृष्टि में रखते हुए अपना दैनिक व्यवहार करें। श्रीरामचरित मानस के अरण्यकांड में भगवान श्रीराम माया के विषय में लक्ष्मण जी को बतलाते हैं कि 'मैं अरु मोर तोर तैं माया, जेंहि बस कीन्हे जीव निकाया।' यानी मैं और मेरा, तू और तेरा यही माया है, जिसने समस्त जीवों को बस में कर रखा है और जीव यानी हम मनुष्यों के लिए कहते हैं कि 'माया ईस न आप कहुं जान कहिअ सो जीव' यानी जो माया को, ईश्वर को और अपने स्वरूप को नहीं जानता, उसे जीव कहना चाहिए।

श्रेष्ठ व्यक्ति वह कहलाता है जिसमें अन्य व्यक्तियों की अपेक्षा गुणों की और ज्ञान की अधिकता हो। जब हम कुछ व्यक्तियों के साथ मेरापन का भाव यानी राग या आसक्ति रखते हैं और अन्य व्यक्तियों के साथ तेरापन यानी परायेपन का भाव रखते हैं, तब हमारे मन और बुद्धि में विषमता आ जाती है। फलस्वरूप हमारी बुद्धि का लिया गया कोई भी निर्णय पक्षपात पर ही आधारित होता है जिससे समाज के व्यक्तियों का हमारे ऊपर विश्वास कम होता जाता है। इस विषम स्वभाव के कारण हमारे अंदर एक अंर्तद्वंद्व की स्थिति बन जाती है और हम स्वयं भी अशांत रहने लगते हैं। क्योंकि समभाव में स्थित व्यक्ति ही योगी है 'समत्वं योग उच्यते'। श्रेष्ठ व्यक्ति को जीव भाव से यानी मैं, मेरापन और तू, तेरापन के भाव से ऊपर उठकर अपने कर्तव्य कर्मों का निर्वाह करना चाहिए। इससे वह स्वस्थ मूल्यों पर आधारित समाज की स्थापना में अपना योगदान देकर अपने मानव जीवन को सफल कर सकेगा और दूसरों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन सकेगा।

पुरुषों की ये आदतें बनाती हैं उन्हें अच्छा जीवनसाथी

महान दार्शनिक, सलाहकार और कुशल राजनितिज्ञ आचार्य चाणक्य ने एक नीति शास्त्र की रचना की है। इस नीति शास्त्र में उन्होंने मनुष्य के जीवन से जुड़ी तमाम बातों के बारे में विस्तार से बताया है। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीति शास्त्र में व्यक्ति के जीवन, दोस्ती, कर्तव्य, प्रकृति, पत्नी, बच्चों, धन, व्यवसाय और अन्य सभी चीजों के बारे में उल्लेख किया है। जो मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। साथ ही उन्होंने व्यक्ति के कुछ गुणों के बारे में जिक्र की है, जिसके जरिए वो अपने जीवनसाथी को खुश रख सकता है। आइए जानते हैं उन गुणों के बारे में...

वफादारी

चाणक्य नीति के अनुसार, पुरुष को हमेशा रिश्तों के प्रति वफादार होना चाहिए। जो व्यक्ति अपनी पत्नी के प्रति ईमानदार रहता है वो हमेशा सुखी जीवन जीता है।

सम्मानजनक व्यवहार

पुरुष को हमेशा अपनी पत्नी को सम्मान देना चाहिए, जो व्यक्ति अपनी पत्नी का सम्मान करता है उससे उसकी पत्नी हमेशा खुश रहती है।

जितना धन हो उसमें संतुष्ट रहना

आचार्य चाणक्य के अनुसार, पुरुष को पैसा कमाने के लिए खूब मेहनत करनी चाहिए, ताकि वो अपनी पत्नी और परिवार की हर इच्छा को पूरा कर सके। लेकिन हमेशा पैसे के पीछे भागना नहीं चाहिए। वरना परिवार को समय न दे पाने से रिश्ते कमजोर हो जाते हैं। ऐसे में मनुष्य को परिवार से ज्यादा अहमियत देनी चाहिए।

जिम्मेदारियां निभाने में निपुण

चाणक्य नीति के अनुसार, पुरुष को हमेशा अपनी पत्नी और परिवार के प्रति जिम्मेदारियां निभाने को लेकर सजग रहना चाहिए। ऐसे पति से उसकी पत्नी हमेशा खुश और संतुष्ट रहती है।

अच्छी नींद के लिए आज ही अपनाएं ये वास्तु टिप्स

वास्तु शास्त्र में आपकी हर समस्या का हल है। अच्छा स्वास्थ्य पाने के लिए हम हर तरह के उपाय करते हैं। अच्छे स्वास्थ्य का मतलब शारीरिक और मानसिक हर तरह के स्वास्थ से है। अगर आपका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा तो आपकी कई तरह की बीमारियां होने की आशंका रहती है। अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी नींद जरुरी है। कभी-कभी कोई समस्या ना होने पर भी आपको नींद नहीं आती है। जिसका कारण वास्तु दोष हो सकता है।

बेड की सफाई का रखें ध्यान- अगर आपका भी बिस्तर गंदा रहता है तो आपको नींद ना आने की परेशानी हो सकती है। कभी भी आलस के कारण अपने बिस्तर पर खाने-पीने की चीजें ना बिखरी रहने दें। बेड के नीचे किसी तरह की गंदगी ना होने दें। या बिस्तर के नीचे कोई कूड़ा या जूते-चप्पल ना इकठ्ठा होने दें यह भी आपको अनिद्रा का शिकार बना सकता है।

दिशा का रखें ध्यान- बेड को इस तरह से रखें जिससे सोने वाले वाले के पैर मुख्य दरवाजे की तरफ

ना हो। सोते समय पैर दक्षिण दिशा की ओर नहीं होना चाहिए। सोते समय कोशिश करें आपका सिर पूर्व या दक्षिण दिशा की ओर रहे। पश्चिम दिशा की ओर पैर करके सोने से नींद अच्छी आती है और दिमाग शांत रहता है। अगर आप दक्षिण दिशा में पैर करके सोते हैं तो आपको बेचैनी और घबराहट की दिक्कत हो सकती है।

इलेक्ट्रानिक सामान- बेडरूम में कोई इलेक्ट्रानिक सामान जैसे टीवी या कम्प्यूटर ना रखें ऐसा करने से आपकी नींद पर असर हो सकता है। इन चीजों को बेड के पास रखने से आप इन चीजों को देर रात तक इस्तेमाल करते हैं जिससे आपकी नींद प्रभावित होती है।

बेडरूम में ना रखें आईना- बेडरूम में आईना नहीं रखना चाहिए। अगर किसी कारण से आपको ऐसा करना पड़ रहा है तो सोते समय इसको किसी कपड़े से ढक दें। बेडरूम में झाड़ू रखने की भी मनाही है। यह आपकी नींद में खलल डाल सकता है। इसके साथ ही यह घर में कलह का कारण भी बनता है।

बेड पर बैठ कर खाना- अगर आप भी बेड पर बैठ कर खाना खाते हैं तो आपकी यह आदत आपके लिए भारी पड़ सकती है। यह आपकी अच्छी नींद में बाधा उत्पन्न करेगा साथ ही यह राहु के कोप का भी शिकार बना सकता है।

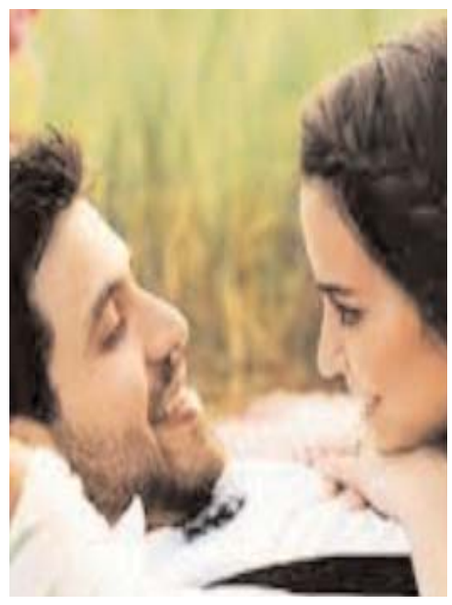

[भविष्यफल]

मेष

आज दिन भर व्यस्तता बनी रहेगी। अब तक जो भी निवेश किए हैं उनमें आशातीत लाभ भी होगा। आप कुछ ऐसे भी कार्य करेंगे, जिससे आपकी रचनात्मकता सामने आएगी। किसी विशेष की तैयारी में भी समय व्यतीत होगा। जीवनसाथी के साथ मधुर सम्बंध बनेंगे।

वृष

अगर आप व्यवसाय संबंधी कुछ परिवर्तन करने की योजना बना रहे हैं या स्टाफ, नौकरी आदि में परिवर्तन की सोच रहे हैं तो यह बिल्कुल सही समय है। परंतु अपरिचित लोगों से व्यवहार करते समय कुछ सावधान रहना आवश्यक है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सुधार होगा।

मिथुन

समय बहुत ही उचित है। कड़ी मेहनत व कठोर परिश्रम से एक के बाद एक उपलब्धियां हासिल करने में सक्षम रहेंगे। कहीं समारोह में भी शामिल होने का अवसर मिलेगा। संपत्ति संबंधी कार्यों को करने के लिए आज का दिन बहुत ही शुभ है। बड़ो का आशीर्वाद मिलेगा। सेहत बनी रहेगी।

कर्क

कार्यक्षेत्र में आज कामकाज का अतिरिक्त दबाव रहेगा तथा कुछ रुकावटें भी आएंगी। लेकिन आप अपनी बुद्धि व योग्यता के बल पर समस्याओं का हल निकालने में सक्षम भी रहेंगे। पार्टनर या किसी सहकर्मी से छोटी सी बात पर मतभेद की स्थिति बन सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

सिंह

गुरुजन तथा बड़े बुजुर्गों का स्नेह एवं आशीर्वाद प्राप्त होगा। पिछले कुछ समय से आपने जो मेहनत की है, वह रंग लाएगी। अध्यात्म तथा नैतिकता से जुड़े मामलों पर आपका विशेष ध्यान रहेगा। शादी-विवाह से संबंधित कार्यों में भी व्यस्तता बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कन्या

युवाओं को जॉब में कैरियर संबंधी समाचार मिलेगा। किसी बड़े अधिकारी या राजनीतिज्ञ से मुलाकात आपके कई काम आसान हो जाएंगे। परंतु कई मामलों में आपका स्वाभिमान ही आपकी उन्नति में बाधक भी बन सकता है। नौकरी में बॉस व अधिकारियों के साथ संबंधों में गिरावट ना आने दें।

तुला

कुछ परेशानियां तो सामने आएंगी परंतु आप मेहनत व परिश्रम से सभी प्रकार की नकारात्मक परिस्थितियों को सकारात्मकता में परिवर्तित कर लेंगे। भविष्य संबंधी भी कुछ योजनाएं बनेंगी। कुछ ज्ञानवर्धक साहित्य पढ़ने में भी समय व्यतीत होगा। सेहत में सुधार होगा।

वृश्चिक

व्यापार में आज कुछ मुश्किल और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। दोपहर बाद परिस्थितियां कुछ अनुकूल हो जाएंगी। धन प्राप्ति के स्रोत प्रबल होंगे परंतु कैश हाथ में रखने की बजाय कहीं इन्वेस्ट करेंगे तो उचित रहेगा। बॉस के साथ सम्बनध मधुर रखें। सेहत सामान्य रहेगी।

धनु

आज धार्मिक क्रियाकलापों में व्यस्तता रहेगी। किसी धार्मिक यात्रा का भी योग बन रहा है। भाइयों के साथ संबंध सौहार्दपूर्ण रहेंगे। पुराने तनाव से मुक्ति मिलेगी। बच्चों का उनके सुख-सुविधाओं संबंधी वस्तुओं के लिए शॉपिंग का भी मूड बन सकता है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

मकर

कारोबारी हालात सुधरेंगे। व्यापार में विस्तार संबंधी जो योजना बनाई हैं, उनमें छोटी-मोटी परेशानियां आएंगी परंतु आप पूर्ण करने में सफल रहेंगे। अफसरों के साथ आपके रिश्तों में सुधार आएगा। सहकर्मी व सहयोगियों के साथ आपका सहयोगात्मक रवैया रहेगा। सेहत सामान्य रहेगी।

कुंभ

सरकारी कार्यों को पूरा करने के लिए दिन उत्तम है। विरोधियों की योजनाओं को ध्वस्त कर अच्छे परिणाम व प्रशंसा भी हासिल करेंगे। लोग आपसे स्वयं के निजी मामलों में सलाह-मशविरा भी लेंगे। कुल मिलाकर समय पूर्णत: आपके पक्ष में हैं। इसका बेहतरीन सदुपयोग करें। स्वास्थ्य

मीन

व्यवसाय में कुछ ठोस और खास फैसले लेने की जरूरत है। महत्वपूर्ण लोगों के संपर्क से आपके कार्य बनेंगे। नौकरी में पदोन्नति की पूरी-पूरी संभावनाएं हैं। ऑफिस में माहौल और परिस्थितियां आपके पक्ष में बनी हुई हैं। सामाजिक दायरा और मान सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य सही रहेगा।

इस मंदिर में एक बार ही होते हैं भोले बाबा के दर्शन

कारू बाबा का यह मंदिर चित्रकूट गांव से 25 किलोमीटर दूर इंडिया चाइना बॉर्डर पर दुलती नाम के स्थान पर स्थित है।

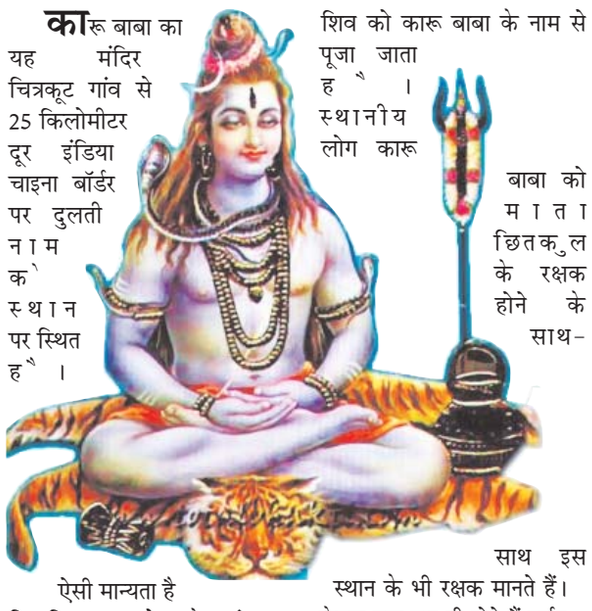

शिव को कारू बाबा के नाम से पूजा जाता है। स्थानीय लोग कारू बाबा को माता छितकुल के रक्षक होने के साथ-साथ इस स्थान के भी रक्षक मानते हैं।

ऐसी मान्यता है कि हिमाचल प्रदेश के सांगला वैली के कामरु गांव में मां कामाख्या दर्शन के पश्चात भगवान शिव के दर्शन अवश्य किए जाने चाहिए।

यूं तो देशभर में भगवान शिव के कई मंदिर स्थित है। लेकिन हिमाचल प्रदेश के चित्रकूट गांव से 25 किलोमीटर दूर भगवान शिव को कारू बाबा के नाम से पूजा जाता है। यहां पर भोले बाबा का एक मंदिर स्थित है और यह मंदिर स्वयं में बेहद ही अद्भुत है। दरअसल, यहां पर स्थित भगवान कारू बाबा के दर्शन भक्तगण को साल में एक बार ही होते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस अद्भुत मंदिर के बारे में बता रहे हैं-

हिमाचल प्रदेश में स्थित है यह मंदिर

कारू बाबा का यह मंदिर चित्रकूट गांव से 25 किलोमीटर दूर इंडिया चाइना बॉर्डर पर दुलती नाम के स्थान पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि हिमाचल प्रदेश के सांगला वैली के कामरु गांव में मां कामाख्या दर्शन के पश्चात भगवान शिव के दर्शन अवश्य किए जाने चाहिए। यहां पर स्थित भगवान

केवल एक बार ही होते हैं दर्शन

इस मंदिर को इसलिए भी

विशिष्ट माना जाता है क्योंकि यहां पर स्थित भगवान कारू बाबा के दर्शन वर्ष में सिर्फ एक बार ही होते हैं। जन्माष्टमी के दिन इस मंदिर के पट आम आदमी के लिए खोले जाते हैं और उस खास अवसर पर भक्तों की भीड़ भगवान कारू बाबा के दर्शन के लिए उमड़ती है।

इंडियम आर्मी द्वारा होता है संचालित

इस मंदिर की दूसरी विशेषता यह है कि इस मंदिर का संचालन इंडियन आर्मी द्वारा किया जाता है। जब मंदिर के द्वार आम आदमी के लिए खोले जाते हैं, तो इंडियन आर्मी की देख-रेख में ही भक्तगण भगवान शिव के दर्शन करते हैं।

लगता है मेला

जब मंदिर में भगवान के दर्शनों का आयोजन किया जाता है, उस समय मंदिर में भव्य मेला लगता है। इतना ही नहीं, इस दौरान इंडियन आर्मी आईटीबीपी भव्य भंडारे का भी आयोजन करती है।

आखिर लक्ष्मीजी को जय-विजय ने दरवाजे पर क्यों रोक दिया था?

अपनी शर्त के अनुसार कर्दम जी सन्यस्थ होकर वन जाने लगे तब देवहूति ने मुसकुराते हुए उनको रोका और कहा- प्रभो! यदि आप वन में चले जाएंगे तो इन कन्याओं के लिए योग्य वर कौन ढूंढ़ेगा और मेरे सुख-दुख का निवारण कौन करेगा?

सच्चिदानंद रूपाय विश्वोत्पत्यादिहेतवे !
तापत्रयविनाशाय श्रीकृष्णाय वयंनुम:॥

भगवान के मुख से ब्राह्मण और अग्नि इन दोनों का जन्म हुआ है। भगवान को दोनों मुखों से खिलाया जाता है। अग्नि के मुख से स्वाहा और ब्राह्मण के मुख से आहा। ब्राह्मण गरम-गरम मालपूआ और रबड़ी पाते हैं तो डकार लेकर गद-गद हो जाते हैं।

आइए ! अब आगे की कथा प्रसंग में चलते हैं। एक बात यहाँ गौर करने के लायक है, जय-

विजय ने सनक, सनन्दन, सनातन और सनतकुमार आदि महात्माओं के दर्शन में विघ्न डाला, यह राक्षसी आचरण है इसलिए उनको राक्षस होने का शाप मिला। सनकादि ऋषियों ने जय-विजय पर क्रोध किया तो उनको भी वैकुंठ धाम के दर्शन से वंचित होना पड़ा। यह सब भगवान की लीला है। एक बार लक्ष्मी जी को भी जय-विजय ने यह कहकर दरवाजे पर ही रोक दिया था कि प्रभु अभी शयन कर रहे हैं आप अंदर नहीं जा सकती। लक्ष्मी जी ने प्रभु से शिकायत की, प्रभु ने कहा— यदि तुम्हारे कहने पर इन्हें निकालूँगा, तो लोग मेरे बारे में भला-बुरा कहेंगे, घरवाली के कहने पर निकाल दिया। जब किसी संत का अपमान करेंगे तब निकालूँगा। भगवान की चतुराई देखिए।

भगवान कहते हैं कि ब्राह्मण के मुख से खाकर जितना मैं प्रसन्न होता हूँ, उतना अग्नि मुख से नहीं। प्रभु ने स्पष्ट कह दिया कि ब्राह्मण मेरा प्रत्यक्ष मुख है। खाता वह है और तृप्त मैं होता हूँ। भगवान ने यहाँ पर ब्राह्मणों की बहुत प्रशंसा की और सनक, सनन्दन सनातन और सनतकुमारों को सम्मानपूर्वक नमन करके विदा कर दिया। सनकादि के शाप से ही वे आज दिति माँ के गर्भ में आ गए हैं। यह सारा रहस्य ब्रह्मा जी ने देवताओं को बताया और कहा- आप लोग घबराए नहीं भगवान नारायन कृपा करेंगे और कष्ट का निवारण करेंगे। देवता बिचारे समय की प्रतीक्षा करने लगे। सौ वर्षों के बाद दिति ने दो पुत्रों को जन्म दिया जिंका नाम हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु हुआ। हिरण्याक्ष के साथ वराह भगवान का युद्ध हुआ, हिरण्याक्ष का वध करके भगवान ने पृथ्वी का भार उतारा।

निःस्वार्थ भक्ति से ही पा सकते हैं परमपुरुष का प्रेम

जिनके पास ईश्वर प्रेम है- भगवान के लिए आंतरिक प्रेम है - वे अपने रास्ते से कंकड़-पत्थर हटा लेते हैं, इसे साफ व स्वच्छ बना लेते हैं. भक्ति मार्ग पर चलने वालों में ऐसा साहस स्वत: ही आ जाता है - वे भयाक्रांत नहीं होते. वृंदावन में बांसुरी बजाने वाले कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के युद्ध में हथियार उठाये. भक्त कुछ भी और सब कुछ करने में सक्षम होता है. एक ओर वह घोर यातना सह सकता है और दूसरी ओर वह नाच-गा सकता है, आनंद मना सकता है. उसके लिए जीवन खिले हुए फूलों के समान है.वह अपने जीवन के हर पहलू से आनंद प्राप्त करने में सक्षम होता है. अन्य लोग ऐसा नहीं कर सकते हैं, क्योंकि दुष्टता और पाप के कारण उनका मन आनंद को नष्ट कर देता है. कुछ लोग अपने धन से बड़े-बड़े मंदिर और तीर्थ यात्रियों के लिए बड़े विश्राम गृह बनाकर सोचते हैं कि वे भगवान के प्रति अपना प्रेम दिखा रहे हैं, तो वे झूठे, व्यर्थ और पाखंडी हैं. बेईमानी से कमाये गये धन का दान देने से शोषक अपने पापों को कभी नहीं ढंक सकता. कोई भी व्यक्ति इतनी आसानी से ईश्वर का प्रेम प्राप्त नहीं कर सकता.

प्रेम कैसे व्यक्त किया जाता है? जब कोई सभी आसक्तियों और संपत्ति से मुक्त होता है. ममता का क्या अर्थ है? मम का अर्थ है- मेरा और इस प्रकार ममता मेरे होने का आंतरिक विचार है. यह भावना कि कुछ मेरा अपना है. परमपुरुष (विष्णु) को छोड़कर कोई किसी को अपना होने के बारे में नहीं सोचता है. इस आध्यात्मिक दृष्टिकोण को प्रेम कहा जा सकता है. जिसने इस प्रकार परमपुरुष को अपना मान लिया है, उसे परमपुरुष में सब कुछ मिल जाता है और अंतत: ऐसे भक्त के नियंत्रण में सब कुछ आ जाता है.

प्रेम यह है कि परमपुरुष के सिवाय कुछ भी अपना नहीं है. उनकी ममता से सब कुछ पूर्ण हो जाता है. हर कोई उनकी निकटता को महसूस करेगा और उनसे वही व्यवहार प्राप्त करेगा, जो उनके निकटतम लोग करते हैं. वह सबको अपनी गोद में ले लेगा और कहेगा, फ़चिंता मत करो, मैं तुम्हारी मदद करने आया हूंफ़. दुनिया को व्यापक दृष्टि से देखने के लिए हर चीज को परमपुरुष की अभिव्यक्ति के रूप में देखना भक्तों का प्रेम है. भक्त के गुणों में से एक भाव है प्रेम. भाव का अर्थ प्रत्येक इकाई को परमपुरुष की अभिव्यक्ति के रूप में देखना है. इसमें किसी पाखंड के लिए कोई गुंजाइश नहीं. यह लौकिक विचार (भाव) कुछ सूक्ष्म वृत्तियों के साथ मन को आध्यात्मिकता की ओर ले जाता है.

जब कोई अपने आकर्षण को ईश्वर की ओर मोड़ता है, तो वह भक्ति है और जब उसे किसी अन्य वस्तु की ओर मोड़ता है, तो वह आशक्ति है. यदि किसी का लगाव किसी अति-मानसिक या आध्यात्मिकता की ओर होता है, तो इसे प्रेम कहते हैं. ईश्वरीय प्रेम में लीन रहनेवाले भक्त किसी का शोषण या अहित करने के बारे में सोच भी नहीं सकते. ईश्वर की ओर प्रवाहित यह सतत प्रवाहमान मानसिक विचार सर्वोच्च मानवीय उपलब्धि है.

संक्षिप्त समाचार

स्वतंत्रता दिवस पर राज्यपाल हरिचंदन ने शुभकामनाएं दी

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने प्रदेशवासियों सहित पूरे देशवासियों, सेना के जवानों और स्वतंत्रता सेनानियों को शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल श्री हरिचंदन ने अपने संदेश में कहा कि 15 अगस्त को भारत गौरवशाली आजादी के 77 वर्ष पूरा कर रहा है। हमारी आजादी की लड़ाई लंबी और कठिन थी और इसमें असंख्य बहादुर लोगों ने अपना बलिदान दिया। उन समस्त महापुरूषों और बलिदानियों को नमन करते हैं। महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस और अनेक सेनानियों ने अपने-अपने तरीकों से भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्ति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमें उन असंख्य सेनानियों के बलिदान को नहीं भूलना चाहिए। इस आजादी को कायम रखने के लिए हमारी सेना के वीर जवानों और पुलिस कर्मियों ने भी अपनी शहादत दी है। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि भारत की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने और यहां के लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरव शाली इतिहास को याद करने और जश्न मनाने के लिए हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। यह महोत्सव असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को हमारी श्रद्धांजलि है। हम सभी आजादी के इस पावन पर्व पर देश को विघटनकारी और असामाजिक तत्वों से मुक्ति दिलाने का संकल्प लें। राज्यपाल श्री हरिचंदन ने युवा पीढ़ी से भी आहवान किया कि भारत की एकता और अखण्डता को मजबूत करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभायें।

पॉवर कंपनी मुख्यालय डंगनिया में सुबह होगा ध्वजारोहण

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय डंगनिया में आज सुबह ध्वजारोहण किया जायेगा। ध्वजारोहण सुबह 7.15 बजे किया जायेगा। इसमें पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री अंकित आनंद (आई.ए.एस.) ध्वजारोहण करेंगे। इसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्युतकर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश भर में उत्कृष्ट सेवा देने वाले विद्युतकर्मियों को मैडल, प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। समारोह में पावर कम्पनीज के प्रबंध निदेशकगण श्रीमती उज्जवला बघेल, श्री मनोज खरे एवं श्री एस.के.कटियार, निदेशक श्री के. एस. रामाकृष्णा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री ए.के. वर्मा ने विद्युत कंपनियों के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों से कार्यक्रम में प्रातः 7.15 बजे उपस्थिति का अनुरोध किया है।

कमलोचन को राष्ट्रपति मेडल, आईपीएस मोहित समेत 24 पुलिसकर्मियों को वीरता पदक

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले केद्र सरकार ने पुलिस मेडल की घोषणा कर दी है। देश में कुल 954 पुलिसकर्मियों को ये मेडल दिए गए हैं। इनमें छत्तीसगढ़ के ऑफिसर और पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। कुल 35 मेडल छत्तीसगढ़ को मिला है। राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा मेडल के लिए दंतेवाड़ा के डीआईजी कमलोचन कश्यप को चुना गया है। छत्तीसगढ़ के आईपीएस मोहित गर्ग सहित 24 पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को वीरता मेडल दिया जाएगा। डीआईजी नेहा चंपावत सहित 10 पुलिसकर्मियों को सराहनीय सेवा मेडल से नवाजा जाएगा। आईपीएस मोहित गर्ग, इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट, एसआई पीलूराम मंडावी, एएसआई जोगीराम पोडियम, हेड कांस्टेबल हिड़मा पोडियम, प्रमोद कटियाम बलराम कश्यप, बीजू रामजी, बुधराम , लक्ष्मी नारायण मारपल्ली, मंगलू कुड़ियां, शेर बहादुर सिंह ठाकुर, छत्रपाल साहू , एएसआई सुरेश जब्बा, हेड कांस्टेबल सुशील, मंगलू कोसवासी, बर्दी धर्मिया,मुकेश कमलु, रमेश पेरे, अरुण मरकाम, मनोज मिश्रा, लचिंदर कुरूद, नीलांबर भोई, अजय बघेल। डीआईजी नेहा चंपावत, कमांडेंट सर्जन राम भगत, एएसपी भावना पांडे, सब इंस्पेक्टर गणपत प्रसाद पांडे, कंपनी कमांडर तेलेशपर मिंज, असिस्टेंट कमांडेंट राजेश कुमार शर्मा, प्लाटून कमांडर ठकबहादुर सोनी, हेड कांस्टेबल वेद कुमार मंडावी, कांस्टेबल शैलेंद्र सिंह, कमांडेंट प्रकाश टोप्पो।

घर-घर तिरंगा फहराने सीआरपीएफ जवानों ने निकाली बाइक रैली

रायपुर। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत घर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने और लोगों में देशभक्ति का जज्बा लाने के लिए राजधानी रायपुर से सीआरपीएफ जवानों ने बाइक से तिरंगा यात्रा की शुरुआत की जहां जगह-जगह पर लोगों ने उनका का स्वागत किया। तेलीबांधा स्थित मरीन ड्राइव में जवानों ने भारत माता की जय के नारे लगाए और देशभक्ति गानों पर जमकर झूमे। रायपुर में सीआरपीएफ की 65वें बटालियन के जवानों ने बाराडेरा कैंप से बाइक तिरंगा यात्रा निकाल कर भ्रमण कर राजधानावासियों को एकता का संदेश दिया। जवानों की तिरंगा यात्रा मंदिर हसौद, लाभांडी होते हुए रायपुर के तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राइव पर समाप्त हुई। जवानों का जगह-जगह लोगों ने स्वागत किया। मोटर साइकिलों पर 150 से ज्यादा जवान एवं अधिकारी अपने हाथों में तिरंगा लेकर निकले थे।

मुख्यमंत्री पुलिस परेड ग्राउण्ड में सुबह 9 बजे करेंगे ध्वजारोहण

उपमुख्यमंत्री सिंहदेव सरगुजा और विस अध्यक्ष डॉ. महंत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में करेंगे ध्वजारोहण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के तहत वे 15 अगस्त को सुबह 9 बजे से पुलिस परेड ग्राउण्ड रायपुर में स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा 09.02 बजे से 9.25 तक परेड का निरीक्षण और मार्चपास्ट के पश्चात 9.25 बजे से राज्य की जनता के नाम संदेश का वाचन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री बघेल समारोह में 9.50 बजे से 10.15 बजे तक पदक अलंकरण और पुरस्कार वितरण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री बघेल 10.15 बजे से 10.25 बजे तक परेड का प्रस्थान और परेड कमाण्डरों से परिचय प्राप्त करेंगे। स्वतंत्रता दिवस के गरिमामय समारोह में 10.29 बजे से 10.39 बजे तक पुलिस महिला बैण्ड द्वारा प्रदर्शन, 10.39 बजे से 10.49 बजे तक पीटीआई ड्रिल शो और 10.49 बजे से 11.09 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी होगी।

मुख्यमंत्री समारोह के पश्चात पुलिस परेड ग्राउण्ड से मुख्यमंत्री निवास के लिए प्रस्थान करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव सरगुजा और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला मुख्यालय में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। अन्य जिला मुख्यालयों में मंत्रीगण, संसदीय सचिव और विधायक राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और मुख्यमंत्री का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन करेंगे।

इसी तरह पंचायत, ग्रामीण विकास एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री रविन्द्र चौबे बेमेतरा, गृह एवं लोक निर्माण मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू दुर्ग, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर कबीरधाम, खाद्य एवं संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत राजनांदगांव, राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया बालोद, उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल रायगढ़, आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री मोहन मरकाम कोण्डागांव, उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा सुकमा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री गुरू रूद्रकुमार मुंगेली, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया जांजगीर-चांपा और सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत द्वारा कोरबा में ध्वजारोहण किया जाएगा।

इसी तरह संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन दंतेवाड़ा, संसदीय सचिव श्री विनोद सेवनलाल चन्द्राकर महासमुंद, संसदीय सचिव डॉ. श्रीमती रश्मि आशीष सिंह बिलासपुर, संसदीय सचिव श्री शिशुपाल सोरी कांकेर, संसदीय सचिव श्री यू.डी.मिंज जशपुर, संसदीय सचिव श्री चन्द्रदेव प्रसाद राय बलौदाबाजार-भाटापारा, संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय गरियाबंद, संसदीय सचिव श्री पारसनाथ राजवाड़े कोरिया, संसदीय सचिव श्री इन्द्रशाह मण्डावी मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, संसदीय सचिव श्री द्वारिकाधीश यादव बस्तर, राज्य योजना आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम सूरजपुर, विधायक श्री बृहस्पत सिंह बलरामपुर, विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव धमतरी, विधायक श्री चंदन कश्यप नारायणपुर, विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई, विधायक श्री रामकुमार यादव सक्ती, विधायक श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े सारंगढ़-बिलाईगढ़ और विधायक श्री विक्रम मंडावी बीजापुर में ध्वजारोहण करेंगे।

विधायक विकास उपाध्याय ने निकाली साइकिल तिरंगा यात्रा

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से विधायक विकास उपाध्याय ने आज सोमवार को स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व साइकिल तिरंगा यात्रा निकाली। संसदीय सचिव के नेतृत्व में इस यात्रा में बड़ी संख्या में बच्चे, छात्र-छात्राएं, युवा और कांगेसियों ने भाग लिया। तिरंगा यात्रा में आकर्षण का केन्द्र सरोना आत्मानंद स्कूल से शामिल 7 वर्ष की स्कूली छात्रा रही, जो विधायक के साथ पूरे जोश और हर्षोल्लास के साथ साइकिल तिरंगा यात्रा में भाग लेकर साइकिल चलाया।

इस दौरान भारत माता की जयघोष से पूरा रायपुर शहर गूंज उठा। विधायक उपाध्याय ने कहा कि देश की आजादी को लेकर वीर शहीदों के बलिदान और क्रांति को याद कर ही शरीर में उत्साह का संचार होता है। उनसे देशहित के लिए कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। देश की एकता,अखंडता व आपसी भाईचारे को लेकर जिस प्रकार पार्टी नेता राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली। पूरे देश को संदेश दिया कि इस देश में अलग-अलग जाति, धर्मों के लोग जिस भाईचारे से रहते हैं। अनेकता में एकता ही हमारे भारत देश की पहचान है। इसी कड़ी में आज रायपुर पश्चिम विधानसभा में भी साइकिल यात्रा निकाली गई।

साइकिल यात्रा गुढ़ियारी महतारी चौक से पूजा अर्चना करके निकाली गई। इसके बाद भारत माता चौक, माता कर्मा चौक, कबीर चौक, रामसागर पारा, तात्यापारा होते हुए जयस्तंभ चौक पहुंची। यहां पर शहीद वीर नारायण सिंह की शहादत को याद कर उनके उन्हें नमन कर यात्रा का समापन हुआ।

साव सबसे पहले भाजपा से करें बुलडोजर की शुरुआत: भूपेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के बुलडोजर पर दिए बयान से प्रदेश की सियासत गरमाई हुई है। यूपी, मध्यप्रदेश के बाद अब छत्तीसगढ़ में भी बुलडोजर की एंटी हो चुकी है। मामले में जमकर राजनीति हो रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ठीक बात कह रहे हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि रमन सिंह ने स्वीकार किया है एक साल कमीशनखोरी बंद करो और 30 साल राज करो। कमीशनखोरी तो बंद नहीं किए और सत्ता से चले गए। अरुण साव पहले इसकी शुरुआत अपने घर (क्च्छ्रक्क) से करें।

सीएम ने कहा कि हम लोग बुलडोजर चलाने में विश्वास नहीं कानून पर विश्वास करते हैं। बार-बार अरुण साहू के बुलडोजर चलाने की बात पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वो नफरत की राजनीति करते हैं क्योंकि इनका मूल आधार ही हिंसा और नफरत है। कांग्रेस का आधार भाईचारा और प्रेम है। हम जोड़ने की बात करते हैं और वह तोड़ने की बात करते हैं। उन्हें सिर्फ सत्ता चाहिए वह सत्ता के भूखे लोग हैं। विधायक धर्मजीत सिंह के बयान पर मुख्यमंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि टिकट की गारंटी मिलने पर धर्मजीत भाजपा में चले गए। कहां से लड़ेंगे पहले वो बता दें। वर्तमान में वह चुनाव तो जीत नहीं सकते इसलिए वो भाजपा में गए हैं। यह भी अब सुनने में आया है कि वह लोरमी से चुनाव तो लड़ेंगे नहीं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने बीते दिनों कहा था कि छत्तीसगढ़ की प्रकृति शांत है। कांग्रेस सरकार ने अपने इस पांच साल के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ से विकास का विनाश किया है। शांत छत्तीसगढ़ को अपराधगढ़ बना दिया है।

पुरखों के त्याग और बलिदान से मिली हमें आजादी: बघेल

- मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने देश की आजादी की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि पुरखों के कठिन संघर्ष, त्याग और बलिदान से हमें आजादी मिली है। आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले उन सभी अनाम योद्धाओं, शहीदों और वीर जवानों को नमन है, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान दिया। उनकी बदौलत हम आजाद वातावरण में सांस ले पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आजादी के वास्तविक मायने और मूल्यों को समझने के लिए हमें इतिहास का संजीदगी से पुनरावलोकन करना होगा। हमारे पूर्वजों के कठिन परिश्रम और दूरदृष्टि का परिणाम है कि अनेक चुनौतियों के बावजूद भारत आज पूरे विश्व में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पुरखों ने आजादी के बाद जिस लोकतंत्रात्मक गणराज्य का सपना देखा था, उसे पूरा करना हम सब की जिम्मेदारी है। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए राज्य सरकार गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार

करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार की प्राथमिकता समाज के सबसे कमजोर वर्ग का सशक्तिकरण, बुनियादी मजबूती, गांवों का आर्थिक सुदृढ़ीकरण, हर व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाओं की पहुंच और विकास के साथ अपनी पुरातन सभ्यता-संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन है। इसके लिए गांधीवादी सोच के साथ सुराजी गांव योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, गौ-मूत्र खरीदी, भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना जैसी कई लोक हितैषी योजनाएं शुरू की गई हैं। बुनियादी स्तर पर गांवों को मजबूत करने के लिए किसानों और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की पहल की गई है।

राज्य सरकार ने बीते पौने पांच सालों में छत्तीसगढ़ के विकास को एक नई ऊंचाई दी है। जनता से किए वायदे को एक-एक कर पूरा किया है। किसानों की कर्जमाफी, 2500 क्विंटल में धान खरीदी, बिजली बिल हाफ, शिक्षा कर्मियों का नियमितिकरण, महिला समूहों की ऋण माफी, चिटफंड कम्पनियों से निवेशकों का पैसा वापसी, पुरानी पेंशन योजना लागू करने जैसे कई महत्वपूर्ण फैसले राज्य सरकार ने लिए हैं। आदिवासियों को वनाधिकार पट्टा और वनोपज का वाजिब दाम दिलाकर उन्हें सक्षम बनाया है। परंपरागत तीज-त्यौहारों के साथ लोक संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन से छत्तीसगढियों में नया आत्मविश्वास आया है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना और माटी पूजन दिवस की शुरूआत की गई है। पोषण और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी लगातार काम कर प्रदेश ने उपलब्धियां हासिल की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की जनहितैषी नीतियों और निर्णयों से गरिमा, न्याय, विश्वास और बराबरी का नया वातावरण छत्तीसगढ़ में बना है। इसे आगे ले जाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। उम्मीद है कि गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प को पूरा करने में सब परस्पर सहयोग से आगे बढ़ेंगे।

छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति को मिली नई ऊंचाईं: भगत

- संस्कृति मंत्री छत्तीसगढ़ राजभाषा स्थापना दिवस के कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर। संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत ने कहा है कि राज्य सरकार के पिछले पौने पांच साल में किए जा रहे विशेष प्रयासों से छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति को नई ऊंचाई मिली है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के लोगों में अपनी संस्कृति के प्रति गौरव का भाव जगाने लिए गए निर्णय दूरगामी साबित हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ की संस्कृति को मान-सम्मान दिलाने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ी पर्वों पर सार्वजनिक अवकाश के साथ ही खान-पान, कला साहित्य को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस मौके पर मंत्री श्री भगत ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराकर सभी से अपने घर तिरंगा फहराने की अपील की।

मंत्री श्री भगत ने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ के कला-संस्कृति मंच और कार्यक्रम के लिए तरसते थे, अब छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति एवं परंपरा पर आधारित कार्यक्रमों से छत्तीसगढ़ी भाषा का क्रेज बढ़ा है। इसका उदाहरण आईएएस और आईपीएस अधिकारियों में छत्तीसगढ़ी की ललक देखा

जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यहां की लोक-संस्कृति, कला, परपंरा, ऐतिहासिक धरोहरों, पुरखों के सपनों को संजोन, सहेजने के साथ ही मुख्यमंत्री के प्रयास से छत्तीसगढ़ी फिल्म नीति लागू किया। अब छत्तीसगढ़ी फिल्म को उद्योग का दर्जा मिल गया है। यहां के कलाकारों, तकनीशियनों, निर्माता, निर्देशकों को इस क्षेत्र में वृहद रूप से रोजगार उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत छत्तीसगढ़ी फिल्मों को राज्य सरकार द्वारा फिल्म नीति के माध्यम से एक करोड़ से लेकर पांच करोड़ रूपए तक की पुरस्कार राशि देने का प्रावधान किया है।

संसदीय सचिव श्री कुंवर सिंह निषाद ने भी राजभाषा आयोग के कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा पर हमें गर्व है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय रामायण महोत्सव से छत्तीसगढ़ आयोध्या मय हो गया था, देश-विदेश के रामायण कला संस्कृति से जुड़े लोग छत्तीसगढ़ी रामायण मानस महोत्सव से अभिभूत हुए।

कार्यक्रम में फिल्म निर्देशक श्री मनोज वर्मा ने छत्तीसगढ़ फिल्म नीति लागू करने के लिए राज्य सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति आगे बढ़ेगी। यहां के होनहारों को एक मंच, एक मौका मिलेगा। कार्यक्रम में टीव्ही उद्घोषिका श्रीमती मधुमिका पाल ने अंग्रेजी में पंडवानी सुनाकर और संस्कृति विभाग के संचालक श्री विवेक आचार्य ने छत्तीसगढ़ी भाषा में भाषण देकर सुधीजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रायपुर स्टेशन परिसर मे मनाया गया विभाजन विभीषिका दिवस

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल में विभाजन विभीषिका दिवस रायपुर स्टेशन परिसर मे मनाया गया। जिसका उद्देश्य वर्तमान एवं भावी पीढियों को विभीषिका के दौरान लोगों द्वारा सही गई वेदना और यातना का स्मरण कराना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे श्री मोहन एन्टी (भू.पू.चेयरमेन ,कन्सट्रकशन लेबर वेलफेयर बोर्ड एवं भू.पू.केबिनेट मिनिस्टर) तथा अतिथियों के रूप मे श्री सुरेन्द्र सिंह छाबड़ा, (पूर्व पार्षद एवं अध्यक्ष गुरूद्वारा गुरूसिंह सभा स्टेशन रोड) श्री पुहूल जेठानी (समाजसेवी) श्री अर्जुन दास ओचवानी (समाजसेवी) तथा रेलवे के अधिकारीगण श्री राहुल गर्ग, मंडल कार्मिक अधिकारी (प्रभारी), सुश्री रूहीना तुफ़ैल ख़ान, सहायक कार्मिक अधिकारी-।। एवं श्रीमती निकिता अग्रवाल सहायक, कार्मिक अधिकारी-।।। उपस्थित थे।

स्वागत संबोधन एवं कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय श्री राहुल गर्ग, मंडल कार्मिक अधिकारी (प्रभारी), द्वारा प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात् अतिथियों का संबोधन हुआ, मुख्य अतिथि श्री मोहन एन्टी ने अपने संबोधन मे

कहा कि भारत का विभाजन किसी विभीषिका से कम नही है, हमें एकता और भाईचारे के साथ आगे बढना है तथा विधटनकारी शक्तियों को परास्त करना है। इस कार्यक्रम में भारत स्काउट एवं गाईड द्वारा नुक्कड़ नाटक सफ़र की प्रस्तुति की गई, इस उत्कृष्ट प्रस्तुति को उपस्थित सभी अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा सराहा गया। स्टेशन परिसर में देश के विभाजन के संबध में प्रदर्शनी भी लगाई गई है जिसका उदघाटन मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियो द्वारा किया गया। उपस्थित जनसमुदाय द्वारा इसका अवलोकन किया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन सुश्री रूहीना तुफ़ैल ख़ान, सहायक कार्मिक अधिकारी -।। द्वारा किया गया, कार्यक्रम का संचालन श्री फरीदी निसार अहमद, मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

पामगढ़ विधानसभा सीट में भगवान राम किसकी नैय्या लगाएंगे पार!

जांजगीर चांपा। माता शबरी की नगरी शिवरीनारायण पामगढ़ विधानसभा की पहचान हैं। चित्रोंत्पल्ला गंगा के रूप मे जाने जाना वाला शिवरीनारायण महानदी, शिवनाथ नदी और जोक नदी का संगम स्थल है। जिसके कारण इसे गुप्त प्रयाग के रुप मे जाना जाता है। आस्था, विश्वास और प्रेम के कारण इस नगरी को राज्य सरकार ने राम वनगमन परिपथ में शामिल किया है। इस सीट को महत्व देने के पीछे राज्य की कांग्रेस सरकार के अपने मायने हैं। कांग्रेस पामगढ़ विधानसभा सीट को जीतने हि संभव कोशिश कर रही है। वहीं बीजेपी और बसपा भी इस क्षेत्र के मतदाता को साधने का क कोई कसर नहीं छोड़ रही है। अब देखना होगा इस चुनाव में भगवान राम किसकी नैय्या पार लगाते हैं।

पामगढ़ विधानसभा का इतिहास

छत्तीसगढ़ बनने के बाद पामगढ़ विधानसभा सीट से 2003 में कांग्रेस प्रत्याशी महंत रामसुंदर दास ने बहुजन समाज पार्टी का किला फतह किया। महंत रामसुंदर दास

पामगढ़ से विधायक चुने गए। उससे पहले लगातार तीन बार बसपा के दाऊराम रत्नाकर ने जीत हासिल की थी। जिसके बाद परिसिमन में पामगढ़ को अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित किया गया। 2008 में बीजेपी और कांग्रेस को हराकर बसपा के दूजराम बौद्ध ने जीत हासिल की। साल 2013 में पामगढ़ से बीजेपी के अम्बेश जॉगड़े ने जीत हासिल की। वही 2018 के चुनाव में पामगढ़ से बसपा प्रत्याशी इंदु बंजारे ने बीजेपी के अम्बेश जांगड़े को हराया था।

पामगढ़ विधानसभा का जाति समीकरण

जनसंख्या के आधार पर पामगढ़ विधानसभा में 45 प्रतिशत के करीब ओबीसी वर्ग की बाहुल्यता है। लेकिन इस वर्ग में अलग अलग कई जाति के लोग समाहित होने के कारण कुर्मी, कश्यप की भूमिका अहम होती है। जिस ओर इनका साथ मिलता है, उसका पलड़ा भारी हो जाता है। वहीं अनुसूचित जाति की संख्या 35 प्रतिशत के करीब है। वहीं अनुसूचित जनजाति और सामान्य वर्ग के मतदाता बहुत ही कम हैं। जिसके कारण इस सीट में ओबीसी वोटर्स को साधने सभी पार्टी जुटी रहती है।

पामगढ़ विधानसभा में मतदाता

अकलतरा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 11 हजार 900 मतदाता हैं। जिसमें से पुरुष मतदाता 1 लाख 8 हजार 577 हैं। वही महिला मतदाता 1 लाख 3 हजार 383 हैं। साथ ही थर्ड जेन्डर के भी 2 मतदाता हैं। विधानसभा चुनाव में यहां का मतदान प्रतिशत करीब 65 से अधिक रहता है। जिसमें महिला वर्ग बढ़ चढ़ कर अपने मताधिकार का प्रयोग करते दिखाई देते हैं।

पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मुद्दे और समस्याएं

जांजगीर चाम्पा में सबसे ज्यादा पलायन करने वाला पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र माना जाता है। यहां रोजी मजदूरी के लिए ना तो बड़े कारखाने हैं, ना ही कोई अन्य साधन, जिसके कारण यहां के एससी और ओबीसी वर्ग के लोग पलायन करने को मजबूर हैं। इसके अलावा यहां की शिक्षा व्यवस्था भी बदहाल है। सड़को की स्थिति खराब है। ग्रामीण अंचल मे बिजली की आंख मिचौली से लोग परेशान हैं। खेती किसानी में भी पानी और अन्य संसाधन कम है। यही वजह है कि किसान एक फसल लेने के बाद दूसरा फसल नहीं ले पाते।

2018 में पामगढ़ विधानसभा का परिणाम

विधानसभा चुनाव 2018 में पामगढ़ से 15 प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरे थे। जिसमें बीजेपी से अम्बेश जांगडे, कांग्रेस से गोरेलाल बर्मन और बसपा से इंदु बंजारे के बीच मुकाबला था। चुनाव में बसपा ने बढ़त बनाते हुए 50 हजार 129 वोट हासिल किये। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी गोरेलाल बर्मन ने 47 हजार 68 वोट हासिल किया। वहीं बीजेपी के अम्बेश जांगडे ने 32 हजार 767 मत हासिल किये। बसपा के इंदु बंजारे ने कांग्रेस प्रत्याशी गोरेलाल बर्मन को 3061 मतों से पराजित किया। जबकि बीजेपी तीसरे स्थान पर रही।

आज जनता कह रही है वक्त है पछताव का: साव

रायपुर। आज छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने संकल्प भवन भाजपा कार्यालय अंबिकापुर में प्रेस वार्ता को संबोधित किया। अपने दो दिवसीय प्रवास पर पहुंचें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस ने सन 2018 में नारा दिया था वक्त है बदलाव का, आज 5 साल बाद कांग्रेस सरकार के कुशासन से त्रस्त हो कर आम जनता यह कह रही है कि वक्त है पछताव का। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है वह करती है, घोषणा पत्र हमारे लिए संकल्प पत्र है, जो हम कहेंगे वह पूरा करेंगे और एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि यह बात तय है कि पूर्ण बहुमत के साथ छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनाएगी, हमें जनता का प्यार, विश्वास और आशीर्वाद मिल रहा है। श्री साहू ने भूपेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की भोली भाली सीधी सादी जनता ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी कि भूपेश सरकार इतने सारे घोटाले करके छत्तीसगढ़ को पूरे देश में बदनाम करेगी। कोयला घोटाला, रेत घोटाला, शराब घोटाला, जमीन घोटाला, डीएमएफ घोटाला, गोठान घोटाला सहित पीएससी में भी घोटाला करके इस सरकार ने छत्तीसगढ़ के युवाओं के साथ छल किया है। विभाजन विभीषिका दिवस को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 200 साल बाद आजादी तो मिली लेकिन कुछ तत्कालीन नेताओं ने अंग्रेजों से मिलकर देश का दु:खद विभाजन कर दिया, विभाजन की विभीषिका ऐसी थी जिसमें लाखों निर्दोष लोग मारे गए, कांग्रेसी नेताओं ने अपने स्वार्थ के लिए देश का बंटवारा कर दिया। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष सरगुजा ललन प्रताप सिंह, कमलभान सिंह, बाबूलाल अग्रवाल, उद्धेश्वरी पैकरा, सिद्धनाथ पैकरा, अभिमन्यु गुप्ता, संतोष दास, रूपेश दुबे सहित अन्य उपस्थित थे।

पीएम मोदी होंगे पहला चेहरा

अरुण साव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी भाजपा के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में देश का चेहरा हैं। अगले विधानसभा चुनाव में पीएम मोदी भाजपा के पहले चेहरे होंगे। भाजपा का प्रत्याशी कौन होगा, सेंट्रल कमेटी तय करती है, इसलिए यह नहीं बता सकते कि प्रत्याशी कब तक घोषित किए जाएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या छत्तीसगढ़ में शाह वाली सरकार बनाएंगे, अरुण साव ने कहा कि इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। पूर्ण बहुमत से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनेगी।

काका-बाबा की जोड़ी फैल

अरुण साव ने कहा कि काका-बाबा की जोड़ी प्रदेश में फैल हो गई है। उन्होंने घोषणापत्र के वादों को पूरा नहीं किया। पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं बदहाल स्थिति में हैं। वर्तमान सरकार से छत्तीसगढ़ के लोग खुश नहीं हैं।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

देशभक्ति सबसे ऊपर

रायपुर में पिछले दिनों (11 अगस्त,2023) को बड़ी सुंदर और प्रेरक घटना घटित हुई। एक लाख से अधिक स्कूली बच्चों ने अन्य देशप्रेमी नागरिकों के साथ राष्ट्रगीत %वंदे मातरम% का समूह -गायन किया। इसी के साथ राज्य गीत %अरपा पैरी के धार% का भी समूह-गान प्रस्तुत किया गया। इस तरह एक साथ दो कीर्तिमान बने। %मेरी शान, वंदे मातरम% नामक आयोजन ने पूरे प्रदेश में देशभक्ति की लहर-सी फैला दी। प्रात:काल से ही स्कूली बच्चे तिरंगेवाली पोषक में प्रभात फेरी करते हुए साइंस कॉलेज मैदान पहुँचे और वहाँ वन्देमातरम का समूह गायन किया। रैली में अनेक बहनें छत्तीसगढ़ महतारी बनी हुई थीं. गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकार्ड बनाने के लिए हुआ यह अभूतपूर्व आयोजन सिद्ध करता है कि जन-जन के मन में देशभक्ति की भावना कूट- कूट कर भरी हुई है। बच्चे जब सड़कों पर विभिन्न महापुरुषों के मेकप के साथ वंदे मातरम और भारत माता की जयघोष करते हुए निकल रहे थे, तो रास्ते चलते दर्शक भी उनका साथ दे रहे थे। तब मुझे राष्ट्रकवि सोहनलाल द्विवेदी की पंक्तियाँ याद आ रही थी,%%वंदना के इन स्वरों में, एक स्वर मेरा मिला लो/ हो जहाँ बलि शीश अगणित, एक सर मेरा चढ़ा लो!%% कभी दिल्ली में कुछ भटके युवकों ने नारा लगाया था, %%भारत तेरे टुकड़े होंगे%%. उन नादानों को छत्तीसगढ़ के लाखों बच्चो द्वारा वन्देमातरम गायन करना एक तरह से करारा ज़वाब ही कहा जा सकता है। हालांकि वंदे मातरम के गायन का विश्व रिकार्ड दूसरे राज्यों में भी बनता रहा है, और सिलसिला जारी रहना चाहिए। रायपुर में स्वतंत्रता दिवस के चार दिन पहले हुए इस आयोजन से हर बच्चे के मन में देशप्रेम की भावना का और अधिक संचार होगा। इस देश के हर बच्चे के मन में इसी तरीके से देशप्रेम की भावना का संचार हो सकता है। बच्चों को यह भी बताना है कि केवल गिनीज बुक के लिए ही कीर्तिमान नहीं बनाना है। हमारी दिनचर्या में वन्देमातरम और भारत माता की जय शामिल होना चाहिए। बहुत हो गया हैलो या हाउ डू यू डू. हमें अपने अभिवादन में जयहिंद, वन्देमातरम या भारत माता की जय शामिल करना चाहिए। जब हमारी प्रतिदिन की स्मृति में भारत माता या देश रहेगा तो हमारी पीढ़ी भ्रष्टाचार नहीं करेगी। हर व्यक्ति अपना काम ईमानदारी से करेगा। इसमें दो राय नहीं की आज़ादी का अमृत महोत्सव तक पहुँचते-पहुंचते देशप्रेम की भावना कुछ कम तो हुई है, इसीलिए देश की राजधानी में भारत को तोड़ने की बात हुई। लेकिन परम संतोष की बात है कि छत्तीसगढ़ की राजधानी में भारत माता को प्रणाम करने के नारे लगे. और इस नारे को लगाने में सभी धर्मों के बच्चे शामिल थे. यही एकता भारत की ताकत है। किसी भी राष्ट्र की सच्ची प्रगति देशभक्ति की उदात्त भावना के कारण होती है। दुनिया के अनेक देश अगर आज प्रगति के शिखर पर दिखाई देते हैं तो उसके पीछे उस देश के एकनिष्ठ लोगों का अटूट राष्ट्रप्रेम ही बड़ा कारण रहा है। छत्तीसगढ़ के लाखों बच्चों द्वारा एक साथ वन्देमातरम गाना और भारत माता की जय कहना उनके जीवन की यादगार घटना बन गई है। वे 11 अगस्त के दिन को कभी ही भूल सकेंगे और देश के सच्चे नागरिक बन कर पूरी ईमानदारी के साथ भारत माता के प्रगति सहायक बनेंगे। अंत में गयाप्रसाद शुक्ल स्नेही की इन पंक्तियों के साथ बात खत्म करूँगा कि 'जो भरा नहीं है भावों से, जिसमें बहती रस धार नहीं/ वह हृदय नहीं है पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।' जाति, संप्रदाय से ऊपर देशभक्ति होनी चाहिए। देश का सवाल आए तो धर्म को भी त्याग दें। यही देशभक्ति है।

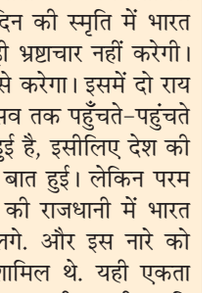

यह सरकार युवाओं के खिलाफ काम करती है: बृजमोहन

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला रायपुर ग्रामीण के भाजयुमों आरंग विधानसभा द्वारा नव मतदाता अभिनंदन समारोह जिला अध्यक्ष फणेन्द्र भूषण वर्मा के नेतृत्व में आयोजन किया गया । इस अवसर पर बृजमोहन अग्रवाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस के सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि शराब बंदी को वादा करके आयी सरकार आज गली गली मे शराब बिकवा रही है यह सरकार युवाओं के खिलाफ काम करती है क्रष्ट घोटाला, बेरोजगारी भत्ता मे युवाओं का छल, कोयला घोटाला, रेती दलाली एवं व्यापम घोटाला, के बारे मे बताया.. भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री विजय शर्मा जी ने मोदी सरकार के चल रहे आगामी सभी योजनाओं के बारे मे बताया एवं नवमतदताओं को उनका लाभ कैसे ले सके ये बताया! सभी वक्तको ने मोदी सरकार के नो साल के उपलब्धियों को नवमतदाताओं के समक्ष रखा , 15 साल के भाजपा सरकार के उपलब्धियों को भी नवमतदाओ के समछ रखा । भाजपा के रीती नीति से भी नवमतदाताओं को वक्तओ ने अवगत कराया, इस समारोह में भाजपा एवं भाजयुमो के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के दिग्गज नेताओं ने शिरकत किया। जिसमें मुख्यवक्ता के रूप कद्दावर नेता बृजमोहन अग्रवाल, सासंद सुनील सोनी,भाजपा प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता अमित साहु, राष्ट्रीय कार्यसमिती गुंजन प्रजापती,प्रदेश सह प्रभारी वैभव बैंस, प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत, भाजपा जिला सहप्रभारी डेनिस चद्राकर,भाजपा जिला अध्यक्ष टंकराम वर्मा,भाजपा विधानसभा प्रभारी अनिल पांडेय, जिला महामंत्री द्वय अनिल अग्रवाल, श्याम नारंग, भाजयुमों जिला प्रभारी दीपक बैंस, पूर्व विधायक संजय ढ़ीढ़ी, भाजपा नेता अनुज शर्मा उपस्थित थे।

तिरंगा यात्रा और आरती माँ भारती के प्रति समर्पण का छोटा सा प्रयास मात्र:मूणत

रायपुर। रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक राजेश मूणत के नेतृत्व में आज विधानसभा क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया सर्वप्रथम दोपहर 3 बजे रायपुर के साइंस कॉलेज स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम से भव्य बाइक रैली की शुरुवात की गई रैली के अगुवाई में स्वयं राजेश मूणत बाइक पर सवार होकर युवाओं सहित तिरंगा ध्वज हाथ में लिए मां भारती के नारों का नाद करते हुए निकले शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए रैली भारत माता चौक पहुंची जहां शाम 7 बजे पंडितो की उपस्थिति में विधिविधान से मां भारती की आरती की गई 2 हिस्सो में विभाजित तिरंगा यात्रा में एक ओर जहां बाइक रैली का आयोजन किया गया वहीं रामनगर परिक्षेत्र की स्कूलों के बच्चो और प्राध्यापको सहित 1 किलोमीटर लंबा तिरंगा लेकर रैली निकाली गई बाजे गाजे , छत्तीसगढ़ के लोक संगीत पर पारंपरिक लोकनृत्य , घोड़ा बग्घी निकाली गई रैली में हजारों बच्चो की उपस्थिति रही सभी भारत माता की जय के नारे लगाते हुए विशाल काय तिरंगे सहित पैदल मार्च करते हुए भारत माता चौक पहुंचे जहां आरती का आयोजन रखा गया था , राजेश मूणत बाइक रैली से तुरंत बाइक में ही सवार होकर रामनगर कर्मा चौक पहुंचे और बच्चो के साथ पैदल रैली में शामिल हो गए भारत माता की आरती के बाद प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार लोकरंग मंच अरजुंदा के दीपक चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ी लोक संगीतो से रंगारंग प्रस्तुति दी और समा बांध दिया देशभक्ति गीतों और लोकगीतों के अद्भुत मिश्रण वाले कार्यक्रम का आम जनता ने भी जमकर लुफ्त उठाया देशभक्ति और लोकगीतों पर हजारों की संख्या में आमजन देर शाम तक थिरतेके रहे चारो तरफ देशभक्ति का माहौल रहा। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या तिरंगे के सम्मान में और अमर स्वतंत्रता की ऊर्जावान कामना सहित हमारे द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई , भारत माता की आरती की गई छत्तीसगढ़ी लोक कलाकारों द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी गई हमारे द्वारा मां भारती के सम्मान में अखंड स्वतंत्रता की कामना हेतु यह एक छोटा सा प्रयास मात्र है हमारा मानना है की मां भारती के वैभव के लिए उसके प्रति समर्पण के लिए किया गया कोई भी आयोजन किसी का निजी आयोजन नही हो सकता ऐसे आयोजन सकल भारत वासियों का संयुक्त आयोजन होता है।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

साव, डॉ. सिंह व चंदेल ने दी स्वतंत्रता पर्व की शुभकामनाएं

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने छत्तीसगढ़वासियों को स्वाधीनता पर्व की 76वीं वर्षगाँठ पर शुभकामनाएँ व बधाई दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि स्वाधीनता पर्व के अमृतकाल में हम सब छत्तीसगढ़ को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करने, अपने बलिदानी स्वाधीनता सेनानियों के सपनों को साकार करने और सर्वधर्म समभाव, सामाजिक समरसता व सुशासन स्थापना के लक्ष्य का संधान करके गरीबों के कल्याण के लिए योजनाओं व कार्यक्रमों के लिए प्रतिक्षण तत्पर हों, तभी स्वतंत्रता के लिए किया गया बलिदान सार्थक होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सारी दुनिया भारत की ओर विश्वास के साथ देख रही है। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने स्वाधीनता दिवस की 76वीं वर्षगाँठ पर छत्तीसगढ़वासियों को बधाई दे हुए कहा कि हमारा स्वतंत्र भारतवर्ष आज वैश्विक नेतृत्व में अति विशिष्ट स्थान पर है। 76वर्षों में भारत निरंतर सुदृढ़ हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतवर्ष की क्षमता में बेमिसाल वृद्धि का परिणाम है। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने अपने संदेश में प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सभी प्रदेशवासियों के साथ भाजपा की शुभकामनाएँ हैं कि स्वतंत्र भारतीय राष्ट्र की निरंतर मजबूती के इतिहास में छत्तीसगढ़ का योगदान सुनहरे अक्षरों में अंकित हो।

भारत विभाजन की गुनाहगार हिंदु महासभा : शुक्ला

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि विभाजन की विभीषिका कार्यक्रम भाजपा का अपने पूर्वजों के गुनाह पर से पर्दा डालने के लिये है भारत विभाजन के गुनहागार हिंदु महासभा, आरएसएस और मुस्लिमलीग जैसी साम्प्रदायिक ताकते अंग्रेजो की फूट डालो राज करो नीति में सहयोग करती रही। भाजपा अपने पूर्वजों के गुनाहों को महात्मा गांधी और पंडित नेहरू पर मढ़ने की शुरू से साजिश करती रही है। अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति में सहयोगी की भूमिका निभाने वाले मुस्लिमलीग के साथ हिन्दु महासभा और राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) के गठजोड़ ने आजादी की लड़ाई में गांधी जी के आंदोलन का भी विरोध किया था। 1947 के भारत पाक विभाजन के लिये पं. जवाहर लाल नेहरू और कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराने वाले संघी इतिहास पढ़ ले तो पता चल जायेगा विभाजन के असली जिम्मेदार आरएसएस और उनके पूरखे हिन्दू महासभा के नेता थे। 1937 में हिन्दु महासभा के उन्नीसवें अधिवेशन में अहमदाबाद में बोलते हुये सावरकर ने द्वि-राष्ट्र सिद्धांत की थ्योरी का खुला समर्थन करते हुये कहा था कि भारत में विरोधाभाषी दो राष्ट्र साथ-साथ रह रहे है। भारत को एक मिलाजुला राष्ट्र नही माना जा सकता, बल्कि इसके विपरीत भारत में हिन्दु और मुस्लिमों के रूप में दो देश बसे है। 15 अगस्त 1947 को संवाददाता सम्मेलन में सावरकर ने जिन्ना के द्वि-राष्ट्र के सिद्धांत का खुला समर्थन करते हुये कहा था।

सरकार संगठन और सत्ता के अंतर्द्वंद्व में उलझी: मार्कंडेय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक नवीन मार्कण्डेय ने कहा है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भरोसे का सम्मेलन अब पूरी तरह फ्लॉप शो हो गया है। श्री मार्कण्डेय ने कहा कि जो कांग्रेस और उसकी प्रदेश सरकार संगठन और सत्ता के अंतर्द्वंद्व में उलझी खुद भरोसे के संकट से जूझ रही है, उसके चाहे जितने भरोसे के सम्मेलन हो जाएँ, वे सब सियासी ड्रामेबाजी से अधिक कुछ नहीं।कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मौजूदगी के बावजूद जांजगीर-चांपा भरोसे के सम्मेलन से भीड़ का गायब होना, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि कांग्रेस और सीएम भूपेश बघेल से अब लोगों का भरोसा उठ चुका है। श्री मार्कण्डेय सोमवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ में पत्रकारों से मुखातिब थे। भाजपा अजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री मार्कण्डेय ने कहा कि जांजगीर-चांपा के लोगों का भरोसे के सम्मेलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा नहीं लेना, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के लिए यह स्पष्ट संदेश है कि कांग्रेस की जांजगीर-चांपा और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की स्थिति दयनीय हो चुकी है। हालात ये हो चले हैं कि भरोसे के सम्मेलन के विज्ञापन में कांग्रेस को भाजपा के नेताओं की फोटो लगानी पड़ रही है। इससे साफ है कि सम्मेलन कांग्रेस की सरकार करा रही है।

सिंहदेव सरगुजा और डॉ. महंत मनेन्द्रगढ़ में करेंगे ध्वजारोहण

रायपुर। प्रदेश में 15 अगस्त 2023 को स्वतंत्रता दिवस पूरी गरिमा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव सरगुजा और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला मुख्यालय में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। अन्य जिला मुख्यालयों में मंत्रीगण, संसदीय सचिव और विधायक राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और मुख्यमंत्री का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन करेंगे।

शराब घोटाला केस: भूपेश सरकार के खिलाफ ईडी पहुंची हाईकोर्ट

बिलासपुर। शराब घोटाला मामले में सोमवार को दिन खास रहा। बिलासपुर हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई है। सुनवाई को दौरान कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लन और नितेश पुरोहित को हाईकोर्ट से राहत मिली है। दोनों अभियुक्तों को अंतरिम बेल मिली गई है। कोर्ट से पूरे मामले में स्टे का अभियुक्तों को लाभ मिला है। यह सुनवाई जस्टिस दीपक तिवारी की सिंगल बेंच ने की है। त्रिलोक की ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन परगनिया और नितेश पुरोहित की ओर से अधिवक्ता मतीन सिद्दीकी ने इस मामले की पैरवी की। इस केस में सबसे बड़ी बात ये है कि इस मामले में रायपुर ईडी के डिप्टी डायरेक्ट ने सीबीआई से जांच की मांग को लेकर फाइल पिटीशन की है।

ईडी ने 2000 करोड़ के शराब घोटाले मामले में ब्रूस अनिल टूटेजा, अनवर ढेबर, अरूणपति त्रिपाठी, अरविंद सिंह और विकास अग्रवाल की 121.87 करोड़ की 119 संपत्ति अटैच की है। इसमें 14 संपत्ति अनिल टूटेजा की है, जिसकी कुल 8.88 करोड़ है। इसमें पहले एजेंसी नें 58 करोड़ की संपत्ति अटैच की थी, यानी शराब घोटाला मामले में अब तक प्रदेश में कुल 180 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की जा चुकी है। इसमें नगद, फिक्स डिपोजिट भी होल्ड किए गए हैं। दो हजार करोड़ के शराब घोटाले में ईडी ने 15 मई को कहा था कि कारोबारी अनवर ढेबर से जुड़ी रायपुर, भिलाई और मुंबई में जांच की गई। इसमें नया रायपुर में 5 एकड़ भूमि मिली है, जिसकी करीब 21.60 करोड़ कीमत आंकी गई है।

कथित 21 करोड़ से अधिक की जमीन मिली

इससे पहले ईडी ने छत्तीसगढ़ में लगातार छापे के बाद एक एक रिपोर्ट जारी कर शराब घोटाले को उजागर किया था। श्वष्ठ ने अपनी जांच रिपोर्ट में बताया कि रायपुर नगर निगम के मेयर एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर के कथित 21 करोड़ से अधिक की जमीन मिली है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर, भिलाई और मुंबई में जांच पड़ताल के दौरान नवा रायपुर में 5 एकड़ भूमि अनवर ढेबर के नाम से होना पाया है, जिसकी कुल कीमत 21 करोड़ 60 लाख आंकी जा रही है। अनवर को इस कथित सिंडीकेट का सरगना बताया गया है। अनवर के नेतृत्व में प्रदेश में एक सिंडीकेट काम कर रहा था।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.